THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 44 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.13/14 2083 शुक्रवार, 15 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एक साथ 10 से ज्यादा देशों के विदेश मंत्रियों से पीएम मोदी अचानक मिले

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में हो रही ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल कई विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। इनमें रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची, दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला और ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा शामिल थे। ये मुलाकातें भारतीय राजधानी में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान हुईं। प्रधानमंत्री मोदी ने आए हुए मंत्रियों और प्रतिनिधियों के साथ आधिकारिक 'ब्रिक्स फैमिली फोटो' के लिए भी पोज दिया।

एसआईआर-तीसरा फेज घोषित

तेलंगाना-आंध्रप्रदेश समेत 19 राज्य-यूटी शामिल

> 37 करोड़ वोटर्स का वेरिफिकेशन होगा > अब सिर्फ हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख का शेड्यूल आना बाकी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तीसरे फेज की घोषणा की है। इस फेज के तहत हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन किया जाएगा। एसआईआर के तीसरे फेज के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इन तीनों राज्यों में मौसम और जनगणना के दूसरे चरण को देखते हुए एसआईआर के शेड्यूल की घोषणा बाद में की जाएगी।

करीब 4 लाख बीएलओ, 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट तैनात होंगे : चुनाव आयोग ने बताया कि तीसरे फेज की एसआईआर प्रक्रिया में 3.94 लाख बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) तैनात होंगे। बीएलओ की मदद के लिए राजनीतिक पार्टियों की तरफ नियुक्त 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलओ) भी शामिल रहेंगे। दिल्ली में एसआईआर के बाद फाइनल वोटर लिस्ट 7 अक्टूबर को जारी की जाएगी। चुनाव आयोग ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बर्फबारी और मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए एसआईआर की तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी। चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। पहले फेज में बिहार में एसआईआर हुआ था। दूसरे फेज के तहत 28 अक्टूबर 2025 से 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर हुआ। इनमें उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, केरल, गोवा, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप शामिल हुआ। आयोग ने बताया कि एसआईआर के पहले दो फेज में करीब 59 करोड़ मतदाताओं को कवर किया गया था। इस दौरान 6.3 लाख बीएलओ और 9.2 लाख बीएलओ प्रक्रिया में शामिल हुए। यह चुनाव आयोग की एक प्रक्रिया है।

इसमें घर-घर जाकर लोगों से फॉर्म भरवाकर वोटर लिस्ट अपडेट की जाती है। 18 साल से ज्यादा के नए वोटरों को जोड़ा जाता है। ऐसे लोग जिनकी मौत हो चुकी है या जो दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके हैं, उनके नाम हटाए जाते हैं। नाम, पते में गलतियों को भी ठीक किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी से रूसी विदेश मंत्री की मुलाकात

आपसी सहयोग और वैश्विक मुद्दों पर हुई अहम बातचीत

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। लावरोव इन दिनों ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए भारत के दौरे पर हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने आपसी हित से जुड़े कई क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर विस्तार से बात की। चर्चा के दौरान यूक्रेन और पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर भारत का स्पष्ट और पुराना रुख एक बार फिर सामने रखा। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या या संघर्ष का समाधान निकालने के लिए बातचीत और कूटनीति ही सबसे बेहतर विकल्प है। उन्होंने शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि लावरोव ने प्रधानमंत्री को दोनों देशों के बीच चल रहे सहयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में हुए 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद से द्विपक्षीय रिश्तों में कितनी प्रगति हुई है। उस समय प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच मुलाकात हुई थी।

पीएम ने व्लादिमीर पुतिन को शुभकामनाएं भेजी : प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तक अपनी शुभकामनाएं पहुंचाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत रिश्तों को और गहरा करने के लिए दोनों देशों को निरंतर संवाद और सहयोग की आवश्यकता है। यह बैठक भारत और रूस के बीच संबंधों को नई दिशा देने और मौजूदा द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। दोनों पक्षों ने यह भी सहमति जताई कि भविष्य में वैश्विक चुनौतियों का सामना मिलकर करना होगा और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए। इस बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर प्रदेश में आए चक्रवात से हुई तबाही पर दुख जताया है। उन्होंने भारत की राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक शोक संदेश भेजा है।

रणनीतिक रूप से संवेदनशील 'दरभंगा' हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ तैनात

बिहार में विमानन सुरक्षा होगी मजबूत

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। दरभंगा हवाई अड्डे की सुरक्षा का दायित्व औपचारिक रूप से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंपा गया है। गुरुवार को हवाई अड्डा परिसर में एक समारोह आयोजित किया गया। यह उत्तर बिहार में विमानन सुरक्षा तथा महत्वपूर्ण अवसंरचना की सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस तैनाती के साथ ही दरभंगा देश का 72वां हवाई अड्डा बन गया है, जिसे सीआईएसएफ की सुरक्षा प्राप्त हुई है। 'पटना' और 'गया' के बाद यह बिहार का तीसरा हवाई अड्डा है, जो अब सीआईएसएफ के सुरक्षा घेरे में आ गया है।

हवाई अड्डे पर विशेषज्ञ एवं प्रौद्योगिकी आधारित विमानन सुरक्षा प्रदान करने के प्रथम चरण में कुल 145 सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती की गई है। दरभंगा की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यह तैनाती रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह हवाई अड्डा 729 किलोमीटर लंबी भारत-नेपाल सीमा के निकट स्थित है। यहां पर सीमा पार के खतरों, तस्करी नेटवर्क तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन गतिविधियों जैसी उभरती सुरक्षा चुनौतियों को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

सत्ता संभालते ही विजय ने 16 लाख कर्मचारियों-पेंशनर्स को दिया तोहफा

दो प्रतिशत बढ़ाया महंगाई भत्ता

चेन्नई, 14 मई (एजेंसियां)। सीएम विजय ने तमिलनाडु के सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में 2 प्रतिशत बढ़ोतरी का एलान किया। इस बढ़ोतरी के बाद डीए 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया है। सरकार ने इसे 1 जनवरी 2026 से प्रभावी माना है।

राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि इस फैसले से करीब 16 लाख सरकारी कर्मचारी, शिक्षक, पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स लाभान्वित होंगे।

केंद्र के फैसले के बाद तमिलनाडु सरकार ने किया फैसला

सरकार ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत किए जाने के बाद तमिलनाडु सरकार ने भी अपने कर्मचारियों और पेंशनर्स को समान लाभ देने का निर्णय लिया है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार कर्मचारियों और शिक्षकों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है, जो राज्य में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सरकारी खजाने पर पड़ेगा कितना बोझ : सरकार के अनुसार, डीए बढ़ोतरी से राज्य के खजाने पर सालाना करीब 1,230 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इसके बावजूद कर्मचारियों और पेंशनर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त राशि आवंटित करने का फैसला लिया गया है।

महिला योजना पर सियासत : वहीं तमिलनाडु में 'कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' की मई महीने की किस्त में देरी को लेकर सियासत तेज हो गई है। डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया कि हर महीने 15 तारीख तक दी जाने वाली 1,000 की सहायता राशि अब तक क्यों जारी नहीं की गई।

'रॉबर्ट वाड्रा ने याचिका में दिए झूठे और गलत तर्क'

* दिल्ली हाई कोर्ट में ईडी का दावा-गुरुग्राम लैंड केस

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट से गुरुवार को कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा को बड़ा झटका लगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को हाई कोर्ट को बताया कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने अपने खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले का संज्ञान लेने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली अपनी याचिका में झूठे और गलत बयान दिए हैं। यह मामला गुरुग्राम में कुछ जमीन सौदों से जुड़ा है। ट्रायल कोर्ट ने 16 अप्रैल को इस मामले का संज्ञान लेते हुए वाड्रा को समन जारी किया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी की ओर से अधिवक्ता जोहेब हुसैन अदालत में पेश हुए और वाड्रा की उस दलील का विरोध किया, जिसमें कहा गया था कि जिन अपराधों का उन पर मूल मामले में आरोप लगाया गया है, उन्हें 2008 और 2012 के बीच कथित अपराध के घटित होने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की अनुसूची में जोड़ा गया था। ईडी ने अदालत से कहा कि वाड्रा की यह दलील तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है। हुसैन ने कहा कि वाड्रा की इस याचिका पर हर्जाना भी लगना चाहिए। मैंने सभी तथ्यों को निकालकर जांच की है। पूरी तरह से झूठे दावे किए गए हैं। धारा 467 आईपीसी अपने मूल रूप में पीएमएलए अनुसूची में मौजूद थी। प्रथम दृष्टया, झूठे और गलत बयान दिए गए हैं।

भारत के दो एलपीजी वाहक जहाजों ने पार किया होर्मुज

> एमईए ने ओमान तट पर हुए हमले की निंदा की

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच दो और भारतीय गंतव्य वाले एलपीजी जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। एलपीजी जहाज सिमी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान अपने ट्रांसपोंडर को कुछ समय तक बंद रखने के बाद गुरुवार को ओमान की खाड़ी में देखा गया। अन्य एलपीजी जहाज एनवी सनशाइन ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान कुछ ऐसा ही किया।

पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका के बीच तनाव बरकरार : यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है, जब पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका में तनाव बना हुआ है और होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की रुवैस रिफाइनरी से एलपीजी से लदा एनवी सनशाइन जहाज को आखिरी बार भारत के मंगलौर की ओर जाते हुए देखा गया था। इसी बीच, सिमी कतर के रस लाफान बंदरगाह से गुजरात के कांडला तक ईंधन ले रहा है।

युद्धविराम पर ट्रंप की टिप्पणी : इस महीने की शुरूआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ युद्धविराम 'लाइफ सपोर्ट' पर हैं, जिससे संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है और कई मुद्दों जैसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य के कंट्रोल जैसे मुद्दों को लेकर विवाद बना हुआ है। इससे अलावा ट्रंप ने हाल ही में ईरान की ओर से भेजे गए शांति प्रस्ताव को अस्वीकार्य बता दिया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने ईरान द्वारा अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रस्तुत प्रतिक्रिया की समीक्षा की है और प्रस्ताव पर असंतोष व्यक्त किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने ताजा अमेरिकी शांति पहल पर अपनी प्रतिक्रिया पाकिस्तान के माध्यम से दी है, जो तेहरान और वॉशिंगटन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है।

जहाज पर सवार सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित

ओमान के तट पर भारतीय ध्वज वाले जहाज पर हुए हमले के संबंध में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, कल ओमान के तट पर भारतीय ध्वज वाले जहाज पर हुआ हमला अस्वीकार्य है और हम इस बात की निंदा करते हैं कि वाणिज्यिक जहाजों और आम नागरिकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। जहाज पर सवार सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं और हम उन्हें बचाने के लिए ओमान के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हैं। भारत दोहराता है कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना और निर्दोष नागरिक चालक दल के सदस्यों को खतरे में डालना, या किसी भी तरह से नौवहन और वाणिज्य की स्वतंत्रता में बाधा डालना, पूरी तरह से टाला जाना चाहिए।

वीडी सतीशन होंगे केरल के नए सीएम

10 दिन बाद कांग्रेस ने की घोषणा, बोले एक नए युग की शुरूआत होगी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। केरल में कई दिनों की राजनीतिक हलचल, बैठकों और अंदरूनी खींचतान के बाद आखिरकार कांग्रेस ने बड़ा फैसला ले लिया है। कांग्रेस नेतृत्व ने वीडी सतीशन को केरल का नया मुख्यमंत्री चुन लिया है। इसके साथ ही राज्य की राजनीति में नई पीढ़ी के नेतृत्व की शुरूआत मानी जा रही है। दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं दीपादास मुंशी, मुकुल वासनिक और अजय माकन ने उनके नाम का आधिकारिक एलान किया। कांग्रेस नेताओं की तरफ से प्रेस वार्ता में बताया गया कि वीडी सतीशन राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे। केरल में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल को वोट डाले गए थे और 4 मई को नतीजे घोषित किया गया। विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के 10 दिन बाद कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की है। केरल के मुख्यमंत्री नामित होने के बाद, वीडी सतीशन ने कहा, एक नए युग की शुरूआत होगी, एक नए केरल की। हम जानते हैं कि केरल की आर्थिक स्थिति नाजुक है। हमें उम्मीद है कि हम सब कुछ बदल सकते हैं।

> वकील के तौर पर केस लड़ते हुए ममता बनर्जी ने कहा

'बंगाल बुलडोजर राज्य नहीं है'

कोलकाता, 14 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी चीफ ममता बनर्जी गुरुवार को पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा को लेकर दायर एक याचिका के संदर्भ में कलकत्ता हाई कोर्ट में पेश हुईं। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर बंगाल के लोगों की रक्षा करने पर विफल रहने का आरोप लगाया।

रिपोर्ट के मुताबिक, कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ सुजॉय पाल के समक्ष पेश होते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि कृपया बंगाल की जनता की रक्षा करें। यह कोई बुलडोजर राज्य नहीं है। यह मामला उन आरोपों से संबंधित है जिनमें तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन को समाप्त करने और राज्य में भाजपा को सत्ता में लाने वाले बहुचर्चित चुनावों के बाद राजनीतिक कार्यकर्ताओं और पार्टी कार्यालयों पर हमले हुए थे।

ममता बनर्जी ने अदालत को यह भी बताया कि सभी न्यायाधीशों के प्रति मेरा आदर है, क्योंकि यह पहली बार है जब मैं हाई कोर्ट में पेश हो रही हूं और एक वकील के रूप में मैं इस मामले की पैरवी कर रही हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के कई क्षेत्रों में हिंसा और धमकी का सिलसिला जारी है और उन्होंने तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की। टीएमसी चीफ ने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया कि हम लोगों के लिए तत्काल सुरक्षा चाहते हैं। पुलिस की मौजूदगी में वे घरों और दफ्तरों पर कब्जा कर रहे हैं और लूटपाट कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने कार्रवाई के दौरान कहा कि मैं घटना से संबंधित तस्वीरें पहले ही दे चुकी हूं।

कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता जताते हुए बनर्जी ने आगे कहा कि दस मृतकों में से छह हिंदू हैं। कृपया पुलिस को उचित व्यवहार करने के लिए कहें। वे एफआईआर दर्ज नहीं होने दे रहे हैं। मेरे परिवार में 12 साल की बच्चियों को बलात्कार की धमकी दी जा रही है।

ममता बनर्जी ने अदालत को बताया कि हिंसा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और पूरे राज्य में आम लोगों की आजीविका को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि यह मामला दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

'आखिर स्वतंत्रता का यह दिखावा क्यों?'

सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली. 14 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार से तीखे सवाल पूछे। अदालत ने चयन समिति में एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को शामिल किए जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि कोई मंत्री प्रधानमंत्री के रुख के खिलाफ जाकर फैसला कैसे ले सकता है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि मौजूदा व्यवस्था में निर्णय 2:1 के बहुमत से तय होना लगभग तय है।

मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने कहा कि वर्तमान चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। अदालत ने पूछा कि जब कैबिनेट मंत्री सरकार का हिस्सा हैं, तो ऐसे में चयन प्रक्रिया की स्वतंत्रता केवल दिखावा बनकर रह जाती है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में स्वतंत्रता का यह दिखावा क्यों?'

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सीबीआई निदेशक की नियुक्ति प्रक्रिया का हवाला भी दिया। अदालत ने कहा कि जब केंद्रीय जांच ब्यूरो के निदेशक की नियुक्ति में भारत के मुख्य न्यायाधीश की भूमिका हो सकती है, तो चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की नियुक्तियों में भी स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाने में क्या दिक्कत है। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया बेहद अहम है क्योंकि यह सीधे तौर पर लोकतंत्र और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों से जुड़ा हुआ मामला है। अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग केवल निष्पक्ष होना ही नहीं चाहिए, बल्कि उसकी कार्यप्रणाली भी लोगों को निष्पक्ष दिखाई देनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग जैसी संस्था पर जनता का भरोसा कायम रहना बेहद जरूरी है। अदालत ने संकेत दिए कि नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्वतंत्रता लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए आवश्यक है। मामले की अगली सुनवाई में केंद्र सरकार से इस मुद्दे पर विस्तृत जवाब मांगा जा सकता है।

> अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

जज स्वर्णकांता शर्मा ने कहा अवमानना की कार्यवाही शुरू करेंगे

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। एक्साइज पॉलिसी केस में दिल्ली हाईकोर्ट जज स्वर्णकांता शर्मा ने अहम टिप्पणी की है। उन्होंने शराब नीति मामले में सीबीआई की अपील और ईडी की याचिका का जवाब नहीं देने वाले प्रतिवादियों में से कुछ के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का फैसला लिया है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि मेरा आदेश तैयार हो रहा है। इसलिए हम 5 बजे फिर मिलेंगे और तब मैं अपना आदेश सुनाऊंगी।

पूरा केस दिल्ली नीति मामले से जुड़ा है। इसमें जवाब नहीं देने वाले प्रतिवादियों में आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल हैं। उनके साथ ही आप नेता मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक भी इस केस में आरोपी हैं। पहले कोर्ट ने कहा था कि वह एमिकस क्यूरी नियुक्त करेगी। हालांकि, जज स्वर्णकांता शर्मा ने अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया है। यह कार्यवाही उन लोगों के खिलाफ की जा रही है जिन्होंने जस्टिस शर्मा के खिलाफ अपमानजनक आरोप लगाए। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा को पत्र लिखकर कहा था कि आबकारी मामले में न तो वह व्यक्तिगत रूप से और न ही वकील के मार्फत से उनके समक्ष पेश होंगे। केजरीवाल ने चार पन्नों के इस पत्र में न्याय नहीं मिलने की ओर इशारा करते हुए कहा कि इस मामले को लेकर उनकी गंभीर चिंताएं हैं। केजरीवाल के बाद मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने भी ऐसे ही पत्र लिखा था। उन्होंने भी कोर्ट में पेश होने से इनकार कर दिया। उन्होंने दूसरे जज के समक्ष मामले की सुनवाई का मुद्दा उठाया था।

हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट की जज स्वर्णकांता शर्मा ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कथित दिल्ली आबकारी नीति मामले से संबंधित मामलों की सुनवाई से खुद को अलग करने की मांग की थी।

तस्करों का आतंक, तीन वन कर्मियों को टक्कर मारकर हुए फरार

कठुआ, 14 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में वीरवार सुबह तस्करों ने जमकर बवाल कूटा। सबसे पहले जम्मू पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग के कठुआ स्थित छन आरोरिया इलाके में वन विभाग के ऑन ड्यूटी कर्मियों के वाहन को लकड़ी तस्करों ने टक्कर मार दी। इसके बाद मोके से फरार हो गए। इस वारदात में तीन वन कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से एक की नाजुक हालत बताई जा रही है। इसके अलावा लखनपुर क्षेत्र में पशु तस्करों का एक वाहन पकड़े जाने पर दूसरे वाहन को तस्कर ने रावी नदी के बीच फेंक दिया।

इसमें पशुओं को बड़ी मुश्किल से वहां से बाहर निकल गया , लेकिन तस्कर मौके से फरार हो गया। वहीं, छन अरोरियां में वनकर्मियों को टक्कर मारने वाला लकड़ी तस्कर भी लखनपुर के क्षेत्र में अपने वाहन को छोड़कर कहीं भाग निकला। इस वाहन को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

एससी: बिना रजिस्ट्रेशन कैसे दौड़ रहे वाहन?

चंबल में अवैध खनन पर कोर्ट की फटकार, राजस्थान सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में जारी अवैध रेत खनन को लेकर राजस्थान सरकार और अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में फैले इस अभयारण्य में अवैध खनन से घड़ियाल समेत कई जलीय और विलुप्तप्राय वन्यजीवों के अस्तित्व पर खतरा पैदा हो गया है। जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और विजय बिश्नोई की पीठ ने राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) और खनन, वित्त, वन, पर्यावरण तथा परिवहन व सड़क सुरक्षा विभागों के प्रमुख सचिवों को 19 मई को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। कोर्ट ने सभी अधिकारियों से अलग-अलग हलफनामे दाखिल कर 2 अप्रैल के आदेश के पालन की जानकारी देने को कहा है।

दरअसल, 2 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने

राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकारों को अमीकस क्यूरी और सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) की रिपोर्टों पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। इन रिपोर्टों में चंबल अभयारण्य में बड़े पैमाने पर अवैध खनन गतिविधियों का उल्लेख किया गया था। अदालत ने राज्यों और पर्यावरण मंत्रालय से संरक्षण एवं निगरानी उपायों पर भी हलफनामा मांगा था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने खास तौर पर सवाल उठाया कि बिना पंजीकरण वाले ट्रैक्टर और खनन वाहन अब भी खुलेआम कैसे चल रहे हैं।

अदालत ने राजस्थान परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग से पूछा कि मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन पर क्या कार्रवाई की गई, दोषी अधिकारियों के खिलाफ क्या कदम उठाए गए और अवैध खनन सामग्री के परिवहन को रोकने के लिए क्या व्यवस्था की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को भी मामले में पक्षकार बनाया है और प्रभावित इलाकों में पुलों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह भी पूछा कि खनन और परिवहन गतिविधियों की रियल टाइम निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने में क्या दिक्कत है।

रेप केस में समझौते का दबाव महिला को 2 लाख का ऑफर, नहीं मानी तो दी जान से मारने की धमकी

इंदौर, 14 मई (एजेंसियां)। इंदौर के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में रेप केस वापस लेने के लिए महिला पर दबाव बनाने और धमकाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एक महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि आरोपी लगातार समझौते के लिए दबाव बना रहे थे और इंकार करने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने आमिर के खिलाफ वर्ष 2025 में रेप का मामला दर्ज कराया था। केस में जेल जाने के बाद अमिर जमानत पर बाहर आया और फिर समझौते के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि आमिर ने बबीता चौहान के मोबाइल से कॉल करवाकर महिला को 2 लाख रुपए लेकर मामला खत्म करने का प्रस्ताव दिया। पीड़िता ने समझौते से इनकार किया तो जनवरी में उसे श्रीमाया होटल के पास एक पार्टी कार्यालय में बुलाया गया।

बिना ठोस कारण बैंक खाता फ्रीज करना गलत

दिल्ली हाई कोर्ट ने बताया 'जीवन के अधिकार' का उल्लंघन

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। साइबर अपराध के मामले में सामान्य तौर पर बैंक खाता फ्रीज करने की प्रक्रिया सामान्य हो चुकी है, जबकि संबंधित व्यक्ति को इसके लिए खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे ही एक मामले पर अहम टिप्पणी करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि बिना किसी उचित कारण के बैंक खाता फ्रीज करना जीवन के अधिकार में बाधा डालता है।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने कहा कि बैंक खाता किसी व्यक्ति के आर्थिक अस्तित्व का मूल आधार होता है और खाताधारक के खिलाफ किसी भी आरोप प्राथमिकी या न्यायिक आदेश के अभाव में इसे फ्रीज नहीं किया जा सकता। अदालत ने उक्त टिप्पणी गुजरात साइबर क्राइम पुलिस की शिकायत के बाद नवंबर 2024 में एक व्यक्ति का बैंक खाता फ्रीज करने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। बैंक को खाते को तत्काल डी-फ्रीज करने का निर्देश देते हुए पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को किसी भी अपराध से जोड़ने वाले किसी भी साक्ष्य के अभाव में, उसके खाते को फ्रीज करना पूरी तरह से मनमाना और कानून की नजर में गलत है।

पीठ ने निर्णय सुनाया कि गुजरात पुलिस की ओर से कोई भी उचित कारण न बताए जाने के चलते, याचिकाकर्ता के खाते को लगातार फ्रीज रखना पूरी तरह से अनुचित था। हालांकि, पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि यदि संबंधित एजेंसी द्वारा कोई जांच या पूछताछ की जाती है, तो वह उसमें पूरा सहयोग करे।

भीषण सड़क हादसा, काम के इंतजार में बैठे मजदूरों पर चढ़ा बेकाबू ट्राला, दो की मौत

श्री मुक्तसर साहिब, 14 मई (एजेंसियां)। पंजाब के मुक्तसर के मलोट में सुबह करीब साढ़े आठ बजे एक बेकाबू ट्राला तहसील चौक में बैठे मजदूरों पर चढ़ गया। इस हादसे में दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो चुकी है जबकि पांच के करीब घायल बताए जा रहे हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर होने के चलते उसे रेफर कर दिया गया है। उधर, घटना के बाद राहत कार्य शुरू हुआ और पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

कोलतार से लदे टैंकर से टकराई बस में लगी भीषण आग

4 यात्रियों की जिंदा जलकर मौत, 10 झुलसे

अहमदाबाद, 14 मई (एजेंसियां)। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले से एक दुखद घटना सामने आई है। यहां बुधवार देर रात एक निजी लग्जरी बस और डामर (कोलतार) से लदे टैंकर के बीच हुई जोरदार टक्कर में चार यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। इस हादसे में 10 अन्य गंभीर रूप से झुलस गए हैं। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) एस। एस। भदौरिया के अनुसार, यह दुर्घटना रात करीब 1:30 बजे चोटिला-राजकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर सांगानी गांव के पास हुई। निजी लग्जरी बस अहमदाबाद से राजकोट की ओर जा रही थी। बस अपने आगे चल रहे डामर से भरे एक टैंकर से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में तुरंत भीषण आग लग गई। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि घटना के समय बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हालांकि, कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उपजिलाधिकारी एच। टी। मकवाना ने कहा, निजी बस और डामर से भरे टैंकर के बीच हुई इस टक्कर में चार यात्री जिंदा जल गए। पुलिस के मुताबिक, इस हादसे में 10 लोग झुलस गए हैं। मकवाना ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए राजकोट के सिविल अस्पताल भेजा गया है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए चोटिला के एक अस्पताल ले जाया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

ओडिशा में गहराया ईंधन संकट राजधानी के पेट्रोल पंपों पर लटका 'नो डीजल' का बोर्ड

भुवनेश्वर, 14 मई (एजेंसियां)। एक चिंताजनक घटनाक्रम में अब ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर भी ईंधन संकट की चपेट में आ गई है। बुधवार को कल्पना स्क्वायर स्थित भारत पेट्रोलियम का पेट्रोल पंप अचानक ईंधन की कमी के कारण बंद रहा, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। भुवनेश्वर के कई निवासी जब पेट्रोल भरवाने के लिए पंप पहुंचे तो वहां 'नो डीजल' का बोर्ड लगा मिला और पूरा पंप बंद था। एक वाहन चालक ने नाराजगी जताते हुए कहा, "मैं अपनी गाड़ी में पेट्रोल भरवाने आया था, लेकिन कर्मचारियों ने शाम को आने को कहा। मैं दो बार वापस आया, फिर भी पेट्रोल और डीजल दोनों की सेवा बंद है।

एटीएम के बाहर युवक से ठगी 5 हजार नकद लेकर दिखाया फर्जी ऑनलाइन ट्रांजेक्शन

इंदौर, 14 मई (एजेंसियां)। इंदौर के पलासिया थाना क्षेत्र में एटीएम के बाहर युवक से ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने मदद मांगने के बहाने युवक से 5 हजार रुपए नकद लिए और बदले में मोबाइल पर फर्जी ऑनलाइन ट्रांजेक्शन दिखाकर फरार हो गया। पूरी वारदात पास की दुकान के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के मुताबिक खजराना निवासी अमन खान चंद्रलोक कॉलोनी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा एटीएम पर पैसे जमा करने पहुंचा था। अमन ने बताया कि उसे किश्त जमा करनी थी, इसलिए वह करीब 12 हजार रुपए लेकर गया था। इसी दौरान स्कूटर से दो युवक वहां पहुंचे। एक युवक एटीएम के अंदर आया और अमन से कहा कि उसे किसी को तुरंत 5 हजार रुपए नकद देने हैं, जिसके बदले वह ऑनलाइन ट्रांसफर कर देगा। आरोपी बार-बार आग्रह करता रहा, जिसके बाद अमन ने मदद के तौर पर उसे नकद रुपए दे दिए।

सनातन पर स्टालिन के बयान से भड़के भाजपा विधायक पाठक

एसपी को पत्र लिखकर एफआईआर की मांग; सनातन खत्म होना चाहिए बयान पर है विवाद

चेन्नई, 14 मई (एजेंसियां)। भाजपा विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने तमिलनाडु में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर दिए बयान को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। कटनी जिले की विजयराघवगढ़ विधानसभा से भाजपा विधायक संजय पाठक ने एसपी को पत्र लिखकर उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

13 मई 2026 को लिखे गए पत्र में संजय पाठक ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन के बयान से करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इससे समाज में रोष व असंतोष की स्थिति बनी है। इस तरह के बयान देश की सामाजिक शांति, एकता और अखंडता के लिए नुकसानदायक हैं। दरअसल उदयनिधि ने विधानसभा में सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही थी। भाजपा विधायक संजय पाठक ने अपने पत्र में मांग की है कि उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाए। उन्होंने पुलिस से उनके सार्वजनिक भाषण, वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है।

चम्मच से मगरमच्छ की आंख फोड़ दी! 54 साल की महिला ने ऐसे बचाई अपनी जान

भुवनेश्वर, 14 मई (एजेंसियां)। ओडिशा में भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान के पास एक नदी में बर्तन धो रही एक महिला पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। हालांकि, महिला इस हमले में बाल-बाल बच गई। यह घटना केंद्रपाड़ा जिले के महाकालपाड़ा वन क्षेत्र के पेटाछेला गांव में हुई। वन अधिकारियों ने बताया कि 54 वर्षीय छबी भुक्ता बर्तन धोने के लिए रामाचंडी नदी में उतरी थीं, तभी अचानक एक मगरमच्छ ने उन पर हमला कर दिया। छबी महाकालपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती है।

छबी ने बताया कि घटना के दौरान वह चीखने लगीं और अपने हाथ में पकड़े चम्मच से उन्होंने मगरमच्छ की आंखों पर हमला करके उसका बहादुरी से मुकाबला किया। डॉक्टरों ने बताया कि इस हमले के कारण महिला के हाथों, पैरों और पेट में चोटें आई हैं। फिलहाल उनका इलाज जारी है।

'डीएमके गठबंधन कमजोर नहीं हुआ'

चुनाव में मिली हार पर बोले स्टालिन - तमिलनाडु के लोग अब भी करते हैं भरोसा

चेन्नई, 14 मई (एजेंसियां)। डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने गुरुवार को एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव भले ही जीत नहीं मिली है, लेकिन डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन कमजोर नहीं हुआ है। आगे उन्होंने कहा 1.54 करोड़ वोट हासिल करने की क्षमता तमिलनाडु की जनता के गठबंधन पर रखे गए भरोसे को दर्शाती है। चुनाव परिणामों के बाद अधिकांश सहयोगी दलों ने खुले तौर पर कहा है कि वे अपनी गठबंधन बदले बिना डीएमके के साथ ही अपना राजनीतिक सफर जारी रखेंगे। स्टालिन ने कहा, 'यह डीएमके के प्रति सहयोगी दलों के नेताओं की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां एक बयान में कहा 'इसी के अनुरूप, हम सिद्धांतवादी राजनीतिक दलों के रूप में एकजुट होकर जनता के कल्याण और राज्य के गठन के लिए हमेशा की तरह अपना सफर जारी रखेंगे। तमिलनाडु की रक्षा करने की शक्ति और जुझारूपन हमारे भीतर ही है।'

आगे उन्होंने कहा हालांकि डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन ने तमिलनाडु को प्रगति के रास्ते पर आगे ले जाने और राज्य के अधिकारों के हनन को रोकने के लिए मिलकर काम किया, फिर भी हाल ही में हुए चुनावों में उसे पूर्ण विजय प्राप्त नहीं हो सकी। स्टालिन ने कहा, 'हमारी ताकत में कोई कमी नहीं आई। हमने 1.54 करोड़ वोट और कुल 72 सीटें जीतीं। यह तमिलनाडु की जनता के हम पर रखे गए भरोसे को दर्शाता है।'

'नेता कर रहे बचत तो अफसर और जज क्यों नहीं?'

ईंधन बचत पर प्रियंका चतुर्वेदी ने किया तंज

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने देश में ईंधन बचत और सरकारी खर्चों में कटौती को लेकर बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि जब मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री तक ईंधन बचाने के नाम पर मितव्ययिता के कदम उठा रहे हैं या कम से कम ऐसा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, तो फिर देश की नौकरशाही और न्यायपालिका पर ऐसे नियम क्यों लागू नहीं होते? प्रियंका चतुर्वेदी का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि भारत की नौकरशाही और न्यायपालिका देश का सबसे विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग बन चुकी है।

ऐसे में अगर आम जनता से लेकर नेताओं तक को बचत और सादगी का संदेश दिया जा रहा है, तो इन संस्थाओं को भी जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। अपने बयान में प्रियंका ने खास तौर पर न्यायपालिका का जिक्र करते हुए तंज कसा। उन्होंने कहा कि पूरे सम्मान के साथ वह यह सवाल उठा रही हैं कि क्या न्यायपालिका भी ईंधन बचत और खर्चों में कटौती जैसे कदम अपनाएगी।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें जबलपुर हाई कोर्ट के उस जज का उदाहरण न दिया जाए, जिन्होंने एक दिन साइकिल चलाकर दिखावा करने की कोशिश की थी। प्रियंका चतुर्वेदी के बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग उनके सवाल को सही बता रहे हैं और कह रहे हैं कि सरकारी सुविधाओं का इस्तेमाल करने वाले हर वर्ग के लिए समान नियम होने चाहिए। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि न्यायपालिका और प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारियां अलग होती हैं, इसलिए उनकी सुविधाओं की तुलना नेताओं से नहीं की जा सकती।

मुंबई में दुकानों और होटलों को मराठी साइनबोर्ड लगाना अनिवार्य, न मानने पर होगा 'शिवसेना स्टाइल' एक्शन इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में भी बहस शुरू हो गई है। विपक्षी दल इसे सरकारी तंत्र में मौजूद वीआईपी संस्कृति से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि सत्तापक्ष के समर्थक इसे केवल राजनीतिक बयानबाजी बता रहे हैं।

पोस्टमॉर्टम के लिए 9-घंटे बाइक पर शव लेकर भटके परिजन

इंदौर, 14 मई (एजेंसियां)। इंदौर में करंट लगने से युवक की मौत के बाद सिस्टम की संवेदनहीनता सामने आई है। 21 वर्षीय युवक के शव का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए परिजन बाइक पर शव लेकर 9 घंटे (करीब 25 किलोमीटर तक) भटकते रहे। आरोप है कि सूचना के बावजूद बाणगंगा पुलिस ने जिम्मेदारी नहीं निभाई। दूसरे दिन हंगामे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, तब जाकर पोस्टमॉर्टम हो सका और अंतिम संस्कार किया गया। जानकारी के मुताबिक, अलवासा गांव निवासी अंकित फुलेरिया पिता दिनेश फुलेरिया को 11 मई को निर्माणाधीन मकान में सरिए की कटिंग के दौरान करंट लग गया था। गंभीर हालत में उसका ममेरा भाई नीलेश और अन्य लोग उसे बाइक से अरबिंदो अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, युवक के शव को मर्चुरी में रखने और पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही थी,

'कौन हैं ये बड़े लोग, सरकार किसको बचा रही है?' नीट-यूजी पेपर लीक पर अरविंद केजरीवाल का बड़ा हमला

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। नीट-यूजी परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर सियासत गरमा गई है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मामले में बड़े लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो रिपोस्ट करते हुए लिखा कि 'कौन हैं ये बड़े लोग? सरकार किसको बचा रही है? किसका नाम बाहर आने का डर है...?' दरअसल, वायरल वीडियो में नीट-यूजी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार एक युवक यह दावा करता दिखाई दे रहा है कि इस पूरे मामले में 'बड़े लोगों' को बचाया जा रहा है।

युवक के बयान के बाद विपक्ष सरकार पर हमलावर हो गया है और जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहा है। केजरीवाल ने अपने पोस्ट के जरिए केंद्र सरकार और जांच

एजेंसियों की कार्रवाई पर भी अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा। आम आदमी पार्टी का कहना है कि देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक जैसी घटनाएं छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हैं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। नीट-यूजी पेपर लीक मामला पहले से ही राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में है। इस मामले में कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और जांच एजेंसियां पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं। विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि जांच में बड़े नामों तक पहुंचने से बचा जा रहा है।

बूचड़खानों को लेकर सीएम शुभेंदु सख्त, सार्वजनिक रूप से पशु वध पर लगाई रोक; सरकार ने जारी किया नोटिस

कोलकाता, 14 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने 1950 के बंगाल कानून और 2018 के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया है कि बिना अनिवार्य फिटनेस प्रमाण पत्र के किसी भी गाय या भैंस का वध पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। सरकार ने बताया कि यह फिटनेस प्रमाण पत्र केवल नगरपालिका के अध्यक्ष या पंचायत समिति के अध्यक्ष और सरकारी पशु चिकित्सक मिलकर जारी करेंगे, जब दोनों लिखित रूप में इस बात पर सहमत हों कि पशु की उम्र 14 साल से ज्यादा है और वह काम या प्रजनन के लायक नहीं रहा है या फिर किसी पुरानी बीमारी, चोट, शरीर की खराबी या ठीक न होने वाली बीमारी के कारण हमेशा के लिए अक्षम हो गया है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि अब सार्वजनिक रूप से पशु वध की अनुमति नहीं होगी। केवल नगरपालिका की ओर से तय या अधिकृत वधशाला में ही पशुओं का वध किया जा सकेगा।

नियम का उल्लंघन करने पर छह महीने तक की जेल, 1000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। यदि फिटनेस प्रमाण पत्र देने से इनकार किया जाता है, तो व्यक्ति 15 दिनों के भीतर राज्य सरकार में अपील कर सकता है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार ने ममता बनर्जी के 15 साल के शासन के बाद कई बड़े फैसले लिए हैं।

ट्रस्ट विवाद: 'ऐसा काम न करें

जिससे मध्यस्थता प्रक्रिया पर असर पड़े', अदालत का रानी-प्रिया कपूर को निर्देश

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की मां रानी कपूर और उनकी पत्नी प्रिया कपूर से कहा कि वे कोई ऐसा काम न करें, जिससे पारिवारिक ट्रस्ट को लेकर जारी विवाद में मध्यस्थता प्रक्रिया पर सीधा असर पड़े। शीर्ष कोर्ट ने सात मई को इस विवाद में मध्यस्थ के रूप में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ को नियुक्त किया था। गुरुवार को शीर्ष कोर्ट ने कहा, इस पूरे विवाद को सौहार्दपूर्ण तरीके से समाप्त करना सभी संबंधित पक्षों के हित में होगा, अन्यथा यह एक लंबी लड़ाई बन जाएगी।

न्यायमूर्ति जेपी पारदीवाला और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ रानी कपूर (80 वर्षीय) के आवेदन पर सुनवाई कर रही थी। इसमें रानी कपूर ने 18 मई को होने वाली रघुवंशी

इंवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक को लेकर लेकर चिंता जताई है। रानी कपूर की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि रघुवंशी इंवेस्टमेंट लिमिटेड की मूल कंपनी में पर्याप्त हिस्सेदारी है। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि पीठ ने कहा कि रानी कपूर को बैठक के एजेंडे में शामिल कुछ मुद्दों को लेकर चिंता है। इनमें दो स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति और कंपनी के बैंक खातों के संचालन के लिए अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं में बदलाव शामिल है। प्रतिवादियों की ओर से पेश वकील (जिनमें प्रिया कपूर और रघुवंशी इंवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं) ने कहा कि स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह बैठक रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कुछ निर्देशों के कारण बुलाई जा रही है।

पीठ ने कहा, हम इस समय और कुछ नहीं कहना चाहते। हमने पहले ही मध्यस्थ से मध्यस्थता की कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया है। फिलहाल हम प्रतिवादी से अनुरोध करते हैं कि वे कुछ भी ऐसा न करें, जिससे मध्यस्थता की कार्यवाही (प्रक्रिया) सीधे पर पर प्रभावित हो। कोर्ट ने कहा, फिलहाल दो स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं में कुछ बदलाव से जुड़े मुद्दों पर 18 मई को होने वाली बैठक में चर्चा नहीं की जा सकती है। पीठ ने

छात्रा को बॉयफ्रेंड ने रूम में बुलाया, फिर 3 दोस्तों के साथ मिलकर किया सामूहिक दुष्कर्म

भुवनेश्वर, 14 मई (एजेंसियां)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। घटना इन्फोवैली थाना क्षेत्र के कैमटिया इलाके की बताई जा रही है, जहां एक हॉस्टल में इस वारदात को अंजाम दिए जाने का आरोप लगा है। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और राजधानी में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, उसका अपने एक सहपाठी युवक के साथ संबंध था। आरोप है कि युवक ने उसे अपने कमरे में बुलाया था। वहीं पर उसके बॉयफ्रेंड और उसके तीन दोस्तों ने मिलकर उसके साथ गैंगरेप किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 15 मई, 2026 3

सुविचार: जिस व्यक्ति ने प्रशंसा करना तो सीखा है परन्तु ईर्ष्या करना नहीं, वह अत्यन्त भाग्यशाली है

प्रधानमंत्री के 'सप्त सूत्रों' पर भाजपा का विशेष कार्यक्रम आयोजित

> देश की आर्थिक मजबूती में जनभागीदारी पर दिया गया जोर

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सुझाए गए सप्त सूत्रों विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय हितों और जनभागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों के लिए जारी दस प्रमुख सुझावों वाले पत्रक का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में केवल सरकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग, ईंधन की बचत तथा देशी निवेश को बढ़ावा देने से भारत की आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

कार्यक्रम में अर्थशास्त्री प्रोफेसर डॉ. कृष्णा रेड्डी ने सप्त सूत्रों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय आर्थिक चुनौतियों, विदेशी मुद्रा व्यय और आर्थिक स्थिरता से जुड़े विषयों पर आंकड़ों सहित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों का उपयोग, ईंधन की बचत, खाद्य तेल के सीमित उपयोग, प्राकृतिक खेती और घर से कार्य करने जैसी आदतें देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में सहायक होंगी। प्रोफेसर कृष्णा रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सुझाए गए सप्त सूत्र केवल सरकारी नीतियां नहीं, बल्कि जनसहभागिता से चलने वाला राष्ट्रीय आर्थिक अभियान हैं। यदि आम लोग अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करें तो देश की आर्थिक शक्ति को काफी मजबूत किया जा सकता है। इस अवसर पर एन. रामचंदर राव ने कहा कि देशभक्ति केवल बलिदान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवित रहते हुए देशहित में जिम्मेदारी निभाना भी सच्ची देशभक्ति है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ी हुई है।

उन्होंने वोकल फॉर लोकल के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही कहा कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और महंगाई को देखते हुए लोगों को खर्चों में संयम बरतना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री स्वयं अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम कर उदाहरण प्रस्तुत कर चुके हैं। उन्होंने लोगों से सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि हैदराबाद में उपलब्ध मेट्रो और अन्य सार्वजनिक यातायात सुविधाओं का उपयोग बढ़ाया जाना चाहिए। कार पूलिंग और विद्युत चालित वाहनों के उपयोग को भी उन्होंने ईंधन बचत के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, प्रवक्ता, मीडिया पैनलिस्ट और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एआई कोर्स में गैर-तकनीकी पेशेवरों की बढ़ी भागीदारी

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एड-टेक कंपनी ग्रेट लर्निंग ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 में उसके एआई कार्यक्रमों में दाखिला लेने वालों में 66 प्रतिशत पेशेवर गैर-तकनीकी शैक्षिक पृष्ठभूमि से जुड़े रहे। कंपनी के अनुसार, एआई कोर्स की मांग सबसे ज्यादा अनुभवी पेशेवरों में देखी गई। करीब 64 प्रतिशत नामांकन ऐसे लोगों के रहे, जिनके पास 12 वर्ष से अधिक का कार्य अनुभव है। इनमें बीएफएसआई, स्वास्थ्य सेवा, फार्मा, विनिर्माण, शिक्षा, अनुसंधान, एफएमसीजी और रिटेल क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी और व्यवसाय प्रमुख शामिल हैं।

बढ़ती मांग को देखते हुए ग्रेट लर्निंग ने डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, जेनएआई और एजेंटिक एआई जैसे कार्यक्रमों में नो-कोड लर्निंग ट्रैक शुरू किए हैं। अब शिक्षार्थी एक ही कोर्स में कोडिंग और नो-कोड ट्रैक में से अपनी सुविधा के अनुसार विकल्प चुन सकते हैं। ग्रेट लर्निंग के सह-संस्थापक अर्जुन नायर ने कहा कि अब वित्त, स्वास्थ्य सेवा और सप्लाई चेन जैसे क्षेत्रों के पेशेवर बिना गहरी कोडिंग विशेषज्ञता के भी एआई टूल्स का प्रभावी उपयोग कर सकते हैं।

ईंधन बचाने और विदेशी मुद्रा संरक्षण में सहयोग करें : राज्यपाल

'नशा मुक्त तेलंगाना' अभियान चलाने की भी वकालत

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने राज्य के नागरिकों से ईंधन की बचत और विदेशी मुद्रा संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के अनुरूप देशहित में आवश्यक कदम है। लोक भवन की ओर से गुरुवार को जारी वीडियो संदेश में राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के बावजूद अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम कर उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना के राज्यपाल का पद संभालने के बाद उन्होंने भी वाहन उपयोग में कमी की है और अब लोक भवन में वाहनों के उपयोग को 50 प्रतिशत तक घटाने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को पेट्रो डॉलर पर निर्भरता कम करनी होगी और विदेशी मुद्रा की बचत करनी होगी। उन्होंने नागरिकों से राष्ट्रीय मुद्रा के मूल्य की रक्षा के लिए जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से भी आग्रह करेंगे कि सरकारी विभागों में मंत्रियों और अधिकारियों को वाहन उपयोग कम करने के निर्देश दिए जाएं। साथ ही राजनीतिक नेताओं को भी अनावश्यक बड़े काफिलों से बचना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और रक्षा मंत्री ने उदाहरण प्रस्तुत किया है, उसी प्रकार जनप्रतिनिधियों को भी उसका पालन करना चाहिए, तभी आम लोगों में जागरूकता फैलेगी। उन्होंने कहा कि देश से विदेशी मुद्रा के अनावश्यक बहिर्गमन को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए। राज्यपाल ने राज्य में मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान को और मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में चलाए गए अपने नशा विरोधी अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि तेलंगाना में भी नशा मुक्त तेलंगाना अभियान शुरू किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रपत्रों के साथ विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं के माध्यम से समाज तक एक प्रभावी संदेश पहुंचाया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी जनजागरूकता अभियान की सफलता में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना में भी मीडिया के सहयोग से यह अभियान सफल होगा।

इंदिराम्मा घरों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता की मांग

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गंगापुत्र संघम के राज्य सचिव और वारंगल गंगापुत्र हाउसिंग सोसाइटी के निदेशक तंगुतुरी राजेश खन्ना गंगापुत्र ने गुरुवार को तेलंगाना हाउसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक, गौतम से मुलाकात की। राजेश खन्ना ने बाद में कहा कि उन्होंने निगम के प्रबंध निदेशक का ध्यान इस ओर दिलाया था कि वारंगल गंगापुत्र सोसाइटी के गरीब सदस्यों को इंदिराम्मा घरों के निर्माण के लिए पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने से संबंधित फाइल निगम के विचाराधीन है। उन्होंने प्रबंध निदेशक से अनुरोध किया कि फाइल को बिना किसी देरी के मंजूरी दे दी जाए। राजेश खन्ना ने बताया कि निदेशक मंडल ने उनके अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और आश्वासन दिया है कि वे इस मामले को राज्य सरकार के संज्ञान में लाएंगे।

तेलुगु साहित्यकार शारदा अशोकवर्धन का 87 वर्ष की आयु में निधन

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रख्यात तेलुगु लेखिका और साहित्य जगत की दिग्गज हस्ती शारदा अशोकवर्धन का बुधवार रात को बंजारा हिल्स स्थित अपनी बेटी के आवास पर 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। एक विपुल लेखिका, शारदा अशोकवर्धन ने उपन्यास, कविता, नाटक, निबंध, गीत, बाल साहित्य और समाचार पत्रों के स्तंभों सहित 80 से अधिक पुस्तकों के साथ तेलुगु साहित्य को समृद्ध किया। उन्होंने कई वर्षों तक ऑल इंडिया रेडियो में भी अपनी सेवाएं दीं और "मनसायेरा माधव" जैसी गीतात्मक रचनाओं के लिए अपार लोकप्रियता हासिल की।

दिग्गज गायक एम. बालमुरलीकृष्ण द्वारा गाया गया उनका गीत "गणपति सुप्रभातम्" आज भी भक्तों और संगीत प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय है। उनके कई गीतों को प्रख्यात संगीतकार पलागुम्मी विश्वनाधम ने संगीतबद्ध किया, जबकि उनकी साहित्यिक कृतियों का तमिल, कन्नड़ और हिंदी में अनुवाद किया गया। उनकी रचनाएँ अकादमिक शोध और डॉक्टरेट अध्ययन का विषय भी बनीं। साहित्य के अलावा, उन्होंने सार्वजनिक सेवा में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया, राज्य सूचना विभाग में संयुक्त निदेशक के रूप में और बाद में जवाहर बाल भवन के निदेशक के रूप में सेवाएं दीं। शारदा अशोकवर्धन को तीन नंदी पुरस्कार और कई प्रतिष्ठित सम्मान मिले, जिनमें तेलुगु विश्वविद्यालय पुरस्कार, सुशीला नारायण रेड्डी पुरस्कार और राज्यलक्ष्मी पुरस्कार शामिल हैं। वह पूर्व मुख्यमंत्री और अभिनेता एनटी रामाराव द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में टिप्पणीकार के रूप में अपनी भूमिका के लिए भी जानी जाती थीं। उनके परिवार में चार बेटियां हैं, जिनमें प्रख्यात पत्रकार, एंकर और लेखिका शैलजा सुमन भी शामिल हैं। उनके निधन से तेलुगु संस्कृति में एक गौरवशाली साहित्यिक युग का अंत हो गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे में अप्रैल माह के दौरान आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई

> 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत 120 बच्चों को बचाया गया

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल ने अप्रैल 2026 के दौरान विभिन्न सुरक्षा अभियानों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। रेलवे संपत्ति की सुरक्षा, यात्रियों की संरक्षा तथा अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से आरपीएफ लगातार विशेष अभियान चला रहा है।

आरपीएफ दक्षिण मध्य रेलवे ने सरकारी पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर कई अभियानों को प्रभावी ढंग से संचालित किया। 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' के तहत आरपीएफ ने 79 आरोपियों को गिरफ्तार कर 71 मामले दर्ज किए तथा 54.52 लाख रुपये मूल्य की चोरी की संपत्ति बरामद की। 'ऑपरेशन अमानत' के अंतर्गत यात्रियों की खोई हुई वस्तुओं को सुरक्षित वापस दिलाने में सहायता की गई। इस दौरान 83.35 लाख रुपये मूल्य का 319 सामान बरामद कर संबंधित यात्रियों को सौंपा गया। रेलवे के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन नार्कोस' में 86.17 लाख रुपये मूल्य की गांजा बरामद की गई तथा 16 लोगों को गिरफ्तार कर संबंधित एजेंसियों को सौंपा गया। 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत आरपीएफ ने देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें बचाने का कार्य किया। इस अभियान में 96 बालकों और 24 बालिकाओं सहित कुल 120 बच्चों को सुरक्षित बचाकर बाल कल्याण समिति को सौंपा गया। 'ऑपरेशन आहट' के अंतर्गत मानव तस्करी के चंगुल से पांच बालकों को मुक्त कराया गया तथा दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

'ऑपरेशन जीवन रक्षा' के दौरान आरपीएफ कर्मियों ने एक व्यक्ति की जान बचाकर सराहनीय कार्य किया। 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत ट्रेनों के माध्यम से अवैध रूप से ले जाई जा रही 2 लाख 47 हजार 650 रुपये मूल्य की शराब जब्त की गई। इस मामले में एक व्यक्ति के विरूद्ध 12 प्रकरण दर्ज किए गए। रेल टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन उपलब्ध' के अंतर्गत 24 मामले दर्ज कर 26 दलालों को गिरफ्तार किया गया तथा 2 लाख 21 हजार 95 रुपये मूल्य के 66 सक्रिय टिकट जब्त किए गए। सीसीटीवी तकनीक की सहायता से आरपीएफ ने 11 अपराधियों को पकड़कर 26.65 लाख रुपये मूल्य की चोरी की यात्री संपत्ति बरामद की और आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया। रेलवे संपत्ति की चोरी रोकने के उद्देश्य से चलाए गए 'ऑपरेशन रेल सुरक्षा' के तहत 36 मामले दर्ज कर 6 लाख 3 हजार 696 रुपये मूल्य की चोरी की रेलवे संपत्ति बरामद की गई।

हाईकोर्ट आज बंडी भागीरथ की अंतरिम जमानत पर फैसला करेगा

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने इस चर्चित मामले में अंतरिम अग्रिम जमानत पर चर्चा के बाद बंडी साई भगीरथ की जमानत याचिका की सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के पुत्र बंडी साई भगीरथ , 8 मई को पेट बशीरबाद पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दर्ज किए गए पीओसीएसओ मामले में आरोपी हैं। तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति टी. माधवी देवी ने गुरुवार को बताया कि अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह होगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता निरंजन रेड्डी उपस्थित थे, जबकि लोक अभियोजक नागेश्वर राव ने पुलिस की ओर से मामला पेश किया। अपने तर्कों में, निरंजन रेड्डी ने अग्रिम जमानत जारी करने का समर्थन करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का हवाला दिया, और इस बात पर जोर दिया कि न्यायाधीशों के पास अंतरिम सुरक्षा प्रदान करने का अंतर्निहित अधिकार है। भागीरथ की ओर से दलीलें पेश करते हुए अधिवक्ता निरंजन रेड्डी ने पीड़िता की उम्र से संबंधित कई मुद्दों पर अदालत का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि पुलिस की चार्जशीट में पीड़िता की उम्र 15 वर्ष दर्ज है, जबकि जीएचएमसी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र में जन्म वर्ष 2008 दर्ज है और उसके पैन कार्ड में 2010 दर्ज है। निरंजन रेड्डी ने अदालत का ध्यान इस ओर दिलाया कि पीड़िता को 2021 में वैध लाइसेंस के बिना गाड़ी चलाते हुए पकड़े जाने के समय उसकी उम्र 15 वर्ष थी। उच्च न्यायालय ने सवाल उठाया कि आरोप पत्र और पैन कार्ड में दर्ज जन्मतिथियां अलग-अलग क्यों हैं। न्यायालय ने पुलिस को जन्म प्रमाण पत्रों की जांच करने का निर्देश दिया। जब पीड़ित के वकील ने बंडी साई भगीरथ को "अपराधी" कहा, तो याचिकाकर्ता के वकील ने कड़ा विरोध जताया। न्यायाधीश ने दोनों के बीच हुई तीखी बहस पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति को तब तक "अपराधी" नहीं माना जाना चाहिए जब तक कि उसका दोष सिद्ध न हो जाए। न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि यदि वकील अनियंत्रित व्यवहार करते रहे तो मामला किसी अन्य पीठ को भेजा जा सकता है। उन्होंने वकीलों से पेशेवर रवैया बनाए रखने का आग्रह किया। हालांकि, अदालत ने शुक्रवार को अंतरिम अग्रिम जमानत याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई, जबकि मुख्य अग्रिम जमानत सुनवाई अगले सप्ताह के लिए निर्धारित की गई।

दो ड्रग तस्कर गिरफ्तार, नशीले पदार्थ बरामद

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों ने बुधवार रात कोमपल्ली क्षेत्र से दो लोगों को नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने आरोपियों के पास से 36.90 ग्राम ओजी कुश, 7.73 ग्राम चरस और 3.24 ग्राम एमडीएमए बरामद किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रवीण और एलिज़र उर्फ सनी के रूप में हुई है। सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने कोमपल्ली में एक कार को रोककर तलाशी ली, जिसमें ड्रग्स बरामद हुए। जांच में पता चला कि आरोपी बेंगलुरु से नशीले पदार्थ मंगवाकर शहर में ग्राहकों को सप्लाई करते थे। पुलिस को शक है कि गिरोह अमीर परिवारों के बच्चों को निशाना बनाकर उन्हें ड्रग्स बेच रहा था।

दिवंगत एएसआई सुभाष के परिवार को सहकर्मियों ने दी आर्थिक सहायता

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त रंगारेड्डी जिले में वर्ष 1993 बैच के पुलिसकर्मी रहे एएसआई आर. सुभाष के निधन के बाद उनके सहकर्मियों ने मानवता का परिचय देते हुए परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की। अनारोग्य कारणों से गत मार्च माह में एएसआई सुभाष का निधन हो गया था।

उनके परिवार को आर्थिक संबल देने के उद्देश्य से साथ काम कर चुके सहकर्मियों ने दो लाख 62 हजार रुपये की सहायता राशि एकत्र की। यह सहायता राशि का चेक गुरुवार को मलकाजगिरि पुलिस आयुक्त कार्यालय में पुलिस आयुक्त श्रीमती बी. सुमति, आईपीएस के हाथों परिवार के सदस्यों को सौंपा गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने वर्ष 1993 बैच के पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए उनके सहयोग और संवेदनशीलता की प्रशंसा की। कार्यक्रम में नागभूषणम, रामकृष्ण गौड़, श्यामसुंदर, सुधाकर, रऊफ खान और भद्रा रेड्डी सहित कई बैचमेट उपस्थित रहे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No 17006984X, CFN, Brijendra Singh Parmar, R/o, Dist: Lalitpur, Uttar Pradesh, changed my Mother's name from Krishna Raja to Krishna Kumari vide Affidavit No. 466713 dt. 14.05.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तेलंगाना में 1931 पदों के लिए एएनएम के परिणाम घोषित

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड (एमएचएसआरबी) ने तेलंगाना में 1,931 बहुउद्देशीय स्वास्थ्य सहायक (सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम)) पदों की भर्ती के लिए अनंतिम चयन सूची जारी कर दी है। इन पदों के लिए कुल 24,268 उम्मीदवारों ने आवेदन किया, जबकि 20,600 उम्मीदवार कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) में शामिल हुए। उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद, बोर्ड ने संविदा और आउटसोर्सिंग सेवाओं के लिए वेटेज अंक 30 से घटाकर 20 कर दिए हैं। सीबीटी स्कोर और संशोधित वेटेज प्रणाली के आधार पर अनंतिम सूची तैयार की गई है।

उम्मीदवार 18 से 22 मई तक शाम 5 बजे के बीच अपनी जानकारी सत्यापित कर सकते हैं और किसी भी प्रकार की विसंगति होने पर ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि आपत्ति केवल एक बार ही स्वीकार की जाएगी और उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सभी सहायक दस्तावेजों को एक ही पीडीएफ फाइल में अपलोड करें। कुल रिक्तियों में से 1,666 पद स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत और 265 पद तेलंगाना वैद्य विधान परिषद के अंतर्गत हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया अदालतों में लंबित मामलों के अंतिम निर्णयों के अधीन रहेगी।

कार्यशाला में नीली अर्थव्यवस्था का रोडमैप तैयार किया जाएगा

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) 15 मई को हैदराबाद में मत्स्य सहकारी समितियों पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन करेगा, जिसमें देश भर से नीति निर्माता, वित्तीय संस्थान, सहकारी नेता और मत्स्य विशेषज्ञ एक साथ आएंगे। इस कार्यशाला का उद्देश्य मत्स्य पालन सहकारी समितियों को मजबूत करना और मत्स्य पालन क्षेत्र में समावेशी विकास को बढ़ावा देना है, जो लगभग 3 करोड़ लोगों की आजीविका का समर्थन करता है और लगभग 9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ भारत के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक के रूप में उभरा है। मत्स्य पालन विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी, सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी, एनएफडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बिजय कुमार बेहरा और तेलंगाना के कृषि एवं सहकारिता सचिव के. सुरेंद्र मोहन सहित वरिष्ठ अधिकारी सभा को संबोधित करेंगे। कार्यशाला का मुख्य केंद्रबिंदु प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) और प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसवाई) योजनाओं के तहत 2024-25 और 2028-29 के बीच 6,000 नई मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना और 5,500 मौजूदा समितियों को मजबूत करने के लिए प्रस्तावित कार्य योजना होगी। विचार-विमर्श में नई सहकारी समितियों का गठन, मौजूदा समितियों को मजबूत करना, ऋण संपर्क, समुद्री मत्स्य पालन में विविधीकरण, डिजिटल मार्केटिंग प्लेटफॉर्म और अंतर्देशीय, हिमालयी और उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में अवसरों को शामिल किया जाएगा। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ नाबार्ड, एनसीडीसी, नाफेड, एसएफएसी, एनडीडीबी, आईसीएआर-सीएमएफआरआई और आईसीएआर-सीआईएफटी जैसे संगठनों के प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। यह कार्यशाला सहकार से समृद्धि की परिकल्पना के अनुरूप है और इसका उद्देश्य सहकारी आंदोलन का विस्तार करते हुए भारत की नीली अर्थव्यवस्था के विकास को गति देना है।

गैस सिलिंडर से भरे डीसीएम से टकराई स्कॉर्पियो, चार लोगों की मौत

बांदा, 14 मई (एजेंसियां)। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह 9:30 बजे गैस सिलिंडर से भरे डीसीएम में पीछे से स्कार्पियो की जोरदार टक्कर हो गई, हादसे में स्कॉर्पियो सवार 45 वर्षीय अज्ञात महिला की मौत हो गई, जबकि 20 वर्षीय युवती घायल हो गई। स्कॉर्पियो के अंदर तीन अन्य फंसे लोगो को बाहर निकल जिला अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने उनके दम तोड़ने की पुष्टि की। अभी तक किसी की पहचान नहीं हो सकी।

एंबुलेंस से घायल युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह हादसे के बारे में कुछ बता नहीं पा रही है। एएसपी शिवराज का कहना है कि चालक को झपकी लगने से हादसा होना लग रहा है। सभी मरने वालों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। हादसा देहात कोतवाली क्षेत्र के हथौरा गांव के पास हुई है।

आंधी-तूफान से 96 की मौत

लखनऊ, 14 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं के कारण पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए, जिससे कई जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। आंधी-पानी की चपेट में आने से अलग-अलग जिलों में 96 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। सबसे ज्यादा वाराणसी, प्रयागराज और कानपुर मंडल में लोगों की मौत हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकान और टीन शेड उड़ गए, वहीं, फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। तेज बारिश और धूल भरी आंधी के कारण सड़कों पर आवाजाही प्रभावित रही।

कई जगह पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। मरने वालों में भदोही में 18, मिर्जापुर में 15, प्रयागराज में 17, प्रतापगढ़ और बरेली में 4-4, फतेहपुर में 10, उन्नाव और बदायूं में 6-6, सीतापुर, रायबरेली, चंदौली, कानपुर देहात, हरदोई और संभल में दो-दो, कौशांबी, शाहजहांपुर, सोनभद्र और लखीमपुरखीरी में एक-एक लोग शामिल हैं।

सीएम ने 24 घंटे में पीड़ितों को मुआवजा देने का दिया निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बेमौसम बारिश, आंधी और बिजली गिरने से हुए नुकसान पर पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को राहत पहुंचाने का काम 24 घंटे के अंदर पूरा किया जाए। सीएम ने मृतकों के शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने सभी जिलों के जिलाधिकारियों समेत अन्य विभागों के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

कानपुर/प्रयागराज: पेड़ गिरने से ओएचई क्षतिग्रस्त, 22 ट्रेनें फंसी रहीं

आंधी की वजह से दिल्ली-हावड़ा रूट करीब डेढ़ घंटे के लिए बाधित हो गया। फतेहपुर में पेड़ गिरने से ओएचई लाइन टूट गई। इससे कानपुर होकर आने-जाने वाली करीब 22 ट्रेनें प्रभावित हुई। शाम छह बजे ट्रेनों का संचालन शुरू हो सका।

प्रयागराज-जौनपुर रेल खंड पर थरवई और सरायचंडी रेलवे स्टेशन के बीच गेट नंबर आठ-सी पर एक भारी-भरकम पेड़ अप और डाउन दोनों रेल लाइनों पर गिर गया, जिसके चलते इस व्यस्त रूट पर ट्रेनों का संचालन पूरी तरह से ठप हो गया। लखनऊ और प्रतापगढ़ रूट पर भी आंधी का असर पड़ा।

महिला अपराधी गिरोह की 3 सदस्य गिरफ्तार

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त कार्रवाई में दानापुर मंडल के दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता मिली है। बक्सर स्टेशन पर अंतरराज्यीय महिला अपराधी गिरोह की तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया, जबकि बाढ़ स्टेशन पर 294 कैन बीयर बरामद की गई। आरपीएफ बख्तियारपुर ने मंलगवार की रात आपरेशन सतर्क के तहत विशेष नाइट चेकिंग एवं गश्ती अभियान चलाया गया।

अथमलगोला स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था की जांच के बाद बाढ़ स्टेशन पर गाड़ी संख्या 22587 सियालदाह-वाराणसी अमृत भारत एक्सप्रेस की निगरानी की गई। इसी दौरान ट्रेन में अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) होने पर आरपीएफ टीम ने जांच शुरू की। जांच के दौरान दो युवकों को सात झोलों में रखी 294 कैन बीयर के साथ पकड़ा गया। आरपीएफ ने दोनों आरोपितों एवं बरामद शराब को आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी बाढ़ को सौंप दिया है।

तेजस्वी यादव को बड़ी राहत

धरना-प्रदर्शन केस में एमपी-एमएलए कोर्ट से मिली जमानत

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को एक केस में कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुरुवार (14 मई, 2025) को एमपी-एमएलए कोर्ट से धरना प्रदर्शन के मामले में जमानत मिली है। पटना में यह केस कोविड के समय प्रशासन की ओर से किया गया था। बेल मिलने के बाद कोर्ट से बाहर आने पर तेजस्वी यादव ने इसके बारे में मीडिया को भी जानकारी दी।

पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने कहा, जमानत मिली है... आप सब लोग जान रहे हैं कि कोविड के समय में ये मुकदमा किया गया था प्रशासन के द्वारा जबरदस्ती... फर्जी मुकदमा कराया गया था ताकि हम उस समय जो जन समस्याएं थीं उसे ना उठाएं... धरना प्रदर्शन था... उस सिलसिले में प्रशासन ने केस किया था... नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आगे पत्रकारों से कहा, आप लोगों को मालूम है कि बिहार के लोग पैदल चलकर आ रहे थे।।।

ट्रेन की व्यवस्था नहीं थी। मजदूर काफी संख्या में मारे जा रहे थे... उस समय हम लोगों ने नियम के तहत प्रदर्शन किया था... और भी जनसमस्या को उठाया था तो सरकार ने फर्जी मुकदमा किया था... पुराना मामला है तो जमानत मिल गई है।

'कल कहेंगे कपड़ा मत पहनिए'

प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर तेजस्वी यादव की दो टूक

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी अपील के बीच खुद के काफिले को भी कम कर दिया है। एनडीए और बीजेपी के अन्य नेता-मंत्री भी गाड़ियों की संख्या कम कर रहे हैं। कोई ईवी का उपयोग कर रहा है। पीएम मोदी की अपील का असर भले दिख रहा है लेकिन विपक्ष का कहना है कि सरकार के पास कोई विजन नहीं है। रोडमैप नहीं है।

यह आरोप आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को लगाया। वे पटना में मीडिया से बात कर रहे थे। प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, ।।।कल कहेंगे कपड़ा मत पहनिए... प्रधानमंत्री और सरकार की जिम्मेदारी होती है कि समस्याओं का समाधान करें... इसलिए सरकार बनाई जाती है कि किसी चीज की कमी है तो उसको दूर किया जाए। इस तरह की अपील जो पीएम मोदी कर रहे हैं।।। पहले भी नोटबंदी कर चुके हैं, क्या फायदा हुआ हम जानना चाहते हैं। लोगों को नुकसान हुआ। कई लोग बेरोजगार हुए। कई उद्योग बंद हो गए... तो प्रधानमंत्री जी इसी तरह का काम करते रहेंगे। मुद्दे की बात नहीं करेंगे।

उनके पास कोई विजन या रोडमैप नहीं है... पत्रकारों ने पूछा कि जिस तरह से प्रधानमंत्री संकेत दे रहे हैं लॉकडाउन वाली स्थिति बन रही है क्या? इस पर तेजस्वी यादव ने कहा, अब करना है तो करें, सरकार है कुछ भी कर सकते हैं... उस पर हम लोग क्या टिप्पणी करेंगे। इस सवाल पर कि क्या देश में पेट्रोल-डीजल की कमी है? इस पर कहा, पेट्रोल-डीजल की कमी है तो इसको पूरा कौन करेगा? आप करेंगे? हम करेंगे? सरकार जो बैठी है वो न करेगी?

दिल्ली में नकली नोटों की सप्लाई

अलीगढ़ पुलिस ने किया गैंग का भंडाफोड़

अलीगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में पुलिस ने नकली नोटों की तस्करी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गैंग का पर्दाफाश करते हुए गैंगलीडर समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 7 लाख 70 हजार रुपये की नकली भारतीय करेंसी बरामद की गई है। गोरई थाना पुलिस और क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग (देहात) की संयुक्त टीम की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार, गोरई थाने में दर्ज मुकदमे के तहत कार्रवाई करते हुए टीम ने लंबे समय से सक्रिय इस गैंग का खुलासा किया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान जिकरूल हसन पुत्र अहमद हसन निवासी भुजपुरा (कासगंज), बसीम पुत्र नसीम निवासी ख्याला (नई दिल्ली), आसिफ पुत्र मोहम्मद शकील निवासी कासगंज और फरमान पुत्र वासिफ निवासी ख्याला के रूप में हुई है। इनमें जिकरूल हसन को गैंग का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में नकली नोटों की सप्लाई करता था। गैंग के सदस्य बाजारों और ग्रामीण क्षेत्रों में असली नोटों के साथ नकली करेंसी खपाने का काम करते थे।

पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग बड़ी मात्रा में नकली नोटों की खेप लेकर सक्रिय हैं, जिसके बाद थाना गोरई पुलिस और क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को दबोच लिया।

लोवर-टीशर्ट पहनने पर पत्नी का मर्डर

गोरखपुर, 14 मई (एजेंसियां)। गोरखपुर में युवक ने लोवर-टीशर्ट पहनने पर पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। कमरे में पति का शव पंखे से लटका मिला तो पत्नी की लाश बेड पर पड़ी थी। सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो बहन ने शोर मचाया। पड़ोसी जुटे। पुलिस बुलाई गई। दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो जानकारी हुई। पुलिस को दोनों की चैट मिली है। इसमें लड़के ने कहा कि हमारी बिरादरी की लड़कियां लोवर-टीशर्ट नहीं पहनती हैं। अगर घर में रहना है तो यह सब पहनना छोड़ना होगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई। इसमें महिला की गला दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई। महिला प्रेग्नेंट थी। दोनों ने 5 महीने पहले लव मैरिज की थी। मामला बेलघाट थानाक्षेत्र का है। शक होने पर उसने कमरे के खिड़की से झांककर देखा तो अंदर का सीन देखकर चीख पड़ी। कमरे में शादाब का शव पंखे से लटका था, जबकि निकहत निशा बेसुध पड़ी थी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे। सूचना मिलने पर बेलघाट पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अब्बास-निकहत ने दाखिल की हाजिरी माफी अर्जी

अब याचिका पर 23 मई को होगी सुनवाई

बांदा, 14 मई (एजेंसियां)। चित्रकूट जेल में विधायक अब्बास अंसारी एवं उनकी पत्नी निकहत की कथित अवैध मुलाकात मामले में भ्रष्टाचार निवारण न्यायालय बांदा में सुनवाई हुई। इस दौरान निलंबित जेल अधीक्षक संतोष कुमार सागर की ओर से दाखिल डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र पर अदालत में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने विस्तृत बहस की। हालांकि बहस पूरी नहीं हो सकी, जिसके चलते विशेष न्यायालय ने अगली सुनवाई के लिए 23 मई की तारीख तय की है।

सुनवाई के दौरान विधायक अब्बास अंसारी और उनकी पत्नी निकहत की ओर से अदालत में हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र भी प्रस्तुत किया गया। वहीं, निलंबित जेल अधीक्षक के अधिवक्ता ने कोर्ट में तर्क दिया कि उनके मुवक्किल को बिना पर्याप्त साक्ष्यों के मामले में फंसाया गया है और उनके खिलाफ आरोप साबित नहीं होते हैं।

दूसरी ओर अभियोजन पक्ष ने एसआईटी जांच व छापेमारी के दौरान मिले तथ्यों का हवाला देते हुए डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र का विरोध किया। यह मामला 10 फरवरी 2023 को उस समय उजागर हुआ था, जब चित्रकूट जेल में

तत्कालीन जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त छापा मारा था।

छापेमारी के दौरान अब्बास अंसारी की पत्नी निकहत जेल अधीक्षक के कक्ष में मिली थीं। जांच में सामने आया था कि वह नियमों के विपरीत लंबे समय तक जेल परिसर में मौजूद रहीं। इस घटना के बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे।

मामले में कर्वी कोतवाली में विधायक अब्बास अंसारी, उनकी पत्नी निकहत, चालक ललक नियाज, तत्कालीन जेल अधीक्षक संतोष कुमार सागर, जेलर संतोष कुमार, डिप्टी जेलर चंद्रकला, जेल कैंटीन संचालक नवनीत सचान और सपा जिलाध्यक्ष फराज खान समेत कुल आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

बाद में शासन स्तर पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मामले की जांच की। जांच में आरोप लगाया गया कि जेल में अब्बास अंसारी को विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती थीं और मुलाकात कराने के बदले जेल अधिकारियों को नकदी और उपहार दिए जाते थे। एसआईटी जांच के बाद सभी आरोपितों को जेल भेजा गया था।

हालांकि वर्तमान में सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं, जबकि जेल अधीक्षक संतोष कुमार सागर और जेलर संतोष कुमार अभी भी निलंबित चल रहे हैं। पहले यह मामला भ्रष्टाचार निवारण न्यायालय लखनऊ में विचाराधीन था, लेकिन बाद में अब्बास अंसारी से जुड़े मामलों को बांदा स्थित भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया।

हुई सुनवाई के दौरान अपर जिला जज चंद्रपाल द्वितीय, विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस अधूरी रहने पर अगली सुनवाई 23 मई को निर्धारित की।

नीट स्कैम पर रोहिणी आचार्य का प्रधानमंत्री से सवाल

तो पेपर लीक पर चर्चा से क्यों बच रहे?'

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। नीट परीक्षा रद्द होने के बाद इस पर सियासत जारी है। विपक्ष लगातार यह सवाल उठा रहा है कि आखिर क्यों बिना पेपर लीक के सरकार एक परीक्षा तक नहीं करा पा रही है? इस बीच आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया है।

उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्यों पेपर लीक पर चर्चा से बच रहे हैं? रोहिणी आचार्य ने गुरुवार (14 मई, 2026) को अपने एक्स हैंडल से पोस्ट किया। उन्होंने कई सवाल उठाए और सरकार को घेरा। अपने पोस्ट में वो लिखती हैं, क्या कभी पेपर लीक पर भी बोलेंगे प्रधानमंत्री? हमारे प्रधानमंत्री जी चर्चा करने का मौका व मुद्दा ढूंढ निकालने के लिए ही जाने जाते हैं।

अभी मौका भी मुफीद है और मुद्दा भी देश के युवाओं के भविष्य से सीधे तौर पर जुड़ा है। ऐसे में काश प्रधानमंत्री जी कभी पेपर लीक पर भी एक चर्चा कर लेते या फिर अपने अगले 'मन की बात' में पेपर लीक से लाखों छात्रों के भविष्य पर मंडराते संकट की बात कर लेते! रोहिणी ने कहा, प्रधानमंत्री जी।।। अगर आप परीक्षा पर चर्चा करते आए हैं तो पेपर लीक पर चर्चा करने से क्यूं बच रहे हैं? आपकी सरकार के 12 सालों के शासनकाल में 90 प्लस बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक हुआ।

इस पर आप कभी कुछ नहीं बोल पाए हैं। सवाल उठाते हुए कहा, क्या सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश में युवाओं के भविष्य के साथ होता ये निरंतर खिलवाड़ आपके लिए कोई अहमियत नहीं रखता है या फिर कहीं ऐसा तो नहीं कि पेपर लीक का ये गोरखधंधा आपकी जानकारी में, आपकी ही सहमति से, आपकी ही सरकार की सरपरस्ती में परवान चढ़ रहा है?

60 साल के बुजुर्ग पर आया महिला का दिल, पंचायत ने करा दी शादी

कटिहार, 14 मई (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार में एक महिला ने 60 साल के बुजुर्ग से शादी की है। सुनकर हैरानी होगी लेकिन प्रेम-प्रसंग में हुई इस शादी की सोशल मीडिया से लेकर हर तरफ चर्चा हो रही है। मंदिर में कराई गई शादी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर लोग शेयर कर रहे हैं। यह पूरा मामला कटिहार के मनिहारी प्रखंड की बाघमारा पंचायत का है। महिला ने बताया कि दो साल से वो प्यार कर रही थी और उसने बिना किसी के दबाव में आए यह शादी कर रही है। वहीं बुजुर्ग ने भी इस बात को माना कि उसने बिना किसी के दबाव में आकर यह विवाह अपनी मर्जी से किया है। जानकारी के अनुसार, गांव के मंदिर में दोनों की शादी कराई गई है।

'बदल रहा उत्तर प्रदेश'

मुख्यमंत्री योगी ने गिनाईं विकास और सुशासन की उपलब्धियां

लखनऊ, 14 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'यूपी को बदलने के 9वें वर्ष' के उपलक्ष्य में आयोजित एक कॉन्क्लेव को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और कृषि क्षेत्र में आए क्रांतिकारी बदलावों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 7 शहरों में मेट्रो का सफल संचालन हो रहा है। इसके साथ ही, उन्होंने देश की पहली रैपिड रेल (नमो भारत) का उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली और मेरठ के बीच इसकी शुरुआत प्रदेश की बढ़ती ताकत का प्रतीक है। किसानों के हित में किए गए कार्यों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगभग 50 लाख हेक्टेयर जमीन को निशुल्क जल उपलब्ध करा रही है।

नहरों के जाल और ट्यूबवेल के विस्तार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। सुशासन का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने कानून-व्यवस्था के मामले में जो कड़े लक्ष्य तय किए थे, उनके परिणाम आज सबके सामने हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि पिछले नौ वर्षों के प्रयासों ने उत्तर प्रदेश को विकास की एक नई ऊंचाई पर पहुँचाया है, जिससे राज्य की पहचान वैश्विक स्तर पर बदली है।

नवविवाहिता ने की खुदकुशी 13 दिन पहले हुई थी शादी

गया, 14 मई (एजेंसियां)। थाना क्षेत्र के मंझियाबा गांव में शादी के महज 13 दिन बाद एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची कोंच थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के मायके पक्ष के लोग भी थाना पहुंचे और मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच में जुट गई है। आत्महत्या के कारणों का अब तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। गांव में घटना को लेकर शोक और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

3 उंगलियां काटी;पसलियां तोड़ी: 2 बच्चियों के साथ रेप के बाद मर्डर की आशंका

मुजफ्फरपुर, 14 मई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में 2 दिन से लापता बहनों की लाश ईंट भट्ठे के पास मिली थी। मौत कैसे हुई इसको लेकर अभी जांच चल रही है। लेकिन परिवार वालों का दावा है कि बच्चियों के साथ रेप करने के बाद उनकी बेरहमी से हत्या की गई है। मृतकों की उम्र 7 और 12 साल है। 12 साल की बच्ची के पिता का कहना है कि मेरी बेटी के साथ गंदा काम किया गया, उसके बाद उसकी हत्या कर दी गई।

रेप करने वाले को डर था कि बच्ची घर पर जाकर सब कुछ बता देगी। वहीं, पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर्स के मुताबिक 11 तारीख को ही दोनों बच्चियां लापता हुईं थीं, हत्या उस दिन ही की गई है। जिस किशोरी उम्र 12 साल बताई जा रही है, उसके प्राइवेट पार्ट में खून मिला है।

रेप की आशंका पर वेजाइनल स्वाब को सुरक्षित रखा गया है। डॉक्टर्स के मुताबिक पहले गला दबाया गया फिर गला रेत कर मार दिया गया। किशोरी के बाएं हाथ की 3 उंगुलियां भी काट दी गई हैं। जबड़ा भी निकला था। सीने पर किसी भारी चीज से हमला हुआ है। फेफड़े की चार हड्डियां टूटी हैं। चिकित्सकों ने खून से सने कपड़े पुलिस को हैंडओवर कर दिए हैं। दोनों बच्चियां मीनापुर थाना क्षेत्र से लापता हुई थीं और शव रामपुर हरि थाना क्षेत्र से बरामद हुए।

अवैध मजारों पर बवाल, पूर्व सैनिकों ने किया प्रदर्शन, केशव मौर्य ने दिया कार्रवाई का भरोसा

मथुरा, 14 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में ब्रज भूमि पर अवैध तरीके से बनाई जा रही मजारों को लेकर मामला गर्मा गया है। इसके विरोध में पूर्व सैनिक सड़क पर उतर आए हैं और उन्होंने इनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और इन मजारों को हटाने की माँग की, वहीं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी दावा किया कि बीजेपी की सरकार में कुछ भी अवैध नहीं होगा। अगर शिकायत मिली तो कठोर कार्रवाई होगी। मथुरा में भूतपूर्व सैनिक परिषद के बैनर तले बुधवार को पूर्व सैनिक इकट्ठा हुआ और उन्होंने जनपद में अवैध तरीके से बनाई जा रही मजारों के विरोध में जमकर विरोध प्रदर्शन किया और इन मजारों को हटाने की माँग की। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी मथुरा पहुंचे थे।

अनंत सिंह को 48 घंटे की मोहलत

लाइसेंसी हथियारों का कराना होगा सत्यापन

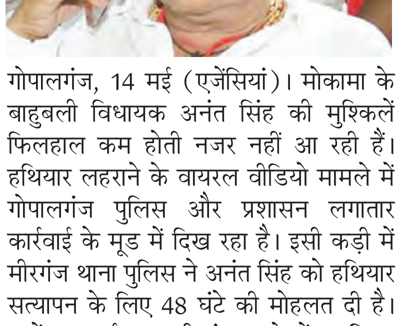

गोपालगंज, 14 मई (एजेंसियां)। मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह की मुश्किलें फिलहाल कम होती नजर नहीं आ रही हैं। हथियार लहराने के वायरल वीडियो मामले में गोपालगंज पुलिस और प्रशासन लगातार कार्रवाई के मूड में दिख रहा है। इसी कड़ी में मीरगंज थाना पुलिस ने अनंत सिंह को हथियार सत्यापन के लिए 48 घंटे की मोहलत दी है। उन्हें 15 मई तक मीरगंज थाने में उपस्थित होकर अपने हथियारों का सत्यापन कराना होगा। दरअसल, 2 मई को अनंत सिंह गोपालगंज जिले के सेमराव गांव में आयोजित एक जनेऊ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। यह कार्यक्रम स्थानीय निवासी गुड्डू राय के घर आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम के दौरान कई हथियारों के प्रदर्शन और लहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद मामला राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया। वीडियो वायरल होने के बाद गोपालगंज एसपी के आदेश पर मीरगंज थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आर्म्स रूल्स और लाइसेंसी हथियारों के उपयोग को लेकर जांच शुरू कर दी। इस मामले में अनंत सिंह की ओर से कहा गया कि कार्यक्रम में मौजूद सभी हथियार लाइसेंसी थे और किसी भी तरह का गैरकानूनी हथियार इस्तेमाल नहीं किया गया था। इसी आधार पर उन्होंने हथियारों के सत्यापन के लिए समय की मांग की थी, जिसके बाद उन्हें 15 मई तक की मोहलत दी गई है। इधर, इस पूरे मामले में कोर्ट की निगाह भी बनी हुई है। 12 मई को गोपालगंज कोर्ट में मामले की पहली सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केस डायरी की मांग की और मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 मई की तारीख निर्धारित कर दी। अब सभी की नजर अगली सुनवाई पर टिकी हुई है, जहां पुलिस की केस डायरी और जांच रिपोर्ट अहम भूमिका निभा सकती है।

ब्राह्मणों पर विवादित बयान मामले में सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी की मुश्किलें बढ़ीं, नोएडा में केस दर्ज

नोएडा, 14 मई (एजेंसियां)। ब्राह्मणों पर कथित विवादित बयान देने के मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं। सपा नेता के खिलाफ इस मामले में नोएडा के थाना सेक्टर 24 में भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ने उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि नोएडा सेक्टर-53 के गिझौड़ गांव के सुशील पंडित ने सपा नेता की ब्राह्मणों के ख़िलाफ की गई टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए हुए शिकायत दर्ज कराई है। नोएडा सेक्टर 24 थाना पुलिस ने इस मामले में राजकुमार भाटी के खिलाफ जातिगत टिप्पणी करने, लोक शांति भंग करने और आईटी ऐक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। शिकायतकर्ता ने कहा कि राजकुमार भाटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो पांच मई का बताया जा रहा है। राजकुमार भाटी ने पांच मई को दिल्ली के जवाहर भवन में 'जाति और साम्प्रदायिकता के विषाणु' नाम की एक पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम में भाषण दिया था। इसी दौरान उन पर ब्राह्मणों पर विवादित टिप्पणी करने का आरोप है।

बता दें कि राजकुमार भाटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वो जातियों को लेकर कही जाने वाली आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर अपनी बात रख रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अपने भाषण में ब्राह्मणों को लेकर टिप्पणी की और कहा कि 'न तो ब्राह्मण अच्छा होता है, ना ही कोई तवायफ' उनके इस बयान के बाद बवाल मच गया था।

एसी से आ रही थी अजीब आवाज, ऑन करते ही निकल आए तीन जहरीले सांप

वलसाड, 14 मई (एजेंसियां)। गर्मी से राहत पाने के लिए जब एक परिवार ने अपना एयर कंडीशनर ऑन किया, तो उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि ठंडी हवा के बजाय वहां से साक्षात काल बाहर निकल आएगा। गुजरात के वलसाड जिले के पारडी स्थित पो रेलवे इलाके में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मध्यमवर्गीय परिवार के एसी यूनिट से एक-दो नहीं, बल्कि तीन जहरीले सांप बाहर निकल आए। घटना के वक्त घर में महिलाएं और बच्चे मौजूद थे। जैसे ही एसी के वेंट्स से सांपों की हलचल दिखाई दी, पूरे घर में चीख-पुकार मच गई।

गनीमत यह रही कि परिवार ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए एसी बंद कर दिया और कमरे से बाहर निकल आए। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सांपों को एसी यूनिट के अंदर रेंगते हुए देखा जा सकता है। परिजनों ने तत्काल स्थानीय जीवदया एनजीओ को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे स्नेक कैचर्स ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों सांपों को सुरक्षित बाहर निकाला।

यूनिफॉर्म में हिजाब की मंजूरी पर विवाद

बीजेपी बोली-कांग्रेस धार्मिक विभाजन को बढ़ावा दे रही

बैंगलूरू, 14 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार की ओर से 2022 के यूनिफॉर्म आदेश को वापस लेने और स्कूलों-कॉलेजों में हिजाब समेत सीमित धार्मिक प्रतीकों की अनुमति देने के फैसले पर सियासत तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कांग्रेस सरकार पर वोट बैंक की राजनीति करने और शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक आधार पर विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया है। भाजपा विधायक महेश तेंगिंकाई ने कहा कि राज्य सरकार का यह फैसला गंभीर गलती है और इसकी कोई मांग नहीं थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार स्कूलों और कॉलेजों में अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक समुदायों के बीच अनावश्यक विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। तेंगिंकाई ने कहा कि 2022 में जब भाजपा सरकार सत्ता में थी, तब अदालतों ने भी ड्रेस कोड को सख्ती से लागू करने के पक्ष को सही ठहराया था। उन्होंने सवाल उठाया कि छात्रों के बीच धार्मिक पहचान के आधार पर भेद पैदा कर सरकार आखिर क्या हासिल करना चाहती है। उनके मुताबिक, स्कूल और कॉलेज शिक्षा के केंद्र होने चाहिए, न कि धार्मिक पहचान

दिखाने की जगह। इस मुद्दे पर आंध्र प्रदेश भाजपा प्रवक्ता शेख बाजी ने भी कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह फैसला वोट बैंक राजनीति से प्रेरित है और इससे बच्चों को धर्म के आधार पर अलग-अलग समूहों में बांटा जाएगा।

वहीं कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में यूनिफॉर्म का उद्देश्य समानता और एकरूपता बनाए रखना होता है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में किसी भी धर्म के आधार पर पहचान नहीं दिखनी चाहिए। नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि सरकार अलग-अलग समुदायों के लिए अलग-अलग नियम बना रही है, जिससे भविष्य में टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के फैसले समाज में और ज्यादा संवेदनशीलता और विभाजन को जन्म दे सकते हैं। दरअसल, कर्नाटक सरकार ने 5 फरवरी 2022 के उस आदेश को वापस ले लिया है, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों में केवल निर्धारित यूनिफॉर्म पहनने पर जोर दिया गया था।

नए फैसले के बाद अब सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी शिक्षण संस्थानों तथा प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में छात्र-छात्राएं निर्धारित यूनिफॉर्म के साथ हिजाब, जनेऊ, रुद्राक्ष, शिवधारा और शरवस्त्र जैसे सीमित पारंपरिक और धार्मिक प्रतीक पहन सकेंगे।

बस में महिला से सामूहिक दुष्कर्म, आरोपी ड्राइवर और कंडक्टर नांगलोई से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। पश्चिमी दिल्ली के नांगलोई इलाके में बस में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। एक प्राइवेट बस में महिला के साथ ड्राइवर और कंडक्टर ने सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बस को भी जब्त कर लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ रानी बाग थाने में केस दर्ज किया गया है। फिलहाल दिल्ली पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला कि पीड़ित महिला नांगलोई में एक फैक्ट्री में काम करती है। पीड़ित महिला रात में फैक्ट्री से घर पैदल लौट रही थी और रास्ते में स्लीपर बस के ड्राइवर-कंडक्टर ने उसे अंदर खींच लिया। इसके बाद करीब सात किलोमीटर तक बस को चलाते रहे और इसी दौरान महिला के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

रात करीब 2 बजे आरोपी उसे सड़क पर उतारकर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनकी पहचान सुदेश (30) और अमन (26) के रूप में हुई है। सुदेश बस का ड्राइवर है और अमन बस का हेल्पर है। उधर, महिला की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। महिला ने दिल्ली पुलिस को बताया कि उसके साथ दो दिन पहले यह घटना हुई। इस घटना ने एक बार फिर राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

'वकील हैं, अनपढ़ या नाबालिग नहीं'

दुष्कर्म के केस में जिम ट्रेनर को बेल देते हुए दिल्ली एचसी की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। एक वकील से दुष्कर्म के मामले में आरोपित जिम ट्रेनर को जमानत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि जब व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े सवालों पर निर्णय किया जाता है, तो नैतिकता को अपराध से अलग रखा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने यह टिप्पणी अभियोजन पक्ष के तर्क को सुनने के बाद की।

जमानत याचिका का विरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने कहा कि आरोपित शादीशुदा है और उसका एक बच्चा भी है। यह भी कहा कि आरोपित शादी के अलावा किसी और से संबंध थे और वह और पीड़िता अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखते हैं। हालांकि, पीठ ने इन तर्कों को ठुकराते हुए कहा कि आरोपित नवंबर 2025 से हिरासत में है। पीठ ने आरोपित को 10 हजार रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया। आरोपित ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(दो), 351(दो), 64(2)(एम) और 79 के तहत अपराधों के संबंध में नियमित जमानत की मांग की थी। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि एक जिम ट्रेनर के तौर पर काम करने वाले आरोपित की मुलाकत पीड़िता से तब हुई, जब वह उसके जिम आने लगी।

आरोप है कि उसने पीड़िता को कोई नशीला पेय पिलाकर उसे एक होटल ले जाया गया। उसने न सिर्फ उसके साथ दुष्कर्म किया, बल्कि उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें खींचीं। पीड़िता ने आगे आरोप लगाया कि आरोपित ने इंटरनेट मीडिया पर उन तस्वीरों को प्रसारित करने की धमकी देकर बार-बार उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और उससे पैसे भी ऐंठे। वहीं, आरोपित ने जमानत की मांग करते हुए तर्क दिया कि उनके बीच शारीरिक संबंध आपसी सहमति से बने थे और प्राथमिकी उनके रिश्ते में खटास आने के बाद कराई गई थी। उक्त तर्कों को साबित करने के लिए उसकी तरफ से तस्वीरें और वीडियो पेश की गई।

पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट

दो मजदूरों की हुई मौत और कई घायल, धमाके से दहल उठा इलाका

देवास, 14 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के देवास जिले में गुरुवार को एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के मकानों की दीवारें तक हिल गईं और लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। यह हादसा देवास के एबी रोड स्थित टोंककला क्षेत्र में संचालित पटाखा फैक्ट्री में हुआ। जानकारी के मुताबिक विस्फोट के समय फैक्ट्री में कई मजदूर काम कर रहे थे। अचानक आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ, जिससे फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद सभी घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल मजदूरों को इंदौर के एमवाय अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विस्फोट की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। धमाके के बाद फैक्ट्री से ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। करीब 8 से 10 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में जुटीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही उज्जैन आईजी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन और उज्जैन कमिश्नर आशीष सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और राहत कार्यों की जानकारी ली।

जीतू पटवारी की सीएम को चिट्ठी

वित्तीय अनुशासन लागू करने और सरकारी उत्सवों पर एक साल के प्रतिबंध की मांग

भोपाल, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईंधन की खपत कम करने सहित अन्य अनावश्यक खर्चों पर बचत की अपील की और जिसका अब देशव्यापी असर भी देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश की कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से राज्य में सरकारी उत्सवों और भव्य आयोजनों पर रोक के साथ वित्तीय अनुशासन के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुरुवार को सीएम मोहन यादव को पत्र में लिखा, "इन दिनों आपकी सरकार और भाजपा जनता को वित्तीय अनुशासन, मितव्ययिता और सादगी का पाठ पढ़ा रही है। महंगाई, बेरोजगारी, बिजली-पानी के बढ़ते बिल, किसानों की बदहाली और युवाओं की टूटी उम्मीदों के बीच सरकार का संदेश यह है कि जनता खर्च कम करे, संयम बरते और परिस्थितियों से समझौता कर ले, लेकिन शुरुआत जनता की जेब से नहीं, बल्कि सत्ता के वैभव से होनी चाहिए।"

जीतू पटवारी ने सरकारी उत्सव और आयोजनों पर एक साल की रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि प्रदेश में किसान आत्महत्या कर रहा है,

बेरोजगार युवा निराश हैं, आदिवासी अंचलों में कुपोषण है, ऐसे समय करोड़ों रुपए के सरकारी उत्सव जनता के घावों पर नमक छिड़कने जैसे हैं। सरकार यदि संवेदनशील है, तो मंचों की चमक नहीं, जनता की तकलीफ देखे। सरकारी कार्यक्रम अब जनसेवा से ज्यादा राजनीतिक इवेंट मैनेजमेंट बन चुके हैं।

बड़े-बड़े मंच, स्वागत द्वार, होर्डिंग्स, हेलीकॉप्टर और प्रचार तंत्र पर जनता का पैसा बहाया जा रहा है। क्या यह वही भाजपा है जो कभी 'कम सरकार, ज्यादा शासन' की बात करती थी? राज्य में विधायक और मंत्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं का जिक्र करते हुए जीतू पटवारी ने पत्र में आगे लिखा कि विधायकों, दर्जा प्राप्त मंत्रियों, राज्य और कैबिनेट स्तर के मंत्रियों के वेतन, भत्तों और पेंशन पर पुनर्विचार हो। जब सरकार जनता से त्याग मांग रही है, तब जनप्रतिनिधियों को भी उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। कम से कम एक वर्ष के लिए वेतन-भत्तों और अनावश्यक सुविधाओं में कटौती कर सरकार जनता के साथ खड़ी दिखाई दे सकती है।

सिडकुल कार्यालय से 2004 भर्ती प्रक्रिया की फाइल गायब, तहरीर के बाद मामले में प्राथमिकी दर्ज

देहरादून, 14 मई (एजेंसियां)। आईटी पार्क स्थित सिडकुल मुख्यालय से वर्ष 2004 की संविदा भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी एक महत्वपूर्ण आधिकारिक फाइल गायब हो गई। इस संबंध में सिडकुल मुख्यालय में प्रबंधक (एचआर) के पद पर कार्यरत करन सिंह नेगी ने थाना राजपुर रोड में लिखित तहरीर दी है। पुलिस ने बुधवार को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार आठ मई 2026 को कार्यालय की टीम ने वर्ष 2004 में आयोजित सहायक प्रबंधक/प्रबंधक लेखा तथा सहायक प्रबंधक (एचआर) पदों की संविदा नियुक्ति एवं भर्ती प्रक्रिया से संबंधित पत्रावली की तलाश की। काफी खोजबीन के बाद भी फाइल अभिलेखों में नहीं मिली। प्रार्थना पत्र में आशंका जताई गई है कि संबंधित पत्रावली को किसी व्यक्ति ने जानबूझकर नष्ट कर दिया या हो सकता है गायब कर दिया। मामले को गंभीर बताते हुए करन सिंह नेगी ने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। राजपुर थाना प्रभारी पीडी भट्ट ने बताया कि शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। उत्तराखंड के स्टेट इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सिडकु) की भर्तियों और श्रमिक नियुक्तियों से जुड़े कई बड़े विवाद समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इन विवादों में सरकारी पदों पर बैकरूम एंट्री के आरोप से लेकर प्राइवेट कंपनियों में स्थानीय रोजगार और वेतन विसंगतियों तक के गंभीर मामले शामिल हैं।

हाईवोल्टेज ड्रामा: 'बालाजी की चौकी' के 'परमिशन' पर उठा विवाद, विधायक रमन अरोड़ा ने सुरक्षा लौटाई

जालंधर, 14 मई (एजेंसियां)। जालंधर में श्री कष्ट निवारण बालाजी मंदिर कमेटी द्वारा आयोजित होने वाले 'बालाजी की चौकी' कार्यक्रम को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। साईं दास स्कूल ग्राउंड में होने वाले इस धार्मिक आयोजन की तैयारियों के दौरान बुधवार रात पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डेकोरेशन, टेंट और लाइट का काम रुकवा दिया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल के आने की घोषणा की गई थी, जिसके चलते श्रद्धालुओं में भारी उत्साह था।

जैसे ही पुलिस कार्रवाई की सूचना मिली, भाजपा नेता शीतल अंगुराल, केडी भंडारी, पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया, कांग्रेस के शहरी प्रधान राजिंदर बेरी और मंदिर कमेटी के सदस्य मौके पर पहुंच गए। नेताओं और समर्थकों ने सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और धरना प्रदर्शन किया। पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया और शीतल अंगुराल ने आरोप लगाया कि हिंदू धार्मिक कार्यक्रम को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है और यह हिंदुओं की आस्था के साथ अन्याय है। मामले को लेकर एडीसीपी-1 आकर्षि जैन ने कहा कि कार्यक्रम की अनुमति नहीं होने के कारण तैयारियां रुकवाई गई हैं। वहीं एसीपी ने कहा कि विधायक रमन अरोड़ा से दो दिन से परमिशन लेटर दिखाने को कह रहे हैं पर उन्होंने अपनी बात नहीं रखी। वहीं भाजपा नेताओं का दावा है कि फायर ब्रिगेड, बिजली विभाग और नगर निगम सहित सभी जरूरी परमिशन पहले से मौजूद हैं।

भाजपा नेता केडी भंडारी ने कहा कि पुलिस कमिश्नर से बातचीत में उन्हें बताया गया कि भजन गायक कन्हैया मित्तल के खिलाफ केस दर्ज होने के कारण कार्यक्रम को लेकर एतराज जताया गया।

केरल में भारी मात्रा में विस्फोटक और डेटोनेटर बरामदगी का मामला, एनआईए ने संभाली जांच

कोच्चि, 14 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरल के मलप्पुरम जिले के तिरुरंगडी में बड़ी मात्रा में जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर बरामद होने के मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। एनआईए ने पिछले महीने इस मामले की जांच शुरू की थी और हाल ही में परप्पनंगडी की न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट अदालत से केस रिकॉर्ड को कोच्चि स्थित विशेष एनआईए अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की है।

यह मामला 7 फरवरी 2026 का है, जब तिरुरंगडी के पास चेम्माड इलाके में प्याज से लदे एक ट्रक से 89,600 जिलेटिन छड़ें और 10,500 नॉन-इलेक्ट्रिक शॉक ट्यूब डेटोनेटर बरामद हुए थे। विस्फोटकों को 448 बक्सों में छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक ईंट निर्माण इकाई पर छापा मारा, जहां प्याज से भरा ट्रक खड़ा था। जांच के दौरान ट्रक से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी। तिरुरंगडी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि मामला अब केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया, 'हमने इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया था।

शुरुआती जांच में पता चला कि विस्फोटकों का इस्तेमाल अवैध खनन के लिए किया जाना था, लेकिन भारी मात्रा में बरामदगी को देखते हुए एनआईए ने विस्तृत जांच का फैसला किया।' पुलिस जांच में पता चला कि विस्फोटक सामग्री कर्नाटक के बीजापुर से लाई गई थी। मामला विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 (जीवन या संपत्ति को खतरे में डालने की मंशा से विस्फोटक रखने) और धारा 5 (संदिग्ध परिस्थितियों में विस्फोटक रखने) के तहत दर्ज किया गया है।

हाईकोर्ट के निशाने पर पंजाब सरकार, 500 करोड़ के स्कॉलरशिप घोटाले में एफआईआर न होने पर जताई कड़ी नाराजगी

चंडीगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। पंजाब के बहुचर्चित पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति घोटाले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने गुरुवार को पंजाब सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताते हुए साफ कहा कि अदालत के "नो कोअर्सिव स्टेप्स" आदेश का अर्थ केवल रिकवरी तक सीमित था, न कि आपराधिक अभियोजन पर रोक। कोर्ट ने माना कि राज्य सरकार ने 21 दिसंबर 2021 के अंतरिम आदेश की गलत व्याख्या कर चार संस्थानों तथा अन्य आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने में गंभीर देरी की। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ के समक्ष पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा ने व्यक्तिगत रूप से पेश होकर बिना शर्त माफी मांगी और कहा कि 10 नवंबर 2021 के कैबिनेट निर्णय तथा रिकवरी पर रोक संबंधी अंतरिम आदेश को इस रूप में समझा गया कि आपराधिक कार्रवाई भी प्रभावित हो सकती है।

इस पर कोर्ट ने दोटूक कहा कि यह स्पष्टीकरण स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि आदेश स्पष्ट रूप से केवल वसूली संबंधी कठोर कदमों तक सीमित था। अदालत ने टिप्पणी की कि यदि संज्ञेय अपराध की जानकारी 2020 या उससे पहले उपलब्ध थी तो संविधान पीठ के 'ललिता कुमारी' फैसले के अनुसार तत्काल एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी, न कि वर्षों तक प्रारंभिक जांच के नाम पर मामला लंबित रखा जाता।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिखी पीएम पर किताब

'अपनापन' का 26 मई को दिल्ली में होगा विमोचन, चौहान ने एक्स पर दी जानकारी

भोपाल, 14 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और कार्यशैली पर आधारित पुस्तक 'अपनापन' लिखी है। इसकी जानकारी शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। पुस्तक का विमोचन 26 मई को दिल्ली में किया जाएगा। शिवराज ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनके लिए 'अपनापन' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बिताए गए 33 वर्षों के अनुभवों को शब्दों में उतारने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि दुनिया मोदी को एक नेता के रूप में देखती है, लेकिन उन्होंने उनमें एक साधक, कर्मयोगी और असाधारण इंसान को करीब से देखा है।

उन्होंने लिखा कि लोगों ने मोदी को मंचों से भाषण देते देखा है, लेकिन उन्होंने उस व्यक्ति को भी देखा है जो देर रात तक काम करने के बाद अगली सुबह उसी ऊर्जा के साथ देश सेवा में जुट जाता है।

शिवराज के मुताबिक मोदी का हृदय गरीबों, किसानों, माताओं, बहनों, बेटियों और कार्यकर्ताओं के लिए धड़कता है। शिवराज सिंह चौहान ने अपने पोस्ट में 1991 की एकता यात्रा को भी याद किया। उन्होंने कहा कि उस समय कई लोग इसे राजनीतिक यात्रा मान रहे थे, लेकिन नरेंद्र मोदी ने इसे राष्ट्रीय चेतना का अभियान बना दिया था। उनकी सोच थी कि तिरंगा केवल श्रीनगर के लाल चौक तक नहीं, बल्कि देश के हर युवा के दिल तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि उसी दौरान उन्हें पहली बार महसूस हुआ कि नेतृत्व केवल भाषण से नहीं, बल्कि तपस्या, अनुशासन, समर्पण और अपनेपन से आता है। शिवराज ने कहा कि इस पुस्तक में केवल घटनाएं नहीं, बल्कि वह सोच भी मिलेगी जिसने देश को बदलने का साहस किया।

उन्होंने दावा किया कि पुस्तक युवाओं, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को प्रेरित करेगी और बताएगी कि बड़े बदलाव सामूहिक प्रयास, अनुशासन और समर्पण से संभव होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि पुस्तक पढ़ने के बाद लोगों को यह महसूस हो कि देश बदलने के लिए बड़े पद नहीं बल्कि बड़े संकल्प की जरूरत होती है, तो वे अपने प्रयास को सफल मानेंगे।

सरकार बनते ही अग्निमित्रा पॉल का बड़ा बयान, अब महिलाएं हर समय सुरक्षित'

कोलकाता, 14 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि महिलाएं किसी भी समय बेखौफ होकर कहीं भी आ-जा सकें और उनके द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों पर पुलिस प्राथमिकता से कार्रवाई करे।

पॉल ने विधानसभा में शपथ लेने के बाद पत्रकारों से कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के मकसद से जल्द ही सभी नगर निकायों में सीसीटीवी निगरानी शुरू की जाएगी। उन्होंने दुर्गापुर मेडिकल कॉलेज दुष्कर्म मामले के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कथित टिप्पणियों का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''किसी (पिछली सरकार) के द्वारा दिए गए सुझावों के विपरीत, हर महिला को किसी भी समय बाहर निकलने का अधिकार होना चाहिए। उन्हें अपनी इच्छानुसार कहीं भी जाने से रोका नहीं जा सकता।

अगर महिलाओं से पूछा जाए कि वे रात आठ बजे के बाद बाहर क्यों हैं, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है'' महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा, "महिलाओं को जब चाहे, जहां चाहे वहां जाने की आजादी होनी चाहिए। यह सरकार इसे सुनिश्चित करेगी। महिलाएं 'जीरो एफआईआर' दर्ज करा सकती हैं और उनकी शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकार किया जाना चाहिए तथा उस पर कार्रवाई की जानी चाहिए"।

चुनाव से पहले हटाए गए बंगाल के पूर्व मुख्य सचिव को अब अहम जिम्मेदारी सौंपी गई

कोलकाता, 14 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा शासित राज्य सरकार में एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। चक्रवर्ती को हाल ही में संपन्न हुए राज्य विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा के बाद भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनके पद से हटा दिया गया था। नबन्ना स्थित वर्तमान राज्य सचिवालय के एक सूत्र ने बताया कि चक्रवर्ती को उनके मौजूदा पद "विकास कार्यों की प्रधान समन्वयक" पर बरकरार रखा गया है।

यह पद सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय के अधीन है लेकिन उन्हें विशेष और अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सूत्रों के अनुसार, "विकास कार्यों की प्रधान समन्वयक" के रूप में चक्रवर्ती का पहला कार्य राज्य में बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया को सुचारु रूप से पूरा कराना होगा। गौरतलब है कि 11 मई को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली राज्य कैबिनेट की पहली बैठक में इस उद्देश्य के लिए बीएसएफ को अगले 45 दिनों के भीतर भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी करने का पहला प्रस्ताव पारित किया गया था। सूत्र ने कहा, "राज्य सरकार के महत्वपूर्ण विभागों, विशेषकर गृह विभाग और बाद में मुख्य सचिव के रूप में चक्रवर्ती के प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए नई राज्य कैबिनेट ने उन्हें इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति माना। 'विकास कार्यों की प्रधान समन्वयक' के रूप में वह राज्य में केंद्र प्रायोजित विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन की प्रक्रिया की भी निगरानी करेंगी।

" पश्चिम बंगाल कैडर की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की करीबी विश्वासपात्र रहीं चक्रवर्ती राज्य की पहली महिला मुख्य सचिव थीं। हालांकि, इस पद पर उनका कार्यकाल बेहद छोटा रहा और केवल दो महीने तक चला क्योंकि 15 मार्च को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार द्वारा चुनाव तिथियों की घोषणा के कुछ घंटों बाद ही चुनाव आयोग ने उन्हें पद से हटा दिया था। कोलकाता के प्रतिष्ठित लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से परास्नातक चक्रवर्ती ने राज्य सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

चीन-भारत ही नहीं अमेरिका से भी काटी कन्नी

नेपाल को अलग-थलग कर रहे बालेन शाह, बढ़ेगा संकट

काठमांडू, 14 मई (एजेंसियां)। नेपाल के पीएम बालेन शाह लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। शाह के चर्चा में आने की नई वजह उनकी विदेश नीति है। मार्च के आखिर में पीएम पद की शपथ लेने के बाद से बालेन शाह ने नेपाल की पारंपरिक विदेश नीति में बदलाव लाने की कोशिश की है। नेपाल की विदेश नीति लंबे समय से भारत और चीन के बीच झूलती रही है। इसकी वजह नेपाल के इन दो विशाल एशियाई देशों से घिरा होना है। हालांकि अब ऐसा लगता है कि बालेन घरेलू और विदेश की पूरी व्यवस्था बदलना चाहते हैं। वह भारत, चीन से लेकर अमेरिका तक सबसे दूरी बनाते दिख रहे हैं।

द प्रिंट के एक विश्लेषण के मुताबिक, नेपाल के चुनाव में बालेन शाह को भारी जीत मिली है। इससे उत्साहित शाह ने व्यवस्था में आमूल-चूल बदलाव की कोशिश की है।

विदेश नीति में खासतौर से शाह के विदेशी प्रतिनिधियों के साथ सीधी मुलाकातों से बचने ने ध्यान खींचा है। पूछा जा रहा है कि यह एक संतुलित और तटस्थ रुख है या नेपाल की विदेश नीति को बाहरी प्रभावों से सुरक्षित रखने का तरीका है।

बालन शाह ने विदेशी प्रतिनिधियों के साथ सीमित जुड़ाव को अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाया है। ऐसा शायद इसलिए किया गया है ताकि इस बात को लेकर अटकलें ना लगें कि नेपाल किस पक्ष की ओर झुक रहा है। शाह ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत राजदूत सर्जियो गोर और दूसरे विदेशी प्रतिनिधियों से मिलने से इनकार किया है। इसमें भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी नाम शामिल है।

शाह ने काठमांडू में गोर से मुलाकात नहीं की और कथित तौर पर भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मिलने से इनकार कर दिया। इससे उन्होंने काठमांडू की यात्रा टाल दी। भारत की ओर से कैलाश मानसरोवर यात्रा परभी बालेन शरकार ने आपत्ति जताई है। नेपाल की ओर से भारत से टकराव का संकेत देते हुए कहा गया है कि लिपुलेख उसका हिस्सा है। इस पर वह चीन से भी नाखुश है। बालेन शाह का विदेशी प्रतिनिधियों से ना मिलना और भारत से टकराव की स्थिति से काठमांडू के लिए खतरे पैदा होते हैं। कूटनीतिक पहलों में किसी से भी ना जुड़ना तटस्थता नहीं है बल्कि यह खराब नीति नियोजन का संकेत है। बालेन को उनके सलाहकारों ने सलाह दी है कि वे उस स्थिति के आने से पहले ही सक्रिय हो जाएं। उनका मौजूदा रवैया यानी सोची-समझी तटस्थता उनको दुनिया में अलग-थलग कर सकती है।

नेपाल भौगोलिक रूप से छोटा और चारों ओर से जमीन से घिरा देश है। ऐसे में उसके लिए विदेश नीति के क्षेत्र में मजबूती से कदम उठाना एक मुश्किल काम है। उसे अक्सर दो में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर किया जाता है या फिर किसी एक से दोस्ती करना उनके अस्तित्व के लिए जरूरी हो जाता है। इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है लेकिन इससे बचना एक अलगाव में डालता है।

प्रधानमंत्री बालेन शाह अगर अपनी उस बहुचर्चित नीति पर कायम रहते हैं, जिसके तहत वे 'एक साल तक कोई विदेश यात्रा नहीं करेंगे' तो इस तरह के जोखिम की कीमत को मौजूदा भू-राजनीतिक उथल-पुथल के संदर्भ में तौलना जरूरी है। नेपाल की अर्थव्यवस्था मुश्किल में है। खासतौर से खाड़ी संकट का सीधा असर देश पर हो रहा है।

नेपाल की मौजूदा आर्थिक हालत और खाड़ी संघर्ष की वजह से पैदा हुए उर्जा संकट के बीच दुनिया से किनारा करना बालेन को भारी पड़ सकता है। मौजूदा समय इस तरह के फैसले लेने के लिए नाजुक है।

पेट्रोल-डीजल को लेकर अफरातफरी

पंपों पर वाहनों की लगी लंबी कतारें, घंटों बाद मिल रहा पेट्रोल प्रशासन से सुरक्षा की मांग

जमशेदपुर, 14 मई (एजेंसियां)। झारखंड में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति कम होने के कारण पंपों पर ताले लटकने लगे हैं। जहां खुले हैं, वहां राशनिंग हो रही है। दोपहिया को 200 और चार पहिया को 500 रुपए का पेट्रोल दिया जा रहा है। सबसे खराब स्थिति जमशेदपुर की है। यहां 36 पेट्रोल पंप हैं, जिनमें से 32 यानी 90% बुधवार की रात तक ड्राई हो चुके थे। हालांकि पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति होने के बाद इनमें से कई पंप गुरुवार को खुले। इसके बाद स्थिति और भयावह हो गई। गाड़ी में पेट्रोल भरवान के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही।

जमशेदपुर के तकरीबन सभी पेट्रोल पंप पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिली। घंटों इंतजार के बाद लोगों को पेट्रोल मिल पा रहा है। कई पंप बंद रहे, जबकि खुले पंपों पर ईंधन भरवाने के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। पिछले दो दिनों से शहर के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ बढ़ गई है। कतारें इतनी लंबी हो गईं कि सड़कों तक पहुंच गईं, जिससे यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई।

फ्रांस के राष्ट्रपति को पत्नी ने क्यों मारा था थप्पड़?

किताब में बताया खूबसूरत ईरानी एक्ट्रेस से कनेक्शन, मचा बवाल

पेरिस, 14 मई (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ब्रिगिट ने बीते साल कथित तौर पर थप्पड़ मार दिया था। ये तब हुआ, जब उन्होंने मैक्रों के फोन में अभिनेत्री गोल्शिफ्तेह फराहानी के साथ हुई चैट पढ़ी। इन संदेशों में ब्रिगिट को कुछ ऐसी बातें मिली, जिससे गुस्सा होकर उन्होंने मैक्रों पर हाथ उठा दिया। यह दावा फ्रांस में एक नई किताब में किया गया है। हालांकि फ्रांस की फर्स्ट लेडी ब्रिगिट मैक्रों ने इसे पूरी तरह खारिज किया है। किताब के दावों को इमानुएल मैक्रों ने भी नकार दिया है।

पत्रकार फ्लोरियन टार्डिफ की किताब 'एन (ऑलमोस्ट) परफेक्ट कपल' में दावा किया गया है कि फराहानी के साथ बातचीत की वजह से पिछले साल मई में हनोई में इस जोड़े के बीच तनाव हो गया था। ये दावे पिछले साल वायरल हुए एक वीडियो पर आधारित हैं, जिसमें यह जोड़ा एक विमान से बाहर निकलते दिखा था। वीडियो के एक हिस्से को कई लोगों ने ऐसे पेश किया कि मैक्रों की पत्नी ने धक्का देकर दूर किया है।

फ्रांसीसी मीडिया में छपी किताब के कुछ अंशों के अनुसार, मैक्रों ने एक्ट्रेस फराहानी को मैसेज करते हुए कहा था कि मुझे तुम बहुत सुंदर लगती हो।तेहरान के मौजूदा शासन की आलोचक फराहानी और मैक्रों के बीच कथित तौर पर कुछ महीनों तक दोस्ताना रिश्ता रहा था। एक्ट्रेस के मैक्रों से इस रिश्ते ने उनकी शादीशुदा जिंदगी को प्रभावित किया।

किताब के लेखक ने दावा किया है कि उनकी किताब की हर एक बात तथ्यों पर आधारित है। मैक्रों और फराहानी के बीच रिश्ता था। यह एक ऐसा पक्ष है, जिसकी मैंने पूरी तरह से पड़ताल की है। हालांकि अब ऐसा नहीं है लेकिन कई महीनों तक दोनों में एक ऐसा रिश्ता था, जिसके बारे में मुझे बताया गया था कि वह एक 'आध्यात्मिक' (प्लेटॉनिक) रिश्ता था।

फ्रांसीसी दैनिक 'ले पेरिसियन' ने बताया है कि फर्स्ट लेडी ब्रिगिट ने इस बात से साफ तौर पर इनकार किया है कि उनका इमानुएल से कोई विवाद हुआ थ। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह कभी भी अपने पति का फोन चेक नहीं करती हैं। ऐसे में यह कहना ही बेबुनियाद है कि फोन के मैसेज पढ़ने से हमारे बीत कोई विवाद हुआ।

फ्रांसीसी प्रेसिडेंट मैक्रों के दफ्तर की ओर से भी इस पर बयान आया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा है कि वह पल बस एक आधिकारिक कार्यक्रम से पहले पति-पत्नी के बीच की मजाकिया बातचीत थी, जिसके वीडियो को विवाद की तरह पेश किया गया।

बेटे ने माता-पिता, भतीजा-भतीजी को कुल्हाड़ी से काट डाला

जांजगीर-चांपा, 14 मई (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के ग्राम भंवतरा में एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने मृतक के मंझले बेटे सोनसाय कश्यप और उसके बेटे गोलू को हिरासत में लिया है। शुरुआती जांच में जमीन और पारिवारिक विवाद को हत्या की बड़ी वजह माना जा रहा है।

इस मामले में बुधवार रात पहले मेदनी प्रसाद कश्यप (70), उनकी पत्नी कांति बाई (65), नाती पीतांबर (17) और नातिन मोगरा की हत्या की खबर सामने आई थी। अब जांच में खुलासा हुआ है कि हत्या के आरोप मृतक दंपती के बेटे सोनसाय कश्यप पर हैं।

जानकारी के मुताबिक, मेदनी प्रसाद अपनी पत्नी, नाती और मूकबधिर नातिन मोगरा के साथ निर्माणाधीन मकान के पीछ स्थित घर में रह रहे थे। बुधवार रात सभी खाना खाने के बाद सो गए थे। गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे जब मिस्त्री काम के लिए पहुंचा तो सामने का निर्माणाधीन मकान का दरवाजा बंद मिला। पीछे से जाकर देखने पर चारों की खून से लथपथ लाश खाट पर पड़ी मिली। इसके बाद सरपंच के जरिए पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर एसपी निवेदिता पाल, एएसपी उमेश कश्यप समेत पुलिस टीम पहुंची। घर को सील कर एफएसएल और डॉग स्क्वॉड की मदद से जांच शुरू की गई। डॉग स्क्वॉड घर के पीछे बाड़ी के रास्ते सीधे संदेही सोनसाय कश्यप के घर तक पहुंचा। वहां ताला लगा था। पुलिस ने ताला तोड़कर तलाशी ली, जहां से हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी बरामद की गई। इसके बाद सोनसाय और उसके बेटे गोलू को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई।

ईरान पर अमेरिका-चीन की एकजुटता

परमाणु बैन और होर्मुज स्ट्रेट पर बड़ा दबाव

बीजिंग, 14 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक के दौरान ईरान को लेकर बड़ा फैसला किया गया है। व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि दोनों नेता इस बात पर सहमत हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस बैठक के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य को भी खोलने पर सहमति बनी है। हालांकि, चीन की ओर से अमेरिका के इन दावों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस बात की भी आशंका है कि क्या अमेरिका और चीन के बीच बनी सहमति को ईरान मानेगा या नहीं। ट्रंप बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर चीन पहुंचे हैं। उनके साथ भारी-भरकम अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भी है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा है कि अमेरिका और चीन इस बात पर सहमत हुए हैं कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। अधिकारी ने यह भी कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला रहना चाहिए, जबकि इस रणनीतिक शिपिंग मार्ग के आसपास तनाव को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। दोनों नेताओं ने अमेरिका में फेंटानिल प्रीकर्सर केमिकल्स के प्रवाह को रोकने की दिशा में हुई प्रगति को आगे बढ़ाने और अमेरिकी कृषि उत्पादों की चीनी खरीद में बढ़ोतरी पर भी चर्चा की। मैं असाधारण नेतृत्व क्षमता वाले नेता राष्ट्रपति शी से आग्रह करूंगा कि वे चीन को और अधिक क्षेत्रों के लिए खोलें, ताकि ये प्रतिभाशाली लोग अपनी क्षमता दिखा सकें और चीन को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें।

ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच पहली बैठक दो घंटे से अधिक समय तक चली। शी ने कहा कि दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे की सफलता और समृद्धि में सहयोग करना चाहिए तथा बड़ी शक्तियों के बीच बेहतर संबंधों का सही रास्ता खोजना चाहिए।

ट्रंप के साथ अमेरिका के कई बड़े कारोबारी नेता भी आए हैं। इनमें एनवीडिया के जेन्सन हुआंग, एप्पल के टिम कुक, टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क और ब्लैक रॉक के लैरी फिंक सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, मैं असाधारण नेतृत्व क्षमता वाले नेता राष्ट्रपति शी से आग्रह करूंगा कि वे चीन को और अधिक क्षेत्रों के लिए खोलें, ताकि ये प्रतिभाशाली लोग अपनी क्षमता दिखा सकें और चीन को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि शी चिनफिंग से मुलाकात में यह उनका पहला अनुरोध होगा।

बलौदाबाजार में तूफान 10 फीट ऊंची उठीं लहरें

रायपुर, 14 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम बदला हुआ है। बुधवार को बलौदाबाजार जिले के पलारी नगर में तेज बारिश के साथ तूफानी हवाएं चली। इसका असर इतना तेज था कि, सिद्धेश्वर मंदिर से लगे 150 एकड़ में फैले बाल समुद्र तालाब में ऊंची लहरें उठ रही थी। पानी उफान के साथ सड़कों पर आ गया। ग्रामीणों ने इसका वीडियो बनाया और सेल्फी ली। वहीं, दुर्ग जिले में आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत हो गई। पुरैना इलाके में शाम को बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे, गरज चमक हुई तो घर लौटने लगे, इस दौरान शक्ति बिश्नोई (18) आकाशीय बिजली की चपेट में आ गया। बंगाल में बने सिस्टम के असर से प्रदेशभर में ये हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में गरज-चमक, तेज हवाएं और हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव दर्ज नहीं किया गया। दुर्ग सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जगदलपुर में न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक 14 और 15 मई को इन एक्टीविटी में कुछ कमी आने की संभावना है। वहीं 16 मई से मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में हीटवेव की स्थिति बन सकती है।

राजधानी रायपुर में बुधवार 14 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक शहर में गरज-चमक, धूलभरी आंधी या हल्की बारिश हो सकती है।

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के वांछित सीनेटर संसद से फरार

कैसे मिला भागने का मौका

मनीला, 14 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) द्वारा मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में वांछित फिलीपींस के एक सीनेटर ने गिरफ्तारी से बचने के लिए संसद में शरण ली थी। हालांकि, अब वह वहां से फरार हो गए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि सीनेटर रोनाल्ड डेला रोजा संसद से फरार हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि भारी सुरक्षा वाले संसद से रोनाल्ड डेला रोजा उस समय बाहर निकले, जब बुधवार रात को भवन के सुरक्षा कर्मियों और एक सरकारी एजेंट के बीच हुई बहस के दौरान गोलीबारी हुई। इस हंगामे ने सीनेटर को चुपके से निकल जाने में मदद की।

राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने देर रात टीवी पर देश के लोगों से शांत रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि पुलिस जांच जारी है, जिसमें इस संदेह की भी जांच की जा रही है कि क्या इस घटना को डेला रोजा को भागने का बहाना देने के लिए उकसाया गया था। सीनेट अध्यक्ष एलन केयेतानो ने डेला रोजा के सीनेट की सुरक्षा में रहते हुए फरार होने पर कहा, न्याय में कोई बाधा नहीं है। उन्होंने एक समाचार ब्रीफिंग में बताया कि उन्हें डेला रोजा के खिलाफ आईसीसी का गिरफ्तारी वारंट नहीं दिखा और सीनेटर परिसर छोड़ने के लिए स्वतंत्र थे। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि केयेतानो और सीनेट के सुरक्षा प्रमुख को डेला रोजा के भागने के लिए जिम्मेदार होने चाहिए।

डेला रोजा फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते के राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख रह चुके हैं। दुतेर्ते 2016 से 2022 तक राष्ट्रपति थे। दुतेर्ते को पिछले साल मार्च में आईसीसी वारंट पर गिरफ्तार किया गया था, उन पर उनके द्वारा शुरू किए गए घातक नशीली दवाओं विरोधी अभियानों के संबंध में मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप हैं, जिसके लिए वह अब हेग में मुकदमे का सामना कर रहे हैं।

आईसीसी द्वारा सोमवार को जारी एक वारंट में डेला रोजा पर जुलाई 2016 और अप्रैल 2018 के अंत के बीच कम से कम 32 लोगों की हत्या जैसे मानवता के खिलाफ अपराध का आरोप लगाया गया है। ये हत्याएं उन्होंने दुतेर्ते के अधीन राष्ट्रीय पुलिस बल का नेतृत्व करने के दौरान की थीं। इस दौरान कई खूनी अभियानों को लागू किया था।

डेला रोजा और दुतेर्ते दोनों ने अलग-अलग अतिरिक्त-न्यायिक हत्याओं को मंजूरी देने से इनकार किया है। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति ने अपने कार्यकाल के दौरान खुले तौर पर नशीली दवाओं के संदिग्धों को मौत की धमकी दी थी। डेला रोजा की कानूनी मुश्किलें ऐसे समय में सामने आई हैं, जब दुतेर्ते परिवार और मार्कोस के बीच राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। पूर्व राष्ट्रपति की बेटी उपराष्ट्रपति सारा दुतेर्ते ने मार्कोस पर अपने पिता के अपहरण और विदेशी अदालत को सौंपने का आरोप लगाया है।

पासपोर्ट रैंकिंग 2026 : पाकिस्तान 100वें पायदान पर

इस्लामाबाद, 14 मई (एजेंसियां)। हेनले एंड पार्टनर्स ने दुनियाभर के देशों के पासपोर्ट की स्थिति बताने वाली अपनी रैंकिंग जारी की है। मई की रैंकिंग में एक बार फिर से सिंगापुर ने अपना दबदबा कायम रखा है। वहीं पाकिस्तान इस लिस्ट में गिरते हुए 100वें नंबर पर पहुंच गया है। भारतीय पासपोर्ट की ताकत भी कम हुई है। भारत का पासपोर्ट ताजा हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में 78वें पोजीशन पर है। यह पिछले साल के मुकाबले बेहतर है लेकिन फरवरी की रैंकिंग से तीन पायदान नीचे आते हुए खराब प्रदर्शन है।

हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के मई 2026 के अपडेट में, पाकिस्तान के पासपोर्ट की रैंकिंग गिरकर 100वें स्थान पर आ गई है। पाकिस्तानी पासपोर्ट धारकों को वीजा-मुक्त प्रवेश, वीजा-ऑन-अराइवल (वीओए) या इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकरण (ईटीए) प्रणालियों के माध्यम से सिर्फ 30 गंतव्यों तक पहुंच मिल सकती है।

भारत को मिला 78वां नंबर

भारत का पासपोर्ट ताजा हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में 78वीं पोजीशन पर पहुंच गया है। भारतीय पासपोर्ट होल्डर अब बिना पहले से वीजा लिए 56 देशों में ट्रैवल कर सकते हैं। 2024 में भारत 80वें नंबर पर था। फरवरी में भारतीय पासपोर्ट की हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में 75वीं पोजीशन थी लेकिन अब इसमें तीन पोजीशन का नुकसान हुआ है।

हेनले के नए इंडेक्स की बात की जाए तो इसमें सिंगापुर पहले नंबर पर है। सिंगापुर का पासपोर्ट 192 डेस्टिनेशन में वीजा फ्री पहुंच देता है।

जापान, यूएई और साउथ कोरिया के पासपोर्ट से 187 देशों में बिना वीजा एंट्री मिलती है। तीनों देश लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। स्वीडन तीसरे नंबर पर हैं। इसके बाद फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, स्विट्जरलैंड , ऑस्ट्रिया, ग्रीस, माल्टा और पुर्तगाल जैसे देशों का नाम है। लिस्ट में सबसे नीचे अफगानिस्तान है।

भारतीय पासपोर्ट पर वीजा फ्री देश भारत के पासपोर्ट पर वीजा फ्री एंट्री देने वाल देशों में अंगोला, बारबाडोस, भूटान, कुक आइलैंड्स, डोमिनिका, फिजी, ग्रेनाडा, जमैका, कजाकिस्तान, केन्या, किरिबाती, मकाओ, मलेशिया, मॉरिशस, माइक्रोनेशिया, मोंटसेराट, नेपाल, फिलीपींस, रवांडा, सेनेगल, सेशेल्स और थाईलैंड हैं। भारतीय पासपोर्ट धारकों को वीजा ऑन अराइवल देने वाले देशों में अल्बानिया, कंबोडिया, कोमोरो आइलैंड्स, जिबूती, इथियोपिया, इंडोनेशिया, जॉर्डन, लाओस, मेडागास्कर, मालदीव, श्रीलंका और तंजानिया हैं।

भारत के पड़ोस में तैनात होंगे अमेरिकी युद्धपोत

ढाका, 14 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश और अमेरिका रणनीतिक रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं। दोनों देशों में इस समझौते को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। इन समझौतों के तहत अमेरिकी सेना को बांग्लादेश के बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक पहुंच मिल जाएगी। हालांकि, इससे भारत की टेंशन बढ़ सकती है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी से चीन के लिए भी उपस्थिति बढ़ाना अनिवार्य हो जाएगा। ऐसे में दशकों से शांत पड़ा यह क्षेत्र वैश्विक महाशक्तियों के बीच जंग का अखाड़ा बन सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, 5-7 मई को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल की ढाका यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने पहले से हस्ताक्षरित 'पारस्परिक व्यापार समझौते' के कार्यान्वयन की शर्तों पर चर्चा की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान को लिखे एक निजी पत्र में, भविष्य की आर्थिक रियायतों को दो रक्षा समझौतों के पूरा होने से जोड़ा है: 'सैन्य सूचना की सामान्य सुरक्षा समझौता' और 'अधिग्रहण और क्रॉस-सर्विसिंग समझौता'। एसीएसए पर हस्ताक्षर होने से अमेरिकी जंगी जहाज और विमान बांग्लादेश के बंदरगाहों और हवाई अड्डों का उपयोग रखरखाव, ईंधन भरने और री-सप्लाई के लिए कर सकेंगे।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और लड़ाकों के बीच मुठभेड़

कराची, 14 मई (एजेंसियां)। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने एक बड़े संयुक्त अभियान में सात लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के एक मेजर समेत पांच सैनिकों की भी मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बुधवार देर रात जारी बयान में दी।

आईएसपीआर के अनुसार, बलूचिस्तान के बरखान जिले के मार्कहम के नोशाम इलाके में पाकिस्तान सेना और बलूचिस्तान फ्रंटियर कॉर्प्स ने संयुक्त क्लीन-अप ऑपरेशन चलाया। खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किए गए इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और लड़ाकों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई।

सेना के बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान सात लड़ाके मारे गए। हालांकि इस दौरान एक फील्ड ऑफिसर यानी मेजर समेत पांच सैनिकों की भी जान चली गई। मारे गए सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है।

कार्रवाई के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया। इस दौरान लड़ाकों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया है। सेना ने कहा कि इलाके में बाकी लड़ाकों की तलाश के लिए अभियान अभी जारी है।

बलूचिस्तान में इस साल सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियान चलाए हैं। मार्च में हरनाई और बसीमा जिलों में हुए ऑपरेशन में 15 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था, जबकि फरवरी में झोब जिले में 10 लड़ाके मारे गए थे।

दरअसल, बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित रहा है। यहां सक्रिय सशस्त्र समूह अक्सर सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार कई हमलों के लिए बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराती रही है।

अमेरिका में चीन के सीक्रेट पुलिस स्टेशन का खुलासा

न्यूयॉर्क का रहने वाला लू जियानवांग दोषी करार

न्यूयॉर्क, 14 मई (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट ने अमेरिकी नागरिक लू जियानवांग को चीन सरकार की ओर से सीक्रेट पुलिस स्टेशन चलाने के मामले में दोषी ठहराया है। अभियोजन पक्ष का दावा है कि यह स्टेशन मैनहटन के चाइनाटाउन इलाके में संचालित हो रहा था।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक 64 वर्षीय लू जियानवांग चीन के पब्लिक सिक्योरिटी मंत्रालय के लिए काम कर रहा था। उसे हैरी लू के नाम से भी जाना जाता है। जूरी ने उसे चीन सरकार के अवैध एजेंट के तौर पर काम करने और जांच में बाधा डालने के आरोप में दोषी माना है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार कथित पुलिस स्टेशन 2022 की शुरुआत में शुरू किया गया था। यह मैनहटन के चाइनाटाउन में एक रामेन स्टॉल के ऊपर पूरे फ्लोर में चल रहा था। एफबीआई जांच शुरू होने के बाद 2022 के अंत में इसे बंद कर दिया गया। प्रॉसिक्यूटर्स ने बताया कि जांच की जानकारी मिलने के बाद लू और उसके सह-आरोपी चेन जिनपिंग ने चीन के अधिकारियों के साथ हुए टेक्स्ट मैसेज डिलीट कर दिए थे। एफबीआई के असिस्टेंट डायरेक्टर जेम्स सी बार्नाकल जूनियर ने कहा कि इस स्टेशन का इस्तेमाल चीन विरोधी और लोकतंत्र समर्थक लोगों को टारगेट करने के लिए किया गया।

मामले के दूसरे आरोपी चेन जिनपिंग दिसंबर 2024 में चीन के एजेंट के तौर पर साजिश रचने का आरोप स्वीकार कर चुके हैं। उनकी सजा पर फैसला अभी बाकी है। मानवाधिकार संगठनों का दावा है कि दुनिया के 53 देशों में चीन के ऐसे 100 से ज्यादा कथित आउटपोस्ट मौजूद हैं। हालांकि चीन इन आरोपों से इनकार करता रहा है और इन्हें सिर्फ 'सर्विस स्टेशन' बताता है।

मासिक शिवरात्रि पर सुबह से ही रहेगी भद्रा

इन चीजों के दान से मिलेगी भगवान शिव की कृपा

सूर्योदय, सूर्यास्त, चन्द्रोदय और चन्द्रास्त

सूर्योदय- सुबह 05:30

सूर्यास्त- शाम 07:05

चन्द्रोदय- सुबह 04:41 (16 मई 2026)

चन्द्रास्त- शाम 05:31

नक्षत्र

नक्षत्र अश्विनी से दिन की शुरुआत होगी, जो रात 08:14 मिनट तक रहेगा। हालांकि, इसके बाद नक्षत्र भरणी रहने वाला है।

किस राशि में कौन-सा ग्रह रहेगा?

राहु ग्रह- कुंभ राशि में 15 मई 2026 (शुक्रवार) को रहेंगे।

केतु ग्रह- सिंह राशि में 15 मई 2026 (शुक्रवार) को रहेंगे।

शनि ग्रह- मीन राशि में 15 मई 2026 (शुक्रवार) को रहेंगे।

मंगल ग्रह और चंद्र ग्रह- मेष राशि में 15 मई 2026 (शुक्रवार) को रहेंगे।

बुध ग्रह और सूर्य ग्रह- वृषभ राशि में 15 मई 2026 (शुक्रवार) को गोचर करेंगे।

शुक्र ग्रह और देवगुरु बृहस्पति (गुरु) ग्रह- मिथुन राशि में 15 मई 2026 (शुक्रवार) को रहेंगे।

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि के साथ-साथ मासिक शिवरात्रि का भी विशेष महत्व माना जाता है। यह हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है और भगवान शिव की आराधना के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिन शिव और शक्ति के दिव्य मिलन का प्रतीक होता है। इस दिन व्रत, पूजा और दान करने से पापों का नाश होता है तथा मनोकामनाएं पूर्ण होने का आशीर्वाद मिलता है।

पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 मई 2026 को सुबह 8 बजकर 31 मिनट से शुरू होगी और 16 मई को सुबह 5 बजकर 11 मिनट तक रहेगी। निशिता काल को ध्यान में रखते हुए मासिक शिवरात्रि का व्रत और पूजा 15 मई, शुक्रवार को की जा रहा है।

दूध और सफेद वस्तुओं का दान

मासिक शिवरात्रि के दिन दूध, दही, चावल, मिश्री और सफेद वस्त्रों का दान बेहद शुभ माना जाता है। सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक होता है। मान्यता है कि इससे मानसिक तनाव दूर होता है और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

अन्न और भोजन का दान

जरूरतमंदों को भोजन, फल या अन्न दान करना पुण्यदायी माना जाता है। इस दिन गरीबों को भोजन कराने से घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। भगवान शिव ऐसे दान से शीघ्र प्रसन्न होते हैं।

तिल और घी का दान

काले तिल और घी का दान नकारात्मकता को दूर करने वाला माना जाता है। शिव मंदिर में घी का दीपक जलाना और तिल दान करना जीवन की बाधाओं को कम करने में सहायक माना गया है।

वस्त्र और जरूरत की चीजों का दान

जरूरतमंद लोगों को कपड़े, कंबल और दैनिक उपयोग की वस्तुएं दान करने से पुण्य फल मिलता है। इससे जीवन में सकारात्मकता और सुख बढ़ता है।

शनि शिंगणापुर: दरवाजों से नहीं श्रद्धा से सुरक्षित है यह गांव

सुरेश गांधी

शनि शिंगणापुर में विराजमान शनिदेव की स्वयंभू प्रतिमा लगभग पांच फुट नौ इंच ऊंची और डेढ़ फुट चैड़ी काले पाषाण की शिला है। यह किसी भव्य गर्भगृह में नहीं, बल्कि खुले आकाश के नीचे संगमरमर के चबूतरे पर स्थापित है। न तपती धूप उन्हें विचलित करती है, न आंधी-तूफान और न ही मूसलाधार वर्षा। सदियों से शनिदेव इसी प्रकार खुले आसमान के नीचे विराजमान हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां पहुंचकर तैलाभिषेक करने और सच्चे मन से प्रार्थना करने पर शनि की साढ़ेसाती, ढैया और अन्य कष्टों से राहत मिलती है। विशेष रूप से शनिवार, शनि अमावस्या और शनि जयंती पर यहां श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ता है।

वह गांव जहां घरों में नहीं लगते दरवाजे

शनि शिंगणापुर की सबसे बड़ी पहचान उसका अद्भुत सामाजिक विश्वास है। यहां अधिकांश घरों में पारंपरिक अर्थों में दरवाजे नहीं लगाए जाते। कई घरों में केवल पर्दे या लकड़ी की चैखट दिखाई देती है। लोगों का विश्वास है कि इस गांव की रक्षा स्वयं शनिदेव करते हैं और कोई भी चोर गांव की सीमा पार नहीं कर सकता। केवल घर ही नहीं, बल्कि यहां के प्रतिष्ठानों और बैंकों तक में वर्षों तक बिना ताले के काम होने की चर्चाएं देश-दुनिया में प्रसिद्ध रहीं। ग्रामीण मानते हैं कि जो व्यक्ति चोरी करने का प्रयास करता है, वह शनिदेव के दंड से बच नहीं सकता। यही विश्वास इस गांव की सामाजिक संरचना का आधार बन गया है। आज जब पूरी दुनिया सुरक्षा के लिए सीसीटीवी, अलार्म और ऊंची दीवारों पर निर्भर है, तब शनि शिंगणापुर विश्वास और नैतिकता की उस परंपरा को जीवित रखे हुए है, जहां ईश्वर का भय ही सबसे बड़ा प्रहरी माना जाता है।

पौराणिक कथाएं

लोकमान्यता के अनुसार सदियों पहले इस क्षेत्र में भीषण वर्षा और बाढ़ आई थी। उसी दौरान गांव के एक व्यक्ति को स्वप्न में शनिदेव ने दर्शन देकर कहा कि वह पानस नाले में विग्रह रूप में विराजमान हैं। अगले दिन ग्रामीण वहां पहुंचे तो उन्हें एक विशाल काला पाषाण दिखाई दिया। जब गांव वालों ने उस शिला को उठाने का प्रयास किया तो वह तनिक भी नहीं हिली। उसी रात फिर स्वप्न में आदेश मिला कि केवल मामा-भांजा मिलकर ही इस विग्रह को उठा सकेंगे और बैलगाड़ी में भी मामा-भांजा बैल ही जुते होने चाहिए। अगले दिन ऐसा ही किया गया और आश्चर्यजनक रूप से शिला सहजता से उठ गई। उसी स्थान पर शनिदेव की स्थापना की गई, जहां आज यह प्रसिद्ध तीर्थ स्थित है। एक अन्य कथा के अनुसार एक चरवाहे ने इस काले पत्थर को किसी नुकीली वस्तु से छुआ तो उसमें से रक्त प्रवाहित होने लगा। उसी रात शनिदेव ने स्वप्न में प्रकट होकर स्वयं को उस शिला में विराजमान बताया और खुले आसमान के नीचे ही पूजन करने का आदेश दिया।

'वृक्ष है, पर छाया नहीं': आस्था का अनोखा चमत्कार

स्थानीय लोगों के अनुसार शनिदेव के चबूतरे के निकट स्थित नीम के वृक्ष की शाखाएं कभी प्रतिमा पर छाया नहीं करती थीं। यदि कोई शाखा प्रतिमा की ओर बढ़ती भी, तो वह स्वतः सूख जाती या टूटकर गिर पड़ती थी। श्रद्धालु इसे शनिदेव का चमत्कार मानते हैं। एक बार उस वृक्ष पर आकाशीय बिजली गिरी और वह घंटों जलता रहा, लेकिन आसपास मौजूद किसी व्यक्ति को कोई क्षति नहीं हुई। अगले ही दिन वृक्ष पुनः हरा-भरा दिखाई दिया। ऐसी घटनाओं ने यहां की आस्था को और भी गहरा कर दिया।

शनिदेव: भय नहीं, न्याय के प्रतीक

भारतीय जनमानस में अक्सर शनि का नाम सुनते ही भय उत्पन्न होता है, लेकिन धर्मग्रंथों और ज्योतिष शास्त्र में शनिदेव को न्यायप्रिय देवता कहा गया है। वह मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार फल देते हैं। अच्छे कर्म करने वालों के लिए शनि समृद्धि, वैभव और प्रतिष्ठा के कारक माने गए हैं, जबकि अधर्म और अन्याय करने वालों को दंडित करते हैं। शनि की साढ़ेसाती और ढैया को लेकर समाज में अनेक धारणाएं प्रचलित हैं। ज्योतिष के अनुसार शनि एक राशि में लगभग ढाई वर्ष तक रहते हैं और तीन राशियों में उनके भ्रमण की अवधि साढ़े सात वर्ष कहलाती है।

मंत्री की राजा को सीख

हम अपनी सोच को सकारात्मक, संतुलित और तर्कपूर्ण बनाते हैं, तो हमारा जीवन भी सफल हो जाता है

एक लोक कथा है। एक राज्य का राजा था, तो बहुत शक्तिशाली, लेकिन उसकी सोच अक्सर संदेह और अंधविश्वास से भरी रहती थी। वह हर घटना को शुभ-अशुभ के नजरिए से देखता था। उसके राज्य के एक गांव में चर्चा चल रही थी कि वहां के एक व्यक्ति का चेहरा अशुभ है और उसे देखते ही दुर्भाग्य आता है। लोगों की सोच इतनी मजबूत हो गई है कि उन्होंने उस व्यक्ति को दोषी मान लिया है।

स्थिति इतनी बिगड़ गई कि गांव के लोग उसे गांव से निकालने की कोशिश करने लगे। उसे अपमानित किया जाने लगा और उसके साथ गलत व्यवहार होने लगा। जब यह बात राजा तक पहुंची, तो उन्होंने सोचा कि बिना जांच के किसी को दोषी मानना उचित नहीं है। इसलिए राजा ने उस व्यक्ति को अपने महल में रहने का आदेश दिया, ताकि वह खुद इस बात की

सच्चाई जान सके। अगले दिन सुबह, राजा ने सबसे पहले उसी व्यक्ति का चेहरा देखा। उसी दिन राजा के साथ एक घटना हुई, उसे पूरे दिन राजकीय कार्यों में अत्यधिक व्यस्त रहना पड़ा और व्यस्तता के कारण वह भोजन नहीं कर सका। शाम तक उसे लगने लगा कि सच में उस व्यक्ति के कारण उसका दिन खराब हुआ है। अब राजा भी राज्य के लोगों की बातों पर विश्वास करने लगा और उसने उस व्यक्ति को अशुभ मान लिया।

गुस्से और अंधविश्वास में आकर राजा ने उस व्यक्ति को मृत्यु दंड दे दिया। जैसे ही यह निर्णय लिया गया, राजा के विद्वान मंत्री ने उसे रोकते हुए पूछा कि एक निर्दोष व्यक्ति को किस आधार पर दंड दिया जा रहा है।

राजा ने कहा कि आज सुबह मैंने उसका चेहरा देखा और मेरा पूरा दिन खराब हो गया, इसलिए वह अशुभ है। मंत्री ने शांत स्वर में कहा, "राजन्, क्षमा करें, लेकिन एक बात और भी है, उस व्यक्ति ने भी आज सुबह सबसे पहले आपका चेहरा देखा था। आपको तो सिर्फ भोजन नहीं मिला, लेकिन इस व्यक्ति पर तो मृत्यु का संकट खड़ा हो गया है।"

यह सुनकर राजा चुप हो गया। मंत्री ने आगे समझाया कि किसी भी व्यक्ति का चेहरा न तो शुभ होता है और न अशुभ। असल में अशुभ हमारी सोच होती है।

राजा को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने तुरंत उस व्यक्ति को मुक्त कर दिया और समझ गया कि जीवन में निर्णय तथ्यों पर आधारित होने चाहिए, न कि अंधविश्वास और नकारात्मक सोच पर।

प्रसंग की सीख

हमें हमारी सोच समझनी चाहिए। हमारी सोच ही हमारे अनुभव को आकार देती है। अगर हम किसी चीज को नकारात्मक मान लेते हैं, तो वही हमें हर जगह नकारात्मक दिखने लगती है। इसलिए किसी भी व्यक्ति या स्थिति के बारे में अंतिम निर्णय लेने से पहले उसे निष्पक्ष रूप से समझना चाहिए।

हमें अंधविश्वास से बचना चाहिए। अक्सर हम बिना प्रमाण के कुछ धारणाएं बना लेते हैं, जो समय के साथ हमारी सोच को प्रभावित करती हैं। जीवन प्रबंधन का मूल सिद्धांत है- तथ्य और तर्क के आधार पर निर्णय लेना, न कि अफवाहों के आधार पर।

खुद पर भावनात्मक नियंत्रण बहुत जरूरी है। राजा ने केवल एक घटना के आधार पर भावनात्मक निर्णय लिया और एक निर्दोष व्यक्ति को दंड देने तक पहुंच गया। जीवन में जब हम क्रोध या निराशा में निर्णय लेते हैं, तो गलतियां होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए शांत मन से निर्णय लेना चाहिए।

परिस्थिति और संयोग को समझना चाहिए। हर घटना का कारण किसी व्यक्ति से जुड़ा नहीं होता। कई बार परिस्थितियां अलग कारणों से बनती हैं। जैसे राजा का भूखा रहना उस व्यक्ति के कारण नहीं, बल्कि उसकी व्यस्तता के कारण था।

सकारात्मक सोच का अभ्यास करें। सकारात्मक सोच न केवल हमारे निर्णयों को बेहतर बनाती है, बल्कि हमारे रिश्तों और कार्यक्षमता को भी सुधारती है। जब हम दूसरों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, तो हमारा सामाजिक जीवन भी बेहतर होता है। न्यायपूर्ण और तर्कसंगत निर्णय लेना जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसी भी व्यक्ति के बारे में राय बनाने से पहले उससे जुड़े सभी पहलुओं को समझना जरूरी है। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अक्सर गलत साबित होता है।

यह समझना जरूरी है कि हमारी सोच ही हमारा जीवन बनाती है। अगर हम अपनी सोच को सकारात्मक, संतुलित और तर्कपूर्ण बनाते हैं, तो हमारा जीवन भी उतना ही शांत और सफल हो जाता है। सोच बदलिए, दृष्टिकोण बदलिए और जीवन अपने आप बदल जाएगा।

शुक्रवार को करें इन वस्तुओं का दान माता लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

शुक्रवार को दान करना शुभ क्यों माना जाता है?

शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी का है, जो धन और वैभव प्रदान करती हैं। उनकी कृपा से दरिद्रता दूर होती है। घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। धन लाभ के लिए शुक्रवार को दान करने की मान्यता है। जीवन में भौतिक सुख, सुविधाओं, प्रेम, सुखी दांपत्य, विलासिता आदि के लिए शुक्र से संबंधित वस्तुओं का दान शुक्रवार को करना शुभ होता है। दान करने से पाप मिटते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। शुक्र के दोष मिटते हैं।

माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए क्या दान करें?

माता लक्ष्मी की कृपा पाने और उनको प्रसन्न करने के लिए शुक्रवार को चावल और चीनी का दान करना चाहिए। इससे माता अन्नपूर्णा और लक्ष्मी दोनों का आशीर्वाद मिलता है।

माता लक्ष्मी के मंदिर में जाकर शुक्रवार को सुहाग सामग्री का दान करना चाहिए। विवाहित महिलाएं चूड़ियां, सिंदूर, मेहंदी, बिंदी, लाल साड़ी आदि का दान करें। उनका घर धन और धान्य से भरेगा, इसके साथ उनको सौभाग्य का आशीर्वाद मिलेगा।

शुक्रवार को कमल के फूल, पीली कौड़ियां, गोमती चक्र या शंख का दान करना चाहिए। इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और धन-संपत्ति में बढ़ोत्तरी का आशीर्वाद देती हैं।

शुक्रवार के दिन नमक का दान करना चाहिए क्योंकि नमक को भी लक्ष्मी का रूप मानते हैं क्योंकि लक्ष्मी और नमक दोनों की उत्पत्ति समुद्र से हुई है। नमक दान करने से नकारात्मकता दूर होती है और दरिद्रता का नाश होता है।

शुक्रवार को सफेद चीजें दान करने का महत्व क्या है?

शुक्रवार को सफेद चीजों का दान करते हैं क्योंकि सफेद रंग शुक्र से जुड़ा माना जाता है और यह शांति का प्रतीक है। शुक्रवार के दिन चावल, दूध, दही, चीनी, सफेद वस्त्र, इत्र, सफेद चंदन, चांदी, सौंदर्य सामग्री, खीर आदि का दान करते हैं। इससे शुक्र के साथ साथ चंद्रमा और लक्ष्मी की भी कृपा मिलती है।

महाभारत: कैसे रानी ने मृत राजा के संसर्ग से पैदा किए एक दो नहीं बल्कि 7 बेटे

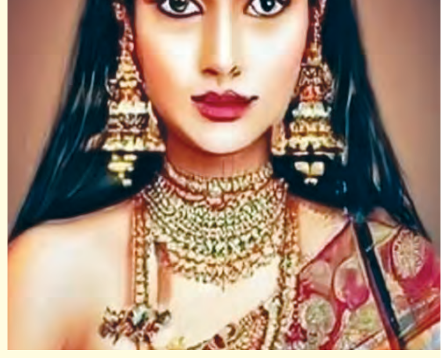

रानी भद्रा

(गतांक से आगे)

कौशिकी बुक्स की "महाभारत आदि पर्व अंग्रेजी भाग 2" में भी इसका उल्लेख है। इसके अनुसार, पांडु से कुंती ने यही कहा कि अगर राजा व्यूषिताश्व की मृत्यु के बाद भी रानी भद्रा ने उनसे मिलन किया। गर्भवती हुई। 7 बेटों को जन्म दिया। तो आप भी तपस्या के प्रभाव से मेरे गर्भ में मानस पुत्र की उत्पत्ति कर सकते हैं। तब पांडु बोले, व्यूषिताश्व देवता समान बलशाली थे, मुझमें वह शक्ति नहीं है।

सुंदरता के लिए प्नसिद्ध थीं रानी भद्रा

अब जानते हैं कि कौन थे राजा व्यूषिताश्व और उनकी रानी भद्रा। वह चंद्र वंश के राजा शंखण के पुत्र थे। व्यूषिताश्व ने राजा कक्षीवत की पुत्री भद्रा से विवाह किया, जो अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध थीं।

महाभारत में व्युषिताश्व को एक धर्मी राजा बताया गया है। कहा जाता है कि उसने एक महान बलिदान किया था, जिसमें इंद्र के नेतृत्व में सभी आकाशीय देवता आए थे। इस बलिदान के बाद व्युषिताश्व ने महान शक्ति प्राप्त की। उन्होंने अश्वमेध समारोह के माध्यम से सभी दिशाओं के राज्यों पर विजय प्राप्त की।

रानी मृत शरीर से लिपट रोती रहीं तो क्या हुआ पौराणिक विश्वकोश के अनुसार महाभारत आदि पर्व के अध्याय 120 में लिखा है, व्यूषिताश्व पुरु वंश के राजा थे, जो धर्मात्मा और न्यायप्रिय थे। उन्होंने कई यज्ञ किए। जब राजा की मृत्यु हुई तो भद्रा राजा के मृत शरीर को गले लगाकर बहुत देर तक रोती रहीं। तब व्यूषिताश्व की आत्मा, जो शरीर से बाहर थी, उसने भद्रा से कहा, "मेरी प्रिये। अपने मासिक धर्म के आठवें या चौदहवें दिन अपने बिस्तर पर मेरे साथ सो जाओ। मैं तुम्हें पुत्र दूंगा।" उसने राजा की इच्छा के अनुसार कार्य किया। मृत शरीर से सात पुत्र प्राप्त किए।

पांडु की बातों का असर कुंती पर क्या पड़ा

पांडु की बात सुनने के बाद कुंती ने तब कहा, महाराज, अगर आप अनुमति दें तो मैं किसी देवता या ब्राह्मण का मंत्रबल से आह्वान कर सकती हूं। इससे तुरंत पुत्र लाभ होगा। पांडु ने इसकी सहर्ष अनुमति दी। फिर इसके जरिए कुंती ने युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन जैसे पुत्र हासिल किए। जब उन्होंने ये तरीका पांडु के कहने पर दूसरी पत्नी माद्री को बताया तो उन्हें नकुल और सहदेव की प्राप्ति हुई।

मृत व्यक्ति के स्पर्म से क्या हो सकता है

एक अध्ययन के दौरान मिले साक्ष्यों को आधार मानते हुए वैज्ञानिकों की एक टीम ने यह दावा किया कि 'इंसान की मौत के 48 घंटे बाद तक उसके शुक्राणु (स्पर्म) गर्भधारण के लिए इस्तेमाल किये जा सकते हैं और उससे स्वस्थ बच्चे पैदा हो सकते हैं'।

यह अध्ययन 'जर्नल ऑफ़ मेडिकल एथिक्स' में प्रकाशित हुआ है जिसमें दावा किया गया है कि 'इंसान की मौत के बाद उसके शुक्राणुओं को स्पर्म बैंक में जमा भी किया जा सकता है'। वैज्ञानिकों का कहना है कि मौत होने के 48 घंटे के भीतर दो तरीक़ों से शव के शुक्राणु निकाले जा सकते हैं जिनमें सर्जरी की मदद से शव के शुक्राणु निकालना शामिल है। बाद में इसे फ्रिज में प्रिज़र्व करके रखा जा सकता है। यानि साइंस भी मानती है कि महाभारत की जिन बातों को चमत्कार माना गया, उसमें से कई घटनाएं वाकई हो सकती हैं। उन पर हैरान नहीं होना चाहिए।

कहा जाता है कि उन्होंने अपना अधिकांश धन ब्राह्मणों को दान कर दिया था। उनका विवाह भद्रा से हुआ था, जिससे वह बहुत प्यार करते थे। रानी भद्रा को उस समय भारत की सबसे सुंदर स्त्री माना जाता था। उनके कोई संतान नहीं थी। क्षय रोग जिसे तब यक्ष्मा रोग कहा जाता था, उससे उनकी उसकी मृत्यु हो गई। भद्रा दुःख से ग्रस्त हो गई। उन्होंने अपने पति के साथ मरने का इरादा किया।

आकाशीय आवाज ने कहा था संसर्ग के लिए

तब आकाशीय आवाज ने उन्हें ऐसा करने से रोका और पखवाड़े के आठवें और चौदहवें दिन राजा के शरीर के साथ लेटने का संकेत दिया। उन्होंने वैसा ही किया, जैसा उनसे करने को कहा गया था। उस संभोग से भद्रा ने सात पुत्रों को जन्म दिया। **(समाप्त)**

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 15 मई - 2026

संकट में संतुलन जरूरी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक अस्थिरता का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर भी साफ दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, डॉलर की मजबूती और सोने-चांदी जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली धातुओं की बढ़ती मांग ने चिंता बढ़ा दी है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने सोने और चांदी के आयात शुल्क में भारी वृद्धि का फैसला लिया है। यह कदम केवल राजस्व बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि विदेशी मुद्रा बचाने और गैर-जरूरी आयात को नियंत्रित करने की रणनीति का हिस्सा है। हालांकि यह निर्णय आर्थिक दृष्टि से जरूरी माना जा सकता है, लेकिन इससे यह भी स्पष्ट हो गया है कि आने वाले समय में सरकार "किफायत" यानी संयम और संसाधनों के सीमित उपयोग की नीति पर जोर देने वाली है। सवाल है कि क्या केवल आयात शुल्क बढ़ाने से समस्या का समाधान हो जाएगा? जवाब साफ है नहीं। असली चुनौती संतुलन बनाने की है, ताकि आर्थिक स्थिरता भी बनी रहे और आम जनता पर अतिरिक्त बोझ भी न पड़े। भारत जैसे देश में सोना केवल निवेश का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा भी है। शादी-ब्याह से लेकर त्योहारों तक, इसकी मांग हमेशा बनी रहती है। ऐसे में शुल्क बढ़ने से कीमतें और ऊपर जाएंगी, जिसका सीधा असर मध्यम वर्ग और ग्रामीण परिवारों पर पड़ेगा। चांदी के बाजार में भी तेजी के संकेत मिल रहे हैं। यानी आने वाले समय में आम लोगों की जेब पर दबाव और बढ़ सकता है। लेकिन सरकार के सामने मजबूरी भी कम नहीं है। वैश्विक संकट के दौर में विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखना और अनावश्यक आयात को कम करना हर देश की प्राथमिकता बन जाता है। भारत पहले भी आर्थिक संकटों से गुजर चुका है और उसने कठिन फैसलों के जरिए परिस्थितियों को संभाला है। परंतु इतिहास यह भी सिखाता है कि केवल कठोर फैसले ही पर्याप्त नहीं होते, उनके मानवीय प्रभावों को समझना भी उतना ही आवश्यक है। कोरोना काल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। अचानक लागू हुए लॉकडाउन ने करोड़ों लोगों की जिंदगी को हिला दिया था। मजदूर पैदल घर लौटे, छोटे कारोबार बंद हुए और गरीब वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। इसलिए आज जब संयम और किफायत की बात हो रही है, तब यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि कहीं आम नागरिक फिर किसी नए आर्थिक दबाव के शिकार न बन जाएं। सरकार को चाहिए कि वह बचत और संसाधन प्रबंधन का अभियान चलाए, लेकिन इसे जनता पर डर या बोझ की तरह न थोपा जाए। बिजली, ईंधन और गैर-जरूरी खर्चों में कटौती जैसे कदम जरूरी हो सकते हैं, परंतु जरूरी सेवाओं और आम जीवन की आवश्यकताओं पर असर नहीं पड़ना चाहिए। रसोई गैस, खाद्य सामग्री और रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतों को नियंत्रण में रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही समाज की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। संकट के समय जमाखोरी, कालाबाजारी और अवसरवाद सबसे खतरनाक प्रवृत्तियां बन जाती हैं। यदि व्यापारी वर्ग केवल मुनाफे को प्राथमिकता देगा, तो महंगाई और बढ़ेगी तथा आम आदमी की मुश्किलें दोगुनी हो जाएंगी। ऐसे समय में लाभ से पहले जिम्मेदारी की भावना जरूरी है। भारत ने हमेशा कठिन परिस्थितियों में धैर्य और सामूहिक शक्ति का परिचय दिया है। आज भी जरूरत घबराने की नहीं, बल्कि समझदारी से आगे बढ़ने की है। किफायत का मतलब केवल खर्च कम करना नहीं, बल्कि संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना है। सरकार, बाजार और समाज तीनों यदि संतुलित भूमिका निभाएं, तो यह संकट भी अवसर में बदल सकता है।

पेपर लीक से छात्रों के साथ ही देश का नुकसान

अशोक भाटिया

पेपर लीक के कारण मेडिकल डिग्री प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) परीक्षा रद्द होने के बाद ईमानदार छात्रों के मन में निराशा, गुस्सा, हताशा, हताशा, हताशा और हताशा महसूस की गई। माता-पिता ने इस अवसर पर निजी ट्यूशन कक्षाओं के लिए फीस का भुगतान किया। 3 मई को, एनईईटी देने के बाद, छात्रों ने एक गहरी सांस ली और भविष्य के बारे में सपने देखने लगे, यात्राओं की योजना बनाने लगे। 10 दिन से भी कम समय के बाद, परीक्षा आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग कंडक्टिंग एजेंसी (एनटीए) का कहना है कि परीक्षा रद्द कर दी गई क्योंकि परीक्षा से पहले अधिकांश प्रश्न टूट गए थे। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी लोगों की अब फिर से जांच की जाएगी।

डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा एनईईटी भी 'लीकतंत्र' का शिकार हो गई। 22 लाख 79 हजार छात्रों ने दिन-रात मेहनत करके परीक्षा दी। परीक्षा खत्म होने के बाद जो मानसिक दबाव कम हुआ था, वो फिर से बढ़ गया है। लीकतंत्र ने उनकी मेहनत, उनका समय और उनके सपनों पर चोट पहुंचाई है। ये पहली बार नहीं है, जब किसी बड़ी परीक्षा को लीकतंत्र ने अपना शिकार बनाया हो। पिछले 11 सालों में 100 से अधिक बार केंद्रीय और भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक और अनियमितताओं की भेंट चढ़ चुकी हैं। इस बार जिस एनईईटी परीक्षा का पेपर लीक हुआ है, उसकी जांच केंद्र सरकार ने सीबीआई को सौंप दी है। सीबीआई की जांच में आने वाले दिनों में कई बड़े खुलासे हो सकते हैं और यह भी साफ होगा कि इस पूरे खेल में कौन-कौन शामिल था।

लेकिन उससे पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर यह 'लीकतंत्र' काम कैसे करता है। कैसे लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही बाजार में पहुंच जाता है? कैसे एक संगठित नेटवर्क मेहनत पर पैसे को भारी बना देता है? जैसा कि हमने आपको बताया, लोकतंत्र की तरह 'लीकतंत्र' भी चार अलग-अलग स्तंभों पर खड़ा दिखाई देता है। पहला स्तंभ वह एजेंसी है, जो एनईईटी जैसी परीक्षाएं आयोजित करवाती है। दूसरा स्तंभ खुफिया तंत्र है, जिसकी जिम्मेदारी संभावित लीक या संदिग्ध गतिविधि का समय रहते पता लगाना होती है।लीकतंत्र का तीसरा स्तंभ पेपर माफिया हैं, जो किसी भी तरह परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र हासिल करने की कोशिश करते हैं। लीकतंत्र का चौथा स्तंभ वे खरीदार हैं, जो लाखों रुपये में पेपर खरीदकर ईमानदार छात्रों के हक पर डाका डाल देते हैं। हम आपको लीकतंत्र के इन चारों स्तम्भों के बारे में एक-एक कर विस्तार से बताएंगे। लेकिन उससे पहले हम आपको बताते हैं कि इस बार लीकतंत्र ने किस तरह सिस्टम को हैक करके ईमानदार बच्चों के सपनों में सेंधमारी कर दी। परीक्षा से करीब 42 घंटे पहले ही क्वेश्चन पेपर के कुछ सवाल 'लीकतंत्र' के हाथ लग चुके थे।लीकतंत्र ने लीक हुए सवालों में कुछ अन्य प्रश्न जोड़कर एक पूरा क्वेश्चन बैंक तैयार किया।छात्रों तक जो क्वेश्चन बैंक पहुंचाया गया, उसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल शामिल थे।इनमें से करीब 150 सवाल हूबहू एनईईटी यूजी 2026 के प्रश्नपत्र में पूछे गए।यानि 720 अंकों की परीक्षा में लगभग 600 नंबर के सवाल पहले से ही लीकतंत्र के बनाए क्वेश्चन बैंक में मौजूद थे।

गेस पेपर से परीक्षा में कुछ सवाल हूबहू आने की संभावना रहती है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न आने की संभावना बिल्कुल नहीं रहती। इसीलिए जब जांच पड़ताल हुई तो एक-एक कर इसके खुलासे होने लगे। पता चला कि सबसे पहले महाराष्ट्र में पेपर लीक हुआ था। सूत्र बताते हैं कि महाराष्ट्र के नासिक से गुरुग्राम तक एक डॉक्टर के पास पेपर पहुंचा। गुरुग्राम से जयपुर और जयपुर से सीकर और झुंझुनूं पेपर भेजा गया।वहीं से बिहार, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, केरल तक पहुंचा। व्हाट्सऐप पर 'प्राइवेट माफिया' नाम से एक ग्रुप भी बनाया गया था। इस ग्रुप में करीब 400 सदस्य जुड़े हुए थे। आरोप है कि इस ग्रुप का इस्तेमाल विशेष रूप से लीक किए गए 'गेस पेपर' और सवालों को सर्कुलेट करने के लिए किया गया। टेलीग्राम पर भी एक चैनल बनाया गया था, जिसमें एनईईटी का असली पेपर होने का दावा किया जा रहा था। 1 मई से ही व्हाट्सऐप और टेलीग्राम पर प्रश्नपत्र की पीडीएफ फाइलें तेजी से शेयर की जा रही थीं। जांच एजेंसियों ने व्हाट्सऐप चैट और टेलीग्राम रिकॉर्ड्स को अहम सबूत के तौर पर जुटाया है। इन डिजिटल रिकॉर्ड्स से यह पता चला है कि पेपर लीक का नेटवर्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए कितनी तेजी से फैलाया गया।

एक तरफ जांच एजेंसियां सबूत इकट्ठा कर रही हैं, तो दूसरी तरफ इस पूरे नेटवर्क से जुड़े लोगों पर शिकंजा भी कसना शुरू हो गया है। राजस्थान के अलग-अलग शहरों से कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। जयपुर में मनीष नाम के शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिस पर पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े होने का शक है। डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि 'मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के साथ अन्याय, देश के भविष्य के साथ अन्याय होता है'। और ये अन्याय देश के करीब 23 लाख छात्रों के साथ हुआ है। और ये कोई पहली बार नहीं हुआ है। 2024 में भी एनईईटी परीक्षा पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों से घिर गई थी। बिहार और झारखंड में मामले की जांच हुई, जिसमें पेपर लीक के सबूत मिले थे और कई गिरफ्तारियां भी हुई थीं। हालांकि उस समय तो सुप्रीम कोर्ट ने पूरी परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया था। लेकिन कुछ परीक्षा केंद्रों पर 1539 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा कराई गई थी। इसके अलावा 2018, 2021 और 2022 में भी एनईईटी परीक्षा में अनियमितताओं और गड़बड़ियों के आरोप लगे थे। इन मामलों की जांच अब तक सीबीआई कर रही है।

और यह समस्या सिर्फ एनईईटी तक सीमित नहीं रही। जब मेडिकल कॉलेजों में दाखिला एनईईटी के जरिए नहीं होता था, तब भी पेपर लीक का खेल जारी था। 2011 में देश के सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल एम्स की एंट्रेंस परीक्षा में पेपर लीक हुआ था। जांच हुई लेकिन कार्रवाई के नाम पर रस्म अदायगी हुई थी। एक बार फिर वही हुआ है। प्रश्नपत्र फिर लीक हुआ है। लेकिन इस बार मामला पहले से कहीं ज्यादा बड़ा है, क्योंकि पहली बार पूरी एनईईटी परीक्षा ही रद्द कर दी गई है। देशभर में छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। कहीं विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, तो कहीं छात्र और अभिभावक अपनी मेहनत बर्बाद होने पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। हम आपको सुनाते हैं सड़क पर उतरे छात्र क्या कह रहे हैं। अब पुनः परीक्षा की घोषणा करने में कम से कम एक सप्ताह का समय लगेगा और फिर पुनः परीक्षा की घोषणा होने से पहले कुछ और दिन लगेंगे, और तब तक छात्रों को फिर से तैयारी करनी होगी।

परिवारों पर मंडराता संवेदनात्मक संकट

योगेश कुमार गोयल

प्रत्येक वर्ष 15 मई को विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस समाज की सबसे छोटी और सबसे महत्वपूर्ण इकाई (परिवार) के अस्तित्व, उसकी चुनौतियों और उसकी अपरिहार्यता पर आत्ममंथन करने का अवसर है। वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित यह दिन आज के दौर में और भी प्रासंगिक हो गया है। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस का मुख्य विषय 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण' रखा गया है। यह विषय सीधे तौर पर उन सामाजिक और आर्थिक विषमताओं पर प्रहार करता है, जो आज के वैश्विक परिदृश्य में परिवारों की संरचना और बच्चों के भविष्य को प्रभावित कर रही हैं। भारतीय संदर्भ में, जहां परिवार को केवल एक संस्था नहीं बल्कि 'संस्कारों की पाठशाला' माना जाता है, वहां इस वर्ष की थीम एक गंभीर विमर्श की मांग करती है।

भारतीय सभ्यता में परिवार का आधार प्रेम, त्याग और सह-अस्तित्व रहा है। पश्चिमी देशों में जहां परिवार अक्सर एक संविदा की तरह देखा जाता है, वहीं भारत में यह एक आध्यात्मिक बंधन है। हमारे यहां 'मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः' के आदर्शों ने नई पीढ़ी को अपने बड़ों के प्रति कृतज्ञ होना सिखाया। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता 'संयुक्त परिवार' रही है।

एक ही छत के नीचे तीन-चार पीढ़ियों का साथ रहना बच्चों के लिए सुरक्षा कवच और बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक आश्रय सुनिश्चित करता था। यहां 'मैं' की जगह 'हम' की प्रधानता थी। इस व्यवस्था में 'वसुधैव कुटुंबकम' (संपूर्ण पृथ्वी ही परिवार है) का भाव निहित था, जहां व्यक्ति अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर सामूहिक कल्याण के बारे में सोचता था।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण' का विषय अत्यंत सामयिक है। आज दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आर्थिक और डिजिटल विभाजन ने परिवारों के बीच एक गहरी खाई पैदा कर दी है। जब एक परिवार आर्थिक रूप से असुरक्षित होता है तो उसका सबसे पहला और सीधा प्रभाव बच्चों के पोषण और शिक्षा पर पड़ता है। आय की अस्थिरता परिवारों को तनाव में डालती है, जिससे घर का वातावरण कलहपूर्ण हो जाता है। 2026 का आयोजन इसी बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे अपर्याप्त सहायता प्रणालियां गरीब परिवारों को वंचितता के चक्र में धकेल देती हैं। जहां तक बाल कल्याण और भविष्य की संभावनाओं की बात है तो बाल कल्याण केवल भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं है। इसमें बच्चे का मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास शामिल है। असमानताओं के कारण कुछ बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल पाती हैं जबकि एक बड़ा वर्ग इससे वंचित रह जाता है। यह 'अवसरों की असमानता' आने वाली पीढ़ियों की उत्पादकता और सामाजिक गतिशीलता को अवरुद्ध कर देती है।

आधुनिक युग में सूचना और तकनीक तक पहुंच भी एक बड़ी असमानता है। जिन परिवारों के पास डिजिटल संसाधन नहीं हैं, वहां के बच्चे वैश्विक दौड़ में पीछे छूट रहे हैं।

आज हम एक ऐसे संक्रमण काल में हैं, जहां तकनीक ने दूरियों को तो कम किया है लेकिन दिलों के बीच की दूरियां बढ़ा दी हैं। शहरीकरण और भौतिकवाद की अंधी दौड़ ने भारतीय परिवार की पारंपरिक संरचना को हिलाकर रख दिया है। पहले भोजन की मेज पर दिनभर की बातें साझा होती थी लेकिन आज वहां मोबाइल फोन की स्क्रीन चमकती है। तकनीक ने सुविधा तो दी मगर संवेदनाएं छीन ली। लोग एक ही कमरे में रहकर भी अलग-अलग आभासी दुनिया में खोए रहते हैं। बुजुर्ग भी, जो कभी परिवार की धुरी होते थे, आज हाशिए पर हैं। आधुनिक पीढ़ी अपनी निजता और स्वतंत्रता के नाम पर बड़ों के अनुभव और मार्गदर्शन को बोझ समझने लगी है।

भारत में वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या एक चिंताजनक सामाजिक संकेत है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि देश में वरिष्ठ नागरिक गृहों की मांग और संख्या दोनों बढ़ रही है। जिस संस्कृति में श्रवण कुमार जैसे उदाहरण दिए जाते थे, वहां आज बुजुर्ग अकेलेपन और भावनात्मक उपेक्षा का शिकार हैं। संतानों द्वारा आर्थिक मदद तो भेज दी जाती है लेकिन बुजुर्गों को जिसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है] 'समय और अपनापन', वह उन्हें नहीं मिल पाता।

यह स्थिति न केवल बुजुर्गों के लिए मानसिक अवसाद पैदा करती है बल्कि नई पीढ़ी को भी उन संस्कारों से वंचित कर देती है, जो केवल बड़ों के सान्निध्य में सीखे जा सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस 2026 इस बात पर जोर देता है कि सरकारों को परिवार-केंद्रित नीतियां बनानी चाहिए। सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के तहत परिवारों को गरीबी से बचाने के लिए बाल और परिवार लाभ, किफायती शिशु देखभाल और माता-पिता के लिए वैतनिक अवकाश जैसी नीतियां अनिवार्य हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और आय सुरक्षा को मिलाकर एक ऐसा ढ़ांचा तैयार करने की आवश्यकता है, जिससे असमानता के प्रभाव को कम किया जा सके। कॉरपोरेट जगत और सरकारों को ऐसी कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए, जहां कर्मचारी अपने परिवार को पर्याप्त समय दे सकें।

यदि हमें एक स्वस्थ और स्थिर समाज का निर्माण करना है तो हमें अपनी पारिवारिक जड़ों की ओर लौटना होगा। परिवार समाज की मूल इकाई है और यदि नींव कमजोर होगी तो राष्ट्र की इमारत सुरक्षित नहीं रह सकती। शिक्षा का उद्देश्य केवल आर्थिक सफलता नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं का विकास भी होना चाहिए। बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि सफलता का असली पैमाना रिश्तों की मजबूती है। परिवारों को 'डिजिटल डिटॉक्स' अपनाने की जरूरत है। दिन का कुछ समय केवल परिवार के सदस्यों के साथ बिना किसी उपकरण के बिताना चाहिए। परिवार के निर्णयों में बुजुर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उनके अनुभव हमारे जीवन के कठिन मोड़ों पर रोशनी दिखाने का काम करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस हमें स्मरण कराता है कि भले ही दुनिया बदल रही हो, तकनीक उन्नत हो रही हो लेकिन एक मनुष्य के लिए परिवार की आत्मीयता का कोई विकल्प नहीं है। 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण' का संदेश तभी सफल होगा, जब हम समाज में व्याप्त आर्थिक विषमताओं को कम करने के साथ-साथ अपने भीतर के प्रेम और करुणा को भी जगाएंगे। भारतीय संस्कृति का 'हम' का भाव और वैश्विक समाज की न्यायसंगत नीतियां मिलकर ही एक ऐसी दुनिया बना सकती हैं, जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, हर बुजुर्ग सम्मानित हो और हर परिवार समृद्ध हो। इस दिवस पर यह संकल्प लेना आवश्यक है कि हम अपने परिवार की गरिमा को बनाए रखेंगे और रिश्तों की इस अनमोल धरोहर को अगली पीढ़ी के लिए सहेजकर रखेंगे। भारतीय संस्कृति में परिवार केवल एक साथ रहने का नाम नहीं है बल्कि एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी और समर्पण का नाम है।

आर्थिक शक्ति बढ़ रही है, पर बौद्धिक शक्ति सीमाएं लांघ रही हैं

आरके जैन

जब दुनिया की अर्थव्यवस्था अदृश्य संबंधों से नई दिशा गढ़ती है, तब भारत वह धुरी बनकर उभरता है जहाँ प्रवासन केवल स्थानांतरण नहीं, बल्कि वैश्विक प्रभाव की प्रक्रिया बन जाता है-यही चित्र विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026 प्रस्तुत करती है। 2024 में 138 अरब डॉलर (लगभग 11.5 लाख करोड़ रुपये) का रेमिटेंस सिर्फ आँकड़ा नहीं, बल्कि 19 मिलियन भारतीय प्रवासियों की प्रतिभा, परिश्रम और उनके योगदान का सशक्त प्रमाण है। यह पहली बार है जब किसी देश ने 100 अरब डॉलर की सीमा पार की है। अब गल्फ देशों से आगे बढ़कर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से आने वाले उच्च-कुशल भारतीय पेशेवरों का योगदान भारत की बदलती प्रवासन संरचना और उसकी तेजी से उभरती वैश्विक आर्थिक शक्ति को दर्शाता है।

आज का भारतीय प्रवासन अब श्रम-आधारित नहीं, बल्कि तेज़ी से उच्च-कुशल वैश्विक गतिशीलता में बदल चुका है। आईटी विशेषज्ञ, डॉक्टर, इंजीनियर, शोधकर्ता और छात्र बेहतर वेतन, उन्नत शोध अवसरों और उच्च जीवन स्तर के लिए विदेश जा रहे हैं। विश्व बैंक और विभिन्न अध्ययनों के अनुसार एच-1बी जैसी नीतियों ने भारतीय आईटी कौशल को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाया, लेकिन घरेलू प्रशिक्षण और रोजगार पर भी असर डाला है। आईआईटी जैसे संस्थानों के कई छात्र, खासकर टॉप रैंकर्स में एक तिहाई या अधिक विदेश जाते हैं, जिससे प्रतिभा का बड़ा हिस्सा बाहर चला जाता है, हालांकि कुछ मामलों में यह ब्रेन सर्कुलेशन का रूप भी लेता है।

रेमिटेंस आज भारतीय अर्थव्यवस्था की एक सशक्त वित्तीय धारा बन चुका है, जो परिवारों की आय को तुरंत सुदृढ़ कर शिक्षा, स्वास्थ्य और उपभोग व्यय को तेज़ी से बढ़ाता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा, स्थिरता और क्रय शक्ति का विस्तार होता है। आरबीआई के अनुसार पश्चिमी देशों से आने वाला उच्च-मूल्य रेमिटेंस अब गल्फ देशों की तुलना में अधिक प्रभावी भूमिका निभा रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होता है और घरेलू मांग को निरंतर बल मिलता है। लेकिन यह विकास का पूर्ण आधार नहीं है, क्योंकि उच्च-कुशल प्रतिभा के बाहर जाने से दीर्घकाल में नवाचार, अनुसंधान एवं उत्पादकता पर दबाव भी बढ़ सकता है।

यह प्रवासन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि गहरे सामाजिक बदलावों की परतें भी उकेरता है। 'गल्फ वाइव्स' और 'एनआरआई पैरेंट्स' जैसी नई पारिवारिक संरचनाएँ तेजी से आकार ले रही हैं, जहाँ परिवार का एक हिस्सा विदेश में और दूसरा देश में भावनात्मक दूरी के साथ जीवन जीने को मजबूर होता है। बुजुर्ग माता-पिता अकेलेपन और मानसिक तनाव से जूझते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। युवा पीढ़ी में विदेश-गमन की आकांक्षा एक मजबूत सामाजिक प्रवृत्ति बन चुकी है, जिससे घरेलू शिक्षा और करियर के मानक भी विदेशी मॉडल की ओर झुकते जा रहे हैं। साथ ही, महिलाओं पर पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ने से उनके जीवन में सामाजिक और भावनात्मक दबाव और अधिक गहरा हो जाता है।

ब्रेन ड्रेन और ब्रेन गेन का विमर्श आज वैश्विक विकास की सबसे निर्णायक बहसों में बदल चुका है। अनेक अध्ययनों से यह संकेत मिलता है कि विदेश जाने की संभावना घरेलू स्तर पर कौशल उन्नयन को भी गति देती है, जैसा कि फिलीपींस के नर्सिंग क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखा गया। भारत में भी यह प्रभाव आईटी सेक्टर में दिखाई देता है, जहाँ वैश्विक मांग ने प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा दोनों को नई ऊँचाई दी है। साथ ही ब्रेन गेन के रूप में रिवर्स माइग्रेशन भी बढ़ा है—2023-24 में लाखों प्रोफेशनल्स भारत लौटे, जिन्होंने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और स्टार्टअप्स को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। फिर भी स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में डॉक्टरों और प्रोफेसरों की कमी आज भी एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

जब देश के भीतर अवसर सीमित और संरचनात्मक बाधाएँ स्पष्ट होती हैं, तब युवाओं का रुझान विदेश की ओर बढ़ता है। सीमित रोजगार, अनुसंधान में अपर्याप्त फंडिंग, असंतुलित वर्क-लाइफ और जटिल नौकरशाही उन्हें बाहर जाने के लिए प्रेरित करती है। उद्योग विशेषज्ञ श्रीधर वेम्बू इसे केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय क्षमता और दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती को प्रभावित करने वाली प्रवृत्ति मानते हैं, जो रुपये की स्थिरता और तकनीकी आत्मनिर्भरता की गति को भी धीमा करती है। साथ ही, विदेश शिक्षा पर होने वाला भारी व्यय देश से पैसा बाहर जाने की मात्रा बढ़ाता है, जिससे भारत के वित्तीय संतुलन पर दबाव पड़ता है। नीति स्तर पर प्रतिभा को देश में बनाए रखना अब एक अनिवार्य और निर्णायक आवश्यकता बन चुका है। यदि भारत को अपने विदेशों में कार्यरत उच्च-कुशल भारतीयों के लाभ को संतुलित करना है, तो अनुसंधान एवं विकास में निवेश को बढ़ाकर इसे कम से कम जीडीपी के 0.64 प्रतिशत से ऊपर ले जाना होगा। इसके साथ कर प्रोत्साहन, स्टार्टअप इकोसिस्टम का विस्तार और गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजन को तेज़ करना आवश्यक है। शिक्षा प्रणाली को भी वैश्विक मानकों के अनुरूप मजबूत करना होगा, ताकि प्रतिभा को देश के भीतर ही अवसरों की व्यापक संभावनाएँ स्पष्ट रूप से दिखाई दें। केवल आर्थिक प्रोत्साहन ही नहीं, बल्कि प्रभावी और दूरगामी संस्थागत सुधार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

जनगणना कर्मी से कुछ छुपाने पर हो सकता है जेल और जुर्माना

अजय कुमार

2011 के बाद देश की आबादी में कितना इजाफा हुआ है, इसका पता लगाने के लिये जनगणना कर्मी 22 मई से लोगों के घर पहुंचना शुरू कर देंगे। आजादी के बाद यह आठवीं जनगणना है। इससे पहले 1951, 1961, 1971, 1981, 1991, 2001, 2011 में भी जनगणना का कार्य हो चुका है। 2021 में कोरोना महामारी के चलते जनगणना का काम नहीं हो पाया था, जो अब 2026 में सम्पन्न होने जा रहा है। जनगणना के लिये सरकार को काफी व्यय और व्यवस्था करनी पड़ती है। इसलिये आम हिन्दुस्तानी भी बाध्य है कि वह जनगणना कर्मी को सही तथ्य और जानकारी प्रदान करें। यदि जनगणना के दौरान कोई पुरुष/महिला किसी तथ्य को जानबूझकर छिपाता/छिपाती है, तो इसका अंजाम सही नहीं होगा। ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाया जा सकता है और जेल भी भेजा जा सकता है। मतलब जनगणना कर्मी से कुछ भी छिपाना अब हल्की बात नहीं मानी जाएगी। जनगणना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर गलत जानकारी देता है, कोई तथ्य छिपाता है या जनगणना से जुड़े दायित्व का पालन नहीं करता, तो उस पर दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है। अधिनियम की धारा 11 के तहत ऐसे मामलों में एक हजार रुपये तक का जुर्माना और तीन साल तक की सजा का प्रावधान है। यही नहीं, यह प्रावधान केवल उत्तरदाता पर ही नहीं, बल्कि प्रगणक पर भी समान रूप से लागू होता है। यदि प्रगणक अपने काम के दौरान मिली जानकारी को बाहर किसी से साझा करता है, तो आरोप साबित होने की स्थिति में उस पर भी कार्रवाई हो सकती है। जनगणना से जुड़ी इस कानूनी व्यवस्था को लेकर इन दिनों प्रगणक और पर्यवेक्षक भी खासे सतर्क हो गए हैं। स्वगणना के दौरान कुछ लोगों द्वारा जानकारी छिपाने या अधूरी जानकारी देने की चर्चाओं ने जनगणना से जुड़े अमले को और अधिक सावधान कर दिया है। अधिकारियों का मानना है कि जनगणना केवल औपचारिक आंकड़ा जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसके आधार पर सरकारें योजनाएं बनाती हैं, संसाधन तय करती हैं और सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन करती हैं। ऐसे में अगर किसी स्तर पर जानकारी गलत दर्ज होती है या जानबूझकर छिपाई जाती है, तो उसका असर पूरी व्यवस्था पर पड़ सकता है। प्रगणकों को निर्देश दिया जा रहा है कि वे घर-घर जाकर दर्ज की जाने वाली सूचनाओं को पूरी गंभीरता से सत्यापित करें। खासकर हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में किसी भी तरह की अनियमितता मिलने पर जिम्मेदारी सीधे प्रगणक पर आ सकती है। प्रशासनिक स्तर पर यह माना जा रहा है कि यदि किसी ब्लॉक में परिवारों की संख्या, लोगों की संख्या या अन्य बुनियादी विवरण असामान्य रूप से कम पाए जाते हैं, तो यह संदेह का कारण बन सकता है। ऐसी स्थिति में पुनरीक्षण कराया जा सकता है, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। जनगणना का सबसे बड़ा आधार विश्वास है। सरकार को सही आंकड़े चाहिए और नागरिकों को यह भरोसा होना चाहिए कि दी गई जानकारी सुरक्षित रहेगी। यही कारण है कि जनगणना से जुड़े कर्मचारियों को गोपनीयता के नियमों का कड़ाई से पालन करना होता है। जनगणना में एकत्र की गई सूचनाएं व्यक्तिगत स्तर पर संवेदनशील मानी जाती हैं। किसी भी प्रगणक द्वारा इन तथ्यों को बाहर साझा करना कानून के दायरे में गंभीर लापरवाही माना जाता है। यदि यह साबित हो जाता है कि किसी कर्मचारी ने जानकारी लीक की, तो उसके खिलाफ दंडात्मक प्रावधान लागू हो सकते हैं।

चैरिटी बिगिन्स फ्रॉम होम : अपील नहीं, एक्शन

अनिकेत सिंह

प्रधानमंत्री ने बेफिक्र होकर जी रही जनता को देश के प्रति जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए शांत पानी में पत्थर फेंका है। 'चैरिटी बिगिन्स फ्रॉम होम' कहावत को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने अपने कार काफिले को छोटा कर दिया है। उसी तरह गुजरात के मुख्यमंत्री भी अब केवल दो कारों के साथ बाहर जाने लगे हैं। भाजपा शासित राज्यों में पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए कुछ अनिवार्य आत्म-अनुशासन लागू किए जा रहे हैं। यदि इनका सख्ती से पालन होगा तो सरकार की प्रशंसा होगी। जनता को सलाह देने के बजाय लोग इस बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि सरकार अपने प्रशासनिक खर्चों में कटौती की घोषणा करे। केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिति तेल की बढ़ती कीमतों के कारण फिसल रही है। सड़क पर गिरे तेल से दोपहिया वाहन फिसल न जाएं, इसके लिए उस पर मिट्टी या रेत डाली जाती है, जो तेल को सोख लेती है। लेकिन आर्थिक व्यवस्था के फिसलने से बचाने के लिए कोई रेत या मिट्टी नहीं होती। उसे संकट से निकालने के लिए 'डायवर्जन' देना पड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पेट्रोल-डीजल के उपयोग को कम करने की बात करके ऐसा ही एक डायवर्जन देने का प्रयास किया है।सरकार अपनी प्रशंसा के लिए बारबार जो भारी खर्च करती रहती है, उस पर पूर्ण विराम लगना चाहिए। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदने वालों को अधिक सब्सिडी दी जानी चाहिए या घर और कार्यालय में सोलर पैनल लगाने वालों को अधिक राहत मिलनी चाहिए। सरकार ने जिम्मेदारी जनता के सिर पर डालकर मामले को और गंभीर बना दिया है। सरकारी कार्यक्रमों और भोजों में होने वाले खर्च को कम करके भी करोड़ों रुपए बचाए जा सकते हैं। भारत ने तीन मुद्दों पर पहल की है, जिसकी आसान समझ यहां दी गई हैः 1- आर्थिक देशभक्ति (इकोनामिक पैट्रियोटिज्म) स्वेच्छा से पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करके रेलवे, एसटी बस जैसी सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का उपयोग करना। इस मुद्दे पर व्यक्तिगत स्तर पर जागरूकता जरूरी है। 2- आयात बिल जनता को आयात बिल पर भी नजर रखनी चाहिए, क्योंकि हम जो उपभोग करते हैं, वह विदेशों से मंगाया जाता है। जब 85 प्रतिशत तेल बाहर से मंगाया जाता हो तो आयात बिल में वृद्धि होना स्वाभाविक है।

3- फारेक्स रिजर्व देश के पास मौजूद डालर के भंडार को 'फारेक्स रिजर्व' कहा जाता है। भारत जो तेल खरीदता है, उसका भुगतान डालर में करना पड़ता है, इसलिए इस भंडार को सुरक्षित रखना जरूरी है।

तारा के जीवन में फिर प्यार का सितारा चमका

तारा और वीर का रिश्ता पिछले दिनों काफी चर्चा में रहा। सूत्रों के अनुसार जनवरी की शुरुआत में दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसकी सबसे बड़ी वजह सिंगर ए. पी. ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट को माना गया, जहां सिंगर ने स्टेज पर तारा को किस किया था।

'तारा सुतारिया एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में है। कुछ समय पहले उसका नाम वीर पहाड़िया के साथ जोड़ा जा रहा था, लेकिन खबरें आईं कि दोनों का ब्रेकअप हो गया ।

अब सूत्रों के अनुसार तारा की जिंदगी में एक बार फिर प्यार ने दस्तक दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, तारा इन दिनों आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच नजदीकियां किसी प्रोजैक्ट के दौरान बढ़ीं और धीरे-धीरे यह रिश्ता खास बनता चला गया। दोनों के करीबी सूत्रों का कहना है कि दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ रही हैं और वे एक-दूसरे की कंपनी काफी पसंद कर रहे हैं।

हालांकि, दोनों सितारों ने अभी तक अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन साथ में दिखने और इंडस्ट्री में चल रही चर्चाओं ने इन अफवाहों को और तेज कर दिया है ।

वीर से ब्रेकअप का खुलासा !

तारा और वीर पहाड़िया का रिश्ता पिछले दिनों काफी चर्चा में रहा। सूत्रों के अनुसार जनवरी की शुरुआत दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसकी सबसे बड़ी वजह ए. पी. ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट को माना गया, जहां सिंगर ने स्टेज पर तारा को किस किया था। इसके बाद ही रिश्ते में तनाव की खबरें सामने आने लगी थीं ।

वहीं अब कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों का रिश्ता टूटने की वजह कुछ और भी थी। दरअसल, बताया जा रहा है कि कथित तौर पर तारा रिश्ते में काफी कंट्रोलिंग थी और वह वीर की लाइफस्टाइल, दोस्तों व निजी चीजों में बदलाव चाहती थी।

एक रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि वीर के कई अच्छे दोस्त हैं- ऐसे दोस्त जो सच में उसकी परवाह करते हैं तो दूसरी तरफ, तारा को एक 'डॉमिनेटिंग' शख्स कहा जाता है। सूत्रों ने बताया कि ये दोनों अपने रिश्ते के छोटे से समय में साथ में अच्छे थे लेकिन यह बिना शर्तों वाला रिश्ता नहीं था ।

बताया जा रहा है कि तारा शुरुआत से वीर में और आस-पास सब कुछ बदलना चाहती थी । वह चाहती थी कि उसकी चीजें बदल दी जाएं। यहां तक कि वीर की 'कॉल-लिस्ट' से लोगों को एडिट करके निकाल दिया जाए । यह भी कहा जा रहा है कि तारा चाहती थी कि वीर अपना घर एक खास तरीके से सजाए। साथ ही खुद को वैसा ढाले जैसा उसने सोचा था ।

सूत्र के अनुसार वी र बदलाव के लिए तैयार भी था। भले ही उसके दोस्तों ने उसे ऐसा करने से बार-बार मना किया हो और उसे समझाया था कि जैसे हो तुम वैसे ही रहो। हालांकि, ए. पी. ढिल्लों के कॉन्सर्ट के बाद चीजें बहुत खराब हो गईं। वैसे अपने ब्रेकअप को दोनों में से किसी ने कंफर्म नहीं किया। अब भी दोनों के सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ तस्वीरें हैं। अब सच क्या है यह तो आने वाले वक्त में ही पता चल सकता है।

वैसे तारा वीर से पहले अभिनेता आदर जैन के साथ भी रिलेशनशिप में थी लेकिन दोनों का ब्रेकअप हो गया था। उसके बाद आदर ने अलेखा आडवाणी के साथ शादी कर ली थी ।

तारा का करियर

तारा सुतारिया ने 'बिग बड़ा बूम' तथा 'द सूइट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' जैसे टी. वी. शोज से 15 साल की उम्र में ही अभिनय करियर शुरू कर दिया था। जवान होने पर उसने फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के साथ बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इसके बाद से अब तक वह 'मरजावां', 'एक विलेन रिटर्न्स', 'हीरोपंती 2', 'अपूर्वा', 'तड़प' जैसी कई फिल्में कर चुकी है। अब जल्द ही वह पैन इंडिया फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएगी।

वही करो जो मन को भाए : रिद्धिमा कपूर

बॉलीवुड के कपूर परिवार में वैसे एक से एक दिग्गज कलाकार रह चुके हैं। इनमें पृथ्वीराज कपूर से लेकर करीना कपूर और रणबीर कपूर के नाम शामिल हैं और कपूर परिवार ने बॉलीवुड को एक से एक बड़ी फिल्में दी हैं ।कपूर परिवार अपने संस्कारों और फिल्मों में किए गए शानदार अभिनय को लेकर जाना जाता है।

अब फिल्म 'दादी की शादी' से नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर ने भी बॉलीवुड में डेब्यू कर लिया है। इस फिल्म में उसकी मां नीतू ने ही लीड रोल किया है।

अपनी पहली फिल्म को लेकर रिद्धिमा ने कहा, "मैं दर्शकों को धन्यवाद देना चाहती हूं । फिल्म की कहानी बहुत ही सुंदर है। यह दिल से बनाई है। मुझे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है।

फिल्म 'दादी की शादी' की कहानी

सुनने के बाद मुझे महसूस हुआ कि मुझे इसे करना ही चाहिए। जब मुझसे पूछा गया कि आप फिल्म में मम्मी की बेटी बनना चाहोगी तो पहले मैं थोड़ा-सा हिचकिचाई, फिर मुझे मम्मी ने कॉल किया कि पहले अपने पति और ससुराल में पूछ लो । फिर मुझे लगा कि इस फिल्म कर लेना चाहिए।

'मुझ पर भी फिल्मों में आने का कभी दबाव नहीं था। मुझे हमेशा से बोला गया है कि आपके मन आ वही करो। मैं 16- 17 साल की उम्र में पढ़ने के लिए लंदन चली गई थी। वापस आने के बाद मेरी शादी हो गई, फिर मेरी बच्ची हो गई और मैं घर- परिवार में व्यस्त हो गई। मुझे कभी ध्यान में ही नहीं आया कि मैं फिल्में भी कर सकती हूं। 'अब जब मौका मिला तो फिल्म कर ली । मुझे लगता है कि आप जो भी करना चाहती हो, किसी भी उम्र में करना चाहती हो तो करना चाहिए। मुझे किसी सीन में दिक्कत होती थी तो मम्मी मदद करती थीं।

शाहरुख खान की 'किंग' से लीक हुआ अभिषेक बच्चन का धांसू लुक, फिल्म में निभाएंगे दमदार भूमिका

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की मच अवेटेड फिल्म 'किंग' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। फिल्म से शाहरुख खान का लुक पिछले साल मेकर्स ने जारी किया था। इसके बाद बीते दिनों शूटिंग के दौरान के फोटो-वीडियो सामने आए थे, जहां शाहरुख के साथ दीपिका नजर आई थीं। अब फिल्म से अभिषेक बच्चन का लुक ऑनलाइन लीक हो गया है। अब ये लुक सोशल मीडिया पर वायरल है।

'किंग' में ऐसा होगा अभिषेक बच्चन का लुक

फिल्म को लेकर सामने आई रहीं चर्चाओं के मुताबिक, अभिषेक 'किंग' में विलेन के रूप में नजर आएंगे। ऑनलाइन लीक हुए लुक में भी उनका खतरनाक अंदाज देखने को मिल रहा है। वायरल हो रही फोटो में अभिषेक बच्चन एक गाड़ी के ऊपर खड़े नजर आ रहे हैं। उनके हाथों में शॉटगन है। छोटे बाल वाले लुक में अभिषेक काला चश्मा लगाए नजर आ रहे हैं। वायरल फोटो में अभिषेक ब्लैक आउटफिट पर ग्रे कलर का ओवरकोट पहने हुए हैं। फोटो में उनके बैकग्राउंड में पहाड़ी चोटी नजर आ रही है।

फिल्म से शाहरुख और दीपिका के फोटो-वीडियो भी हो चुके हैं लीक

इससे पहले 'किंग' से शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की भी साउथ अफ्रीका में शूटिंग सेट से तस्वीरें वायरल हुई थीं। ये तस्वीरें किसी गाने की शूटिंग की मालूम पड़ती हैं। इसके बाद निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने लोगों से अपील की थी कि तस्वीरों को शेयर न करें।

वहीं वायरल हुए शूटिंग के एक वीडियो में शाहरुख और दीपिका दक्षिण अफ्रीका में सनसेट के समय बीच पर शूटिंग करते नजर आए थे। क्लिप में दीपिका सफेद ड्रेस में थीं, जबकि शाहरुख धारीदार शर्ट और काले ट्राउजर में नजर आए थे।

उसी शेड्यूल के कुछ और सीन में उन्हें एक गाने की शूटिंग के दौरान हाथ में हाथ डाले चलते हुए देखा गया।

उन तस्वीरों में दीपिका फ्लोरल प्रिंट गाउन में थीं, जबकि शाहरुख बिना बटन वाली प्रिंटेड शर्ट में सफेद-काले बालों के साथ दिखाई दिए। एक अन्य बिहाइंड-द-सीन क्लिप में शाहरुख सीढ़ियों पर रुकते हुए, पीछे मुड़कर दीपिका को हाथ बढ़ाते हुए दिखाई दिए।

24 दिसंबर को रिलीज होगी 'किंग'

सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित 'किंग' में शाहरुख खान प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें शाहरुख की बेटी सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत, जैकी श्रॉफ, राघव जुयाल और अभय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह एक्शन फिल्म इसी साल 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैंने कभी खुद को खास नहीं समझा: चित्रांगदा सिंह

जोधपुर में जन्मी और बरेली व मेरठ में पली-बढ़ी चित्रांगदा सिंह इन दिनों चुनिंदा फिल्में करना ही पसंद कर रही है। फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी', 'ये साली जिंदगी', 'देसी ब्वॉयज' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली चित्रांगदा ने बतौर प्रोड्यूसर फिल्म 'सूरमा ' बनाई जो हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह की बायोपिक थी। वह लेखिका भी बन चुकी है। चित्रांगदा एक शॉर्ट फिल्म की पटकथा लिखी है। उसने वैब सीरीज 'खाकी : द बंगाल चैप्टर' से ओ.टी. टी. पर डेब्यू किया और गत वर्ष वह कॉमेडी फिल्म 'हाऊसफुल 5' में नजर आई थी।

हाल ही में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए उसने बताया कि स्कूल और कॉलेज में उसने कभी खुद को ' स्पैशल ' महसूस नहीं किया, लेकिन मॉडलिंग में आने के बाद लोगों की तारीफों ने उसका नजरिया बदल दिया। वहीं उसने राजनीति में आने के सवाल पर कहा कि यह बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन भविष्य में कुछ भी संभव हो सकता है।

'बड़े सितारों के लिए चीजें अलग'

दीपिका पादुकोण के 8 घंटे वर्क शिफ्ट वाले मुद्दे ने फिल्म इंडस्ट्री में काफी चर्चा बटोरी थी । रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका ने अपने काम के लिए तय 8 घंटे की शिफ्ट की मांग रखी थी, ता कि लंबे और अनिश्चित शूटिंग घंटों से बचा जा सके।

फि ल्म इंडस्ट्री में अक्सर 10-12 घंटे या उससे भी ज्यादा काम होता है, ऐसे में यह मांग एक बड़े बदलाव की तरह देखी गई। वहीं, चित्रांगदा ने अब इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। उसने अपनी प्रोफैशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर भी ढेरों खुलासे किए।

उसने कहा कि फिल्ममेकिंग एक क्रिएटिव प्रोसैस है, जहां कई बार लाइट, लोकेशन या टैक्निकल वजहों से शॉट समय पर नहीं हो पाता। ऐसे में सख्ती से 8 घंटे की सीमा लागू करना हर प्रोजैक्ट में संभव नहीं होता ।

हालांकि, उसने यह भी माना कि बड़े सितारों के लिए चीजें अलग होती हैं। अगर किसी फिल्म की शूटिंग किसी बड़े एक्टर पर निर्भर है, तो प्रोड्यूसर्स उनके हिसाब से शैड्यूल एडजस्ट कर लेते हैं लेकिन हर कलाकार के लिए यह सुविधा मिलना आसान नहीं है।

सबका ध्यान रखता है सलमान

चित्रांगदा जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म ' मातृभूमि' में नजर आने वाली है। सलमान के साथ काम को लेकर उसने कहा कि इंडस्ट्री में उसके बारे में कई तरह की बातें सुनने को मिलती हैं, लेकिन उसका अनुभव बिल्कुल अलग रहा। चित्रांगदा के अनुसार, सलमान बेहद सहज, प्रोफैशनल और सैट पर सभी का ख्याल रखने वाला इंसान है ।

चित्रांगदा ने सलमान खान को लेकर कुछ बड़े खुलासे करते हुए उसके साथ काम करने को लेकर कहा, "फिल्म बहुत मेहनत से बनाई है, दिल से बनाई है। लो ग सलमान के बारे में बहुत बातें करते हैं कि वह ऐसे हैं, वैसे हैं। मुझे भी इस बारे में काफी अफवाहें मिली थीं। जैसे मुझे उन सब चीजों के लिए तैयार रहना होगा अगर सलमान समय पर न आएं या शूटिंग का शैड्यूल बढ़ जाए ।'

उसने आगे कहा, लेकिन असल में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। मैंने पहले से ही खुद को तैयार कर लिया था क्योंकि इतने लोगों से यह अफवाह सुनी थी कि वह अनप्रोफैशनल हैं... लेकिन इसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है । वह तो बहुत ही सहज और मिलनसार इंसान उनकी एक खास बात है कि वह सैट पर सबसे कम नजर आने वाले इंसान का भी ख्याल रखते हैं, चाहे वह लाइटमैन हो या चौथा एडी । वह पूछते हैं कि उन्होंने ब्रेक लिया या नहीं, समय पर खाना खाया या नहीं, उनके साथ कैसा व्यवहार हो रहा है । इतने साल इंडस्ट्री में काम करने के बाद भी उनमें यह चिंता होना वाकई कमाल की बात है ।

गौरतलब है कि सलमान खान की अगली फिल्म 'मातृभूमि' की रिलीज फिलहाल टल गई है । इसी वजह से फिल्म कई दिनों से चर्चाओं में बनी हुई है लेकिन फिल्म के विषय को देखते हुए इसे स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज करने की खबरें सामने आ रही हैं।

कॉन में ऑफ-शोल्डर गाउन में आलिया भट्ट व तारा सुतारिया नजर आईं बला की खूबसूरत

आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में मौजूद हैं। इवेंट से उनके कई लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हाल ही में आलिया का एक नया लुक कान फिल्म फेस्टिवल से सामने आया है।

आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर नए लुक में कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। साथ ही कैप्शन लिखा है, 'प्यारे दोस्तों, अब अलविदा कहने का समय आ गया है।।' आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट से जाहिर कर दिया है कि यह उनका कान फिल्म फेस्टिवल में आखिरी लुक है। यह लुक भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है।

कान फिल्म फेस्टिवल में आखिरी बार आलिया नजर आई हैं। इसके बाद वह भारत लौटेंगी। उन्होंने इवेंट में मैरून ऑफ शोल्डर कॉर्सेट गाउन पहना है। सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट रिया कपूर ने आलिया भट्ट के लुक की जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि यह ड्रेस तरुण ताहिलियानी ने डिजाइन की है। इस ड्रेस में इंडियन चिंट्ज टेक्सटाइल्स की विरासत को आज के फैशन के हिसाब से ढाला गया है। यही वजह है कि आलिया भट्ट का लुक इंडो-वेस्टर्न टच लिए हुए है। डार्क बरगंडी और लाइट आइवरी कलर वाली इस ड्रेप्ड साड़ी को विक्टोरियन एरा के कॉन्सेप्ट में बनाया है। इस लुक में आलिया बोल्ड, एलीगेंट दोनों ही नजर आ रही हैं। आलिया भट्ट ने नेचुरल मेकअप टीमअप किया है। ज्वेलरी भी विंटेज स्टाइल की कैरी की है। जिससे उनका गाउन लुक और भी कमाल का नजर आ रहा है। इसके अलावा हेयरस्टाइल में आलिया ने हाईबन बनाया हुआ है।

तारा ने यह ब्लैक ड्रेस लुक 'रेड सी वुमन इन सिनेमा' के कार्यक्रम के लिए लिया है। रोमानियाई डिजाइनर रिया कोस्टा की इस ड्रेस को तान्या घावरी ने स्टाइल किया है।

तारा ने ब्लैक ड्रेस में डलीला नाम का ऑफ-शोल्डर कॉर्सेट टॉप पहना है, जो शरीर पर अच्छे से फिट बैठता है। इसके साथ मैचिंग काली मिडी स्कर्ट है, जिसमें हल्की प्लेट्स और पीछे छोटी सी स्लिट बनी है। तारा का यह पूरा लुक क्लासिक काले रंग का है, जो न ज्यादा भड़कीला है और न ही पुराना लगता है।

जो बहुत महंगा और स्टाइलिश दिखता है। कान जैसे बड़े फेस्टिवल में जहां भारी गाउंस हर तरफ दिखते हैं, तारा का यह एलिगेंट और ताजा लुक अलग और खास है।

कान फेस्टिवल में ताहा शाह का डैशिंग लुक पूर्वोत्तर की पोशाक में दिखीं एमी बरुआ

एमी-ताहा शाह-मानसी-गुनीत मोंगा

इस साल कान फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत 12 मई 2026 से हुई। यह फिल्म महोत्सव 23 मई तक चलेगा। पहले दिन बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट वहां पहुंचीं और अपने लुक से तहलका मचा दिया। दूसरे दिन भी वे छाई रहीं। तारा सुतारिया, आशुतोष गोवारिकर, कल्याणी प्रियदर्शन सहित कई और सेलेब्स भी नजर आए। आज फेस्टिवल के तीसरे दिन ताहा शाह और एमी बरुआ भी पहुंचे।

डैशिंग लुक में दिखे ताहा शाह

कान फिल्म फेस्टिवल में एक्टर ताहा शाह बदुशा पहुंचे हैं। वे डैशिंग लुक में नजर आए। ताहा ने कान फिल्म फेस्टिवल में पिंकिश-रेड ब्लेजर को ऑफ-व्हाइट ट्राउजर के साथ स्टाइल किया गया है। काला चश्मा लगाकर वे रौबदार अंदाज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते दिखे।

एमी ने कान में बिखेरी नॉर्थईस्ट की छटा

एमी बरुआ भी कान फिल्म समारोह में नजर आईं। वहां उन्होंने भारत की शान पूर्वोत्तर का प्रतिनिधित्व किया। वे नॉर्थईस्ट की पारंपरिक पोशाक और ज्वैलरी में शिरकत करती दिखीं। उन्होंने असम के पारंपरिक 'कार्बी' परिधान को चुना। यह वहां की कार्बी जन-जाति का पारंपरिक पहनावा है। इसके जरिए एमी ने वहां की मूल विरासत, हाथ से बुनी कारीगरी और कार्बी आंगलोंग के कारीगरों के प्रति सम्मान जताया।

आशुतोष गोवारिकर-गुनीत मोंगा भी दिखे

इनके अलावा मानसी पारेख, प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा और एक्टर-डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर भी कान फिल्म समारोह में दिखे। तीनों ने वहां भारत पवेलियन में एक साथ पोज दिए। बीते दिनों आशुतोष गोवारिकर और गुनीत ने भारत पवेलियन के उद्घाटन इवेंट में भी शिरकत की थी और एक पैनल चर्चा में हिस्सा लिया था।

सामंथा की आगामी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' में साड़ी पहने हाथ में बंदूक लिए नजर आईं

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। यह फिल्म नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर है। फैंस काफी समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने फिल्म की ऑफशियल रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। जानिए कब रिलीज होगी फिल्म।

सामंथा की यह फिल्म पहले 15 मई 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने नई रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। उन्होंने सामंथा का एक पोस्टर शेयर किया, जिसमें एक्ट्रेस साड़ी पहने हाथ में बंदूक लिए काफी इंटेंस लुक में नजर आ रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा- अब ट्रिगर दबाने का समय आ गया है। साथ ही मेकर्स ने नई रिलीज डेट अनाउंस की है। सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' अब दुनियाभर में 19 जून 2026 को रिलीज होगी।

फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के बारे में

'मां इंटी बंगारम' सामंथा और नंदिनी रेड्डी की 'ओह बेबी' के बाद दूसरी फिल्म है। यह एक कॉमेडी-एक्शन फैमिली ड्रामा है। इसमें सामंथा एक गृहिणी के साथ-साथ मजबूत योद्धा की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में दिगंत, गुलशन देवैया, श्रीमुखी, गौतमी और बाकी कलाकार भी हैं।

सामंथा का वर्कफ्रंट

सामंथा को आखिरी बार 'शुभम' फिल्म में कैमियो रोल में देखा गया था। 'मां इंटी बंगारम' के अलावा सामंथा जल्द ही वेब सीरीज 'रक्त ब्रह्मांडः द ब्लडी किंगडम' में भी नजर आएंगी, जिसमें आदित्य रॉय कपूर, अली फजल और वामिका गब्बी भी हैं। फिल्म का प्रमोशन पहले ही शुरू हो चुका है।

घुड़सवारी करते हुए विजय देवरकोंडा का बिगड़ा बैलेंस

वीडियो देख घबरा गईं रश्मिका मंदाना; ध्यान रखने की दी सलाह

विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी आने वाली पीरियड एक्शन फिल्म 'रणबाली' को लेकर काफी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में विजय एक दमदार योद्धा के किरदार में नजर आने वाले हैं। हाल ही में मेकर्स ने एक बिहाइंड द सीन्स वीडियो शेयर किया, जिसमें एक्टर घुड़सवारी की कठिन ट्रेनिंग लेते दिखाई दिए।

हॉर्स राइडिंग की प्रैक्टिस करते नजर आए एक्टर

वीडियो में विजय देवरकोंडा खतरनाक और मुश्किल हॉर्स राइडिंग सीक्वेंस की प्रैक्टिस करते नजर आए। इसी दौरान एक जगह उनका बैलेंस बिगड़ता भी दिखा, जिसे देखकर फैंस थोड़े थोड़ा टेंशन में आ गए।

वीडियो के सामने आने के बाद उनकी पत्नी और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने भी रिएक्शन दिया है। रश्मिका ने विजय की मेहनत और डेडिकेशन की तारीफ करते हुए इसे 'मैड कूल' बताया, लेकिन साथ ही उन्हें सावधान रहने की सलाह भी दी।

यह बहुत कूल है, लेकिन प्लीज ध्यान रखना

रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'यह बहुत ज्यादा कूल है, लेकिन प्लीज ध्यान रखना। सिनेमा के लिए हम क्या-क्या करते हैं, यह सच में पागलपन है। लेकिन मैं दिल से उम्मीद करती हूं कि तुम्हें वह सारी सफलता और प्यार मिले जिसके तुम हकदार हो।'

विजय देवरकोंडा के बर्थडे पर शेयर किए गए इस वीडियो ने फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। मेकर्स ने उन्हें 'स्टैलियन' कहते हुए फिल्म में 'पीक विजय इन पीक सिनेमा' का वादा भी किया।

कब रिलीज होगी 'रणबाली'

'रणबाली' एक तेलुगु फिल्म है। यह शादी के बाद रश्मिका और विजय की एक साथ पहली फिल्म है। रश्मिका इस फिल्म में विजय की पत्नी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं। विजय इस फिल्म में 'रणबाली' के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म 11 सितंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इसका निर्देशन राहुल सांकृत्यायन कर रहे हैं।

'उन्हें हिंदी नहीं आती', महेश बाबू के बॉलीवुड को लेकर दिए बयान पर राहुल देव ने किया पलटवार

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू राजामौली की आगामी फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगे। इसे भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी और महंगी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इस बीच अभिनेता राहुल देव ने महेश बाबू एक पुराने बयान पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड के उन्हें अफोर्ड न कर पाने की बात कही थी।

महेश बाबू को हिंदी नहीं आती

हिंदी रश के साथ बात करते हुए अभिनेता राहुल देव ने महेश बाबू को लेकर बात की। इस दौरान राहुल ने 'टक्करी डोंगा' के अपने को-स्टार महेश बाबू के बॉलीवुड को उन्हें अफोर्ड न कर पाने वाले बयान को लेकर कहा, 'उनको जुबान नहीं आती, सही बात तो ये है।' हालांकि,2 राहुल देव ने ये बात बोलते हुए आंख भी मारी, जिससे जाहिर है कि राहुल ने एक मजाकिया अंदाज में बात कही है। राहुल देव की इस प्रतिक्रिया के बाद महेश बाबू का बयान एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है।

महेश बाबू ने कही थी ये बात

महेश बाबू ने साल 2022 में अपनी एक फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान बॉलीवुड में काम करने को लेकर बात की। इसी दौरान एक्टर ने ये बात बोली थी कि बॉलीवुड उन्हें अफोर्ड नहीं कर सकता।

महेश बाबू ने हिंदी फिल्मों में काम करने के सवाल पर कहा था, 'हो सकता है मेरी बात घमंड भरी लगे, लेकिन मुझे हिंदी फिल्मों से कई ऑफर मिले, पर मुझे लगता है कि वे मुझे अफोर्ड नहीं कर सकते। मैं अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहता। तेलुगु सिनेमा में मुझे जो स्टारडम और प्यार मिला है, उसकी वजह से मैंने कभी किसी दूसरी इंडस्ट्री में जाने के बारे में नहीं सोचा। मैंने हमेशा यही सोचा था कि मैं यहीं फिल्में करूंगा और वे बड़ी हिट होंगी और मेरा यह विश्वास अब सच हो रहा है। मैं इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकता।'

राजामौली की 'वाराणसी' में नजर आएंगे महेश बाबू

वर्कफ्रंट की बात करें तो महेश बाबू की अगली फिल्म एसएस राजामौली की मच अवेटेड फिल्म 'वाराणसी' है। इस फिल्म में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में महेश बाबू रुद्र नाम का किरदार निभा रहे हैं। लेकिन फिल्म के रामायण पर आधारित हिस्से में वो भगवान राम की भूमिका में भी दिखाई देंगे। बड़े बजट में बन रही यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

बाथरोब में मलाइका अरोड़ा ने दिए हॉट पोज

तस्वीर ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

फिटनेस आइकन और बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा एक बार फिर सोशल मीडिया पर छा गई हैं। उन्होंने आज अपनी कुछ खूबसूरत हॉट और बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर तहलका मचा दिया है।

मलाइका ने शेयर की तस्वीरें

मलाइका ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। इन तस्वीरों में मलाइका व्हाइट रंग के बाथरोब को पहनकर फोटोशूट कराती नजर आ रही हैं। लोकेशन की बात करें तो देखने में यह किसी लग्जरी होटल जैसा लग रहा है।

मलाइका का लुक

मलाइका ने व्हाइट बाथरोब पहना हुआ है। इस लुक में भी मलाइका काफी हॉट दिख रही हैं। मलाइका ने इस लुक के साथ मिनिमल मेकअप किया हुआ है।

उन्होंने धूप का मजा लेते हुए आराम से पोज दिए। कम मेकअप, प्राकृतिक रोशनी और सहज अंदाज में उनकी तस्वीरें बहुत खूबसूरत लग रही हैं।

फैंस के रिएक्शन

मलाइका की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। कई फैंस ने कमेंट्स में मलाइका को 'बहुत खूबसूरत', 'ग्लैमरस' और 'हॉट' बताया है। वहीं कुछ फैंस का कहना है कि मलाइका अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफ स्टाइल की वजह से उनकी उम्र के साथ और भी अच्छी लगती जा रही हैं।

मलाइका अरोड़ा का करियर

मलाइका अरोड़ा ने एमटीवी वीजे के रूप में शुरुआत की और बॉलीवुड में अपने शानदार आइटम सॉन्ग्स जैसे 'छैया छैया' और 'मुन्नी बदनाम हुई' से बड़ी पहचान बनाई। इसके अलावा, वह एक सफल मॉडल, फिल्म निर्माता और कई रियलिटी टीवी शोज की जज भी रही हैं।

रोहित शेट्टी का दर्शकों से वादा, पांचवीं किस्त में देखने को मिलेगा आइकॉनिक कार रेस सीन

रोहित शेट्टी की 'गोलमाल' सीरीज की अब तक चार फिल्में आ चुकी हैं। पांचवीं फिल्म पर काम चल रहा है और दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस साल जुलाई में पहली फिल्म यानी 'गोलमाल-फन अनलिमिटेड' को 20 साल पूरे होने वाले हैं। करीब दो दशक बाद इस फिल्म का एक आइकॉनिक सीन दर्शकों को पांचवीं किस्त में देखने को मिला है।

20 साल पुराना आइकॉनिग सीन किया रिक्रिएट

निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी ने दर्शकों से वादा किया है कि जल्द ही फिर से वही खुशनुमा दिन वापस आने वाले हैं। एक्टर ने पहले पार्ट का एक आइकॉनिक सीन रिक्रिएट किया है। यह सीन है अरशद वारसी और शरमन जोशी पर फिल्माया गया कार रेस वाला सीन। इसमें अरशद वारसी महिला गेटअप में दिखे। रोहित शेट्टी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है।

रोहित शेट्टी दर्शकों को यादों की गलियों में ले गए हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें 20 साल पहले के उस सीन को दिखाया गया है, फिर इसका रिक्रिएट वर्जन दिखाया गया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'यादों की गलियों में एक सफर! जब आपने पहली 'गोलमाल' देखी थी, तब आपकी उम्र कितनी थी? हमारा वादा है कि आप उन खुशनुमा दिनों को बहुत जल्द फिर से जिएंगे। फिल्म की शूटिंग जारी है।

'गोलमाल 5' में अक्षय कुमार भी आएंगे नजर

बता दें कि रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी 'गोलमाल' में अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर और शरमन जोशी अहम भूमिकाओं में दिखे थे। दर्शकों को कॉमेडी का जबर्दस्त डोज मिला था। पहली फिल्म 'गोलमाल' की सफलता के बाद 'गोलमाल रिटर्न्स', 'गोलमाल 3' और 'गोलमाल अगेन' आईं। वहीं, अब इसकी पांचवीं कड़ी बन रही है। पांचवीं किस्त में अक्षय कुमार भी नजर आएंगे।

नीट पेपर लीक मामले में आरजेडी नेता गिरफ्तार

30 लाख में देता था एमबीबीएस की गारंटी

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई कर रही है। इस बीच दिल्ली पुलिस ने मेडिकल एडमिशन के नाम पर चल रहे एक बड़े संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के सरगना और एक डॉक्टर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया मुख्य आरोपी संतोष कुमार जायसवाल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का राष्ट्रीय सचिव है, जिसे लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव का करीबी बताया जा रहा है।

एमबीबीएस सीट के नाम पर होती थी 30 लाख की डील

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, संतोष कुमार जायसवाल मेडिकल की तैयारी करने वाले बच्चों और उनके घरवालों को मेडिकल कॉलेज में 20-30 लाख में एडमिशन कराने का झांसा देता था। गैंग के लोग पिछले साल के स्टडी मटेरियल और कोचिंग सेंटर के पेपर्स को मिलाकर 'फर्जी' प्रश्न पत्र तैयार करते थे और छात्रों को परीक्षा से पहले उसे उपलब्ध कराने का लालच देकर अज्ञात जगहों पर ले जाते थे।

सूरत पुलिस के इनपुट पर दिल्ली में छापेमारी

दिल्ली पुलिस को सूरत पुलिस से इनपुट मिला था कि कोई गैंग है जो नीट परीक्षा पास कराकर मेडकिल कॉलेजों में एडमिशन दिलाने का दावा कर रहा है। सूरत पुलिस से मिले इनपुट पर दिल्ली पुलिस ने अपने सूत्रों को एक्टिव किया तो जानकारी मिली कि एक गिरोह महिपालपुर इलाके में सक्रिय है। इसके बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने महिपालपुर एक्सटेंशन के 100 से अधिक होटलों में छापेमारी की। पुलिस ने तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपियों को ट्रैक किया और गुजरात के छात्रों को फंसाने वाले विनोद भाई भीखा भाई पटेल समेत अन्य को धर दबोचा।

छात्रों के ओरिजिनल सर्टिफिकेट और ब्लैंक चेक रखते थे गिरवी

पुलिस की जांच में सामने आया कि यह गिरोह पैसे तो ऐंठता ही था, साथ ही सिक्योरिटी के तौर पर छात्रों की ऑरिजनल मार्कशीट और छात्रों के परिजनों से से साइन किए हुए ब्लैंक चेक भी ले लेता था।

कौन है मास्टरमाइंड संतोष जायसवाल?

गिरफ्तार मुख्य आरोपी संतोष कुमार जायसवाल बिहार के मोतिहारी (घोड़हसन) का रहने वाला है। दिल्ली में दवा का कारोबार करता है। बताया जाता है कि बीते साल पर रक्सौल से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता था। पुलिस के दावों के मुताबिक, जायसवाल ही इस पूरे नेक्सस का 'किंगपिन' है। पुलिस ने गाजियाबाद के एक अस्पताल के पास जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया और उसके चंगुल से 3 छात्रों को रेस्क्यू भी किया।

तेजस्वी यादव इस पर जवाब दें: बीजेपी

बीजेपी प्रवक्ता डॉ. प्रीति शेखर ने आरजेडी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि तेजस्वी यादव एक तरफ नीट छात्रों के लिए 'घड़ियाली आंसू' बहा रहे हैं, तो दूसरी तरफ उनकी पार्टी में ऐसे गिरोह चलाने वाले लोग बैठे हैं। उन्होंने मांग की है कि तेजस्वी यादव को इस पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम जेल से निकले

रांची, 14 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम दो साल बाद जेल से आज बाहर निकले। उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है। अदालत ने सोमवार को जमानत दी थी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से मिले जमानत का आदेश अपलोड नहीं होने के कारण जेल से नहीं निकल सके। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के साथ उनके पीए संजीव लाल को भी जमानत मिली है। आदेश अपलोड होने के बाद आज बेल बॉन्ड भरा गया। जिसके बाद वे जेल से बाहर आए।

होटवार जेल में दो साल से बंद आलमगीर आलम को लेने के लिए उनकी पत्नी सह विधायक निशात आलम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता होटवार स्थित सेंट्रल जेल पहुंचे। जानकारी के मुताबिक आलमगीर आलम की जमानतदार उनकी पत्नी निशात आलम बनी हैं। झारखंड हाईकोर्ट द्वारा पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और उनके पीए संजीव लाल की जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद दोनों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

महिला की गला रेतकर हत्या, बेटे ने देखी लाश

पति के बाजार जाने पर घर पर थी अकेली, 9 साल पहले किया था प्रेम विवाह

कोडरमा, 14 मई (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के सदर थाना क्षेत्र स्थित मिटको कॉलोनी में गुरुवार को एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। महिला का शव घर में पड़ा था और स्कूल से वापस आने पर बेटे ने सबसे पहले लाश देखी।

मृतका की पहचान 30 वर्षीय नेहा राज के रूप में हुई है, जो शंभू राणा की पत्नी थीं। नेहा ने 9 साल पहले शंभू राणा से प्रेम विवाह किया था।

घटना का खुलासा तब हुआ, जब नेहा राज का बेटा दोपहर करीब 12:30 बजे स्कूल से घर लौटा। कमरे में प्रवेश करते ही उसने अपनी मां को खून से लथपथ देखा और चीखते हुए घर से बाहर भागा। उसकी चीख सुनकर पड़ोसी जमा हो गए। पड़ोसियों ने बच्चे से जानकारी ली, जिसने बताया कि उसकी मां के गले से खून बह रहा है और वह बोल नहीं पा रही है।

इसके बाद पड़ोसियों ने नेहा के पति शंभू राणा को सूचना दी, जो उस समय अपनी फैक्ट्री से कॉपी पहुंचाने एक दुकान पर गए हुए थे। सूचना मिलते ही शंभू ने अपने साथियों को जल्द से जल्द घर पहुंचने को कहा।

मृतका

उमेश पंडित समेत अन्य पड़ोसी तुरंत शंभू के घर पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि नेहा का गला किसी धारदार हथियार से रेता गया था और काफी खून बह रहा था। पड़ोसियों ने तत्काल महिला को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही कोडरमा थाना प्रभारी सदर अस्पताल पहुंचे और जांच शुरू कर दी। एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह भी अस्पताल पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला लग रहा है। उन्होंने कहा कि मामले की सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। मृतका के परिजनों से इस मामले में पूछताछ की जा रही है। जो भी इस मामले में लिप्त होंगे उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

बताते चलें कि नेहा राज का मायके झुमरीतिलैया के पानी टंकी रोड में स्थित है। उसने 2017 में अपने मायके वालों के इच्छा के विरुद्ध जाकर बेकोबार निवासी शम्भू राणा से प्रेम विवाह किया था।

बताते चलें कि उनके इस विवाह से नेहा के मायके वाले नाराज थे।

शादी के बाद वह अपने पति के साथ मिटको कॉलोनी में ही रहती थीं। वे अपने पीछे एक पुत्र तथा एक पुत्री छोड़ गई हैं।

बताते चलें कि नेहा राज मिटको कॉलोनी में ही अपने पति के साथ मिलकर कॉपी बनाने का बिजनेस करती थी।

नेहा फैक्ट्री की देखरेख करती थीं, जबकि शम्भू मार्केटिंग का कार्यभार संभालते थे।

रील बनाने नदी में कूदा युवक, डूबकर मौत

कोरबा, 14 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सोशल मीडिया के लिए रील बनाने का शौक एक युवक की मौत का कारण बन गया। अहिरन नदी में छलांग लगाने के बाद युवक करीब 3 मिनट तक पानी में हाथ-पैर मारता रहा, लेकिन किनारे खड़े दोस्त उसे डूबता देख बचाने के बजाय मस्ती समझकर वीडियो शूट करते रहे। इस दर्दनाक हादसे का लाइव वीडियो भी सामने आया है।

मंगलवार से लापता निखिल सिंह (25) का शव 48 घंटे बाद बुधवार देर शाम नदी से बरामद किया गया। यह घटना कुसमुंडा थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, एसईसीएल कुसमुंडा में पदस्थ डंपर ऑपरेटर का बेटा निखिल सिंह (25) मंगलवार दोपहर अपने तीन दोस्तों के साथ अहिरन नदी में नहाने गया था। नहाते समय उसने रील बनाने के लिए नदी में ऊंचाई से छलांग लगाई। उसके दोस्तों ने मोबाइल से इसका वीडियो बनाना शुरू कर दिया। सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि, छलांग लगाने के बाद निखिल करीब 3 मिनट तक पानी में हाथ-पैर मारता रहा। उसके दोस्तों को लगा कि वह तैर रहा है और मस्ती कर रहा है, इसलिए किसी ने उसे बचाने की कोशिश नहीं की। जब निखिल पानी में पूरी तरह डूब गया, तब दोस्तों को सच्चाई का पता चला। हादसे के बाद घबराए दोस्तों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। पुलिस और गोताखोरों की टीम ने मंगलवार दोपहर से ही सर्च ऑपरेशन शुरू किया। बुधवार को खराब मौसम के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा, लेकिन कुछ ही देर बाद निखिल का शव पानी की सतह पर आ गया।

पूर्व मंत्री माधवलाल सिंह का अंतिम संस्कार

राजकीय सम्मान के साथ हुई अंत्येष्टि, हजारों लोग हुए शामिल

बोकारो, 14 मई (एजेंसियां)। बोकारो के गोमिया क्षेत्र के जनप्रिय नेता और पूर्व मंत्री स्वर्गीय माधवलाल सिंह का गुरुवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। गोमिया प्रखंड के साड़म स्थित बोकारो नदी तट पर वे पंचतत्व में विलीन हो गए। अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने के लिए क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से हजारों लोग पहुंचे, जिससे बोकारो नदी तट जनसैलाब में बदल गया। अंतिम संस्कार से पहले झारखंड पुलिस के सशस्त्र बलों द्वारा दिवंगत नेता को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। मातमी धुन और पुलिस जवानों की सलामी के बीच राजकीय सम्मान की प्रक्रिया पूरी हुई। इस दौरान वहां मौजूद समर्थकों की आंखें नम हो गईं। पूरा साड़म क्षेत्र ₹गोमिया का एक लाल कैसा हो, माधव लाल जैसा हो₹ और ₹माधव बाबू अमर रहें₹ जैसे नारों से गूंज उठा। समर्थकों ने उन्हें

गरीबों, किसानों और मजदूरों की आवाज बताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंतिम यात्रा और अंत्येष्टि में राजनीतिक और प्रशासनिक जगत की कई प्रमुख लोग शामिल हुईं। इनमें झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद, बोकारो डीसी अजय नाथ झा, एसडीपीओ बेरमो बीएन सिंह, गोमिया बीडीओ महादेव कुमार महतो, सीओ आफताब आलम, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कुमार महेश सिंह, झामुमो जिलाध्यक्ष रतनलाल मांझी और भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र राज प्रमुख थे।

सभी ने एक स्वर में कहा कि माधवलाल सिंह का निधन क्षेत्रीय राजनीति और सामाजिक जीवन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। माधवलाल सिंह केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील व्यक्तित्व के रूप में लोगों के बीच लोकप्रिय थे।

भारतनेट के तहत आंध्र प्रदेश को केंद्र से 2,432 करोड़ की मदद

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। डिजिटल भारत निधि के तहत केंद्र सरकार आंध्र प्रदेश को 2432 करोड़ की सहायता राशि देगी। राज्य सरकार के साथ संशोधित भारतनेट कार्यक्रम का समझौता किया गया है। इसके तहत केंद्र से 2,432 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी बढ़ाना है। इससे पांच लाख से अधिक ग्रामीण घरों को फाइबर कनेक्शन मिलेंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4 अगस्त 2023 को इस कार्यक्रम को मंजूरी दी थी।

गुजरात में 20% बढ़ा नारियल उत्पादन

गुजरात में पिछले दो वर्षों में कच्चे नारियल के उत्पादन में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के बागवानी विभाग के आंकड़ों के अनुसार अब इसका कुल वार्षिक उत्पादन लगभग 26 करोड़ नारियल होने का अनुमान है। यह बढ़ोतरी राज्य के तटीय जिलों में नारियल की खेती के लगातार विस्तार के साथ दर्ज की गई है, जो बागवानी-आधारित खेती की ओर हो रहे क्रमिक बदलाव को दर्शाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, गुजरात में नारियल की खेती इस समय लगभग 28,000 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है। मुख्य योगदान देने वाले जिलों में गिर सोमनाथ, जूनागढ़, भावनगर, वलसाड, नवसारी, कच्छ और देवभूमि द्वारका शामिल हैं। 2024-25 के दौरान कच्चे नारियल की औसत उत्पादकता लगभग 9.26 हजार प्रति हेक्टेयर थी, जो कई उत्पादक क्षेत्रों में बेहतर पैदावार का संकेत है। मौजूदा योजनाओं के तहत, किसानों को नारियल के बाग लगाने पर 75 प्रतिशत तक की सब्सिडी मिलती है।

नारियल की खेती का विस्तार राज्य में कृषि में विविधता लाने की व्यापक बागवानी रणनीति का एक हिस्सा है। अधिकारियों ने आने वाले वर्षों में नारियल की खेती के तहत आने वाले क्षेत्र को बढ़ाकर 70,000 हेक्टेयर करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ, मूल्य-संवर्धन और प्रसंस्करण पर भी जोर दिया जा रहा है, जिसमें 'वर्जिन कोकोनट ऑयल' और 'कोकोनट पाउडर' जैसे उत्पाद शामिल हैं, ताकि बाज़ार तक पहुंच को मजबूत किया जा सके और निर्यात की संभावनाओं को बेहतर बनाया जा सके। वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली टाटा मोटर्स का 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 33.8 फीसदी बढ़कर 1,793 करोड़ पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी ने 1.32 लाख वाहनों की थोक बिक्री की, जो सालाना आधार पर 25 फीसदी अधिक है। कंपनी के बोर्ड ने 4 रुपये प्रति शेयर लाभांश देने की सिफारिश की है।

टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 33.5 फीसदी घटकर 7,325 करोड़ रह गया। ग्राहक आधार में वृद्धि के कारण कंपनी का भारत मोबाइल राजस्व 8.3 फीसदी बढ़ गया। इस दौरान कंपनी का प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व 245 रुपये से बढ़कर 257 रुपये पहुंच गया।

सरकारी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का मार्च, 2026 तिमाही में शुद्ध लाभ 3 फीसदी बढ़कर 8,598 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की कुल ब्याज आय 11 फीसदी घटकर 10,833 करोड़ रुपये रही, जबकि लोन 7 फीसदी बढ़ा है।

दिल्ली में सीएम योगी की गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात

राजनीतिक गलियारों से हलचल

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। करीब एक घंटे चली इस बैठक में नए मंत्रियों को विभाग आवंटन और 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

गृह मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर इस भेंट की पुष्टि की है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में विभागों के बंटवारे पर अंतिम फैसला हो गया है। 10 मई को हुए विस्तार में छह नए चेहरों को मंत्री बनाया गया था, जबकि दो राज्य मंत्रियों को कैबिनेट रैंक दी गई।

चार दिन बाद भी विभाग न मिलने से अटकलें तेज थीं, जो अब शाह-योगी बैठक के बाद लगभग सुलझ गई हैं। इस बार विभागों का बंटवारा केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि मिशन-2027 को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। भूपेंद्र सिंह चौधरी के माध्यम से पश्चिमी यूपी के जाट मतदाताओं को साधने, मनोज पांडेय (सपा छोड़कर आए) के जरिए ब्राह्मण समुदाय को जोड़ने और कृष्णा पासवान, सुरेंद्र दिलेर व कैलाश राजपूत जैसे नए मंत्रियों के माध्यम से दलित तथा पिछड़े वर्गों में सरकार की पैठ बढ़ाने की रणनीति है। जानकारों का मानना है कि योगी और शाह ने नए मंत्रियों को ऐसे विभाग देने पर सहमति जताई है, जिनसे वे अपने समुदाय और क्षेत्र में भाजपा की छवि को और मजबूत कर सकें।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह बैठक 2027 के चुनावी समीकरणों को साधने की दिशा में अहम कदम है।

धनबाद को बम से दहलाने की साजिश?

सरायढेला के होंडा सर्विस सेंटर के बाहर संदिग्ध विस्फोटक बरामद

धनबाद, 14 मई (एजेंसियां)। कोयलांचल की हृदयस्थली कहे जाने वाले धनबाद में अपराधी बेलगाम होते जा रहे हैं। गुरुवार की सुबह सरायढेला थाना क्षेत्र उस वक्त थर्रा उठा, जब प्रेमसंस होंडा सर्विस सेंटर के मुख्य गेट के ठीक बाहर एक संदिग्ध विस्फोटक मिलने की खबर फैली। इस सूचना ने न केवल पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया, बल्कि स्थानीय व्यवसायियों और निवासियों के बीच भारी दहशत पैदा कर दी।

गुरुवार की सुबह जब धनबाद जिले के लोग अपने दैनिक कार्यों के लिए निकले, तो सर्विस सेंटर के गेट पर एक संदिग्ध पैकेट देखा गया। देखते ही देखते यह खबर आग की तरह फैल गई और मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सरायढेला थाना पुलिस आनन-फानन में दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और आवाजाही को रोक दिया।

हैरानी की बात यह रही कि जहां एक ओर बम की खबर से लोग सहमे हुए थे, वहीं पुलिस के जवानों ने भारी लापरवाही दिखाई। बिना किसी 'बम निरोधक दस्ते' या सुरक्षात्मक गियर के ही पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध वस्तु को अपने कब्जे में ले लिया।

मौके से बारूद जैसे दिखने वाले पाउडर के अंश भी मिले हैं। गनीमत यह रही कि इस दौरान कोई अनहोनी नहीं हुई, वरना पुलिस की यह चूक जानलेवा साबित हो सकती थी। मामले की जांच कर रहे सरायढेला थाना के एसआई अनूप कुमार ने बताया कि पुलिस ने सर्विस सेंटर और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं।

फुटेज में कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखी गई हैं, जिसमें एक व्यक्ति गेट के पास पैकेट रखते हुए दिखाई दे रहा है। घटना की सूचना मिलते ही धनबाद विधायक राज सिन्हा मौके पर पहुंचे।

'मशीनरी मैनेजमेंट' का मुद्दा गरमाया

बिहार एमएलसी उपचुनाव में आरजेडी की जीत और शक्ति यादव के दावे का सच

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। भोजपुर-बक्सर स्थानीय निकाय विधान परिषद उपचुनाव में राजद प्रत्याशी सोनू कुमार राय ने भारी मतों से शानदार जीत दर्ज की है। याद रहे, 2020 के विधानसभा चुनाव में भी जहां बैलेट से गिनती हुई थी, वहां राजद 143 सीटों पर चुनाव जीती थी।' उपरोक्त बयान के आईने में आरजेडी की खुशी छुप नहीं रही है। ये खुशी साफ दिख रही है। दिखे भी क्यों न। आरजेडी नेता शक्ति सिंह यादव ने कहा है कि बैलेट से गिनती होने के बाद आरजेडी जीत जाती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 2020 विधानसभा चुनाव में जहां बैलेज से गिनती हुई, वहां आरजेडी जीती थी। कुल मिलाकर उनका कहना है कि मशीनरी मैनेजमेंट

अलोकतांत्रिक है। शक्ति सिंह यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक बयान साझा करते हुए कहा कि हमने शुरू से ही कहा है कि चुनाव आयोग बिहार ही नहीं, बल्कि देशभर के चुनावों में जो 'मशीनरी मैनेजमेंट' अपना रहा है, वह पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है। आरा बक्सर एमएलसी उप चुनाव में हुई इस जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि मशीनरी मैनेजमेंट लोकतंत्र के लिए खतरा है। जहां ईवीएम और मशीनरी का खेल नहीं चलता, वहां सिर्फ और सिर्फ जनता का फैसला और राजद की जीत होती है।

झारखंड में राज्यपाल ने की ईंधन बचाने की शुरुआत

क्या हेमंत सोरेन मानेंगे पीएम मोदी की अपील

रांची, 14 मई (एजेंसियां)। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर ईंधन संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद अपने काफिले का आकार कम करने का फैसला किया है। राज्यपाल ने निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से अनावश्यक वाहनों के उपयोग से बचने का भी आग्रह किया। राज्यपाल के फैसले के बाद क्या मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री भी अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम करेंगे, इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवारने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी के आह्वान के जवाब में ईंधन संरक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के उद्देश्य से मैंने झारखंड के लोक भवन में काफिले में वाहनों की संख्या घटाकर केवल चार करने का निर्णय लिया है।' उन्होंने कहा, 'मैं सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से अनावश्यक वाहनों के उपयोग से बचने का आग्रह करता हूं। आइए हम सभी ऊर्जा संरक्षण के इस जन जागरूकता अभियान में भागीदार बनें।' रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि उन्होंने भी प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरित होकर इस दिशा में कदम उठाए हैं। संजय सेठ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'वैश्विक संकट को देखते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाहनों की संख्या भी कम कर दी है। उनसे प्रेरित होकर मैंने भी इस दिशा में कदम उठाया है। मैं सभी नागरिकों से राष्ट्रीय हित में कदम उठाने का आग्रह करता हूं। आपका यह कदम भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने में बहुत सहायक सिद्ध होगा।'

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच मोदी ने रविवार को हैदराबाद में तेलंगाना भाजपा द्वारा आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए मितव्ययिता पर जोर दिया।

बोकारो से लापता युवती के केस में कंकाल की डीएनए जांच

हाईकोर्ट ने दिया है आदेश

रांची, 14 मई (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर बोकारो के पिंडराजोरा इलाके से लापता युवती से जुड़े मामले में बरामद नरकंकाल की डीएनए जांच की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुरुवार को मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि बरामद कंकाल और लापता युवती के माता-पिता के डीएनए सैंपल जांच के लिए कोलकाता स्थित सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (सीएफएसएल) भेज दिए गए हैं।

हड्डियों की जटिल संरचना और भिन्नता के कारण अंतिम रिपोर्ट आने में अभी करीब 15 दिन और लगेंगे। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस संजय प्रसाद की खंडपीठ ने केंद्र सरकार की ओर से दी गई जानकारी के बाद मामले की अगली सुनवाई के लिए 8 जून की तारीख तय की है।

उल्लेखनीय है कि बोकारो जिले के पिंडराजोरा थाना क्षेत्र की रहने वाली 18 वर्षीय युवती 31 जुलाई 2025 से लापता है।

युवती की मां रेखा देवी ने बेटी की तलाश को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में हेबियस कॉर्पस याचिका दायर की है।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पिछले महीने दिनेश कुमार महतो नामक युवक को गिरफ्तार किया था। आरोपी ने कथित तौर पर शादी का दबाव बनाने के कारण युवती की हत्या करने की बात स्वीकार की थी। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने एक कंकाल बरामद किया था।

घरवालों ने पुलिस के दावे पर उठाए थे सवाल

हालांकि, परिजनों ने शुरू से ही पुलिस के इस दावे पर सवाल उठाए हैं। युवती के परिजनों की ओर से पेश अधिवक्ता विंसेंट रोहित मार्की और शांतनु गुप्ता ने अदालत में कहा कि बरामद कंकाल उनकी बेटी का नहीं है। उनका तर्क है कि कंकाल काफी पुराना प्रतीत होता है और किसी सार्वजनिक स्थान से मिला है, इसलिए उसकी पहचान को लेकर संदेह बना हुआ है।

विवाद सुलझाने के लिए डीएनए जांच

इसी विवाद को सुलझाने के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है। इससे पहले 15 अप्रैल को हुई सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने जांच की धीमी रफ्तार और डीएनए जांच में देरी पर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई थी। अदालत ने डीजीपी, एफएसएल निदेशक, बोकारो एसपी और एसआईटी टीम को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

चलते-चलते रास्ते में दो समझौते और दूर हो जाएगी एलपीजी की किल्लत! यूएई में क्या करने वाले हैं मोदी?

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 मई को चार यूरोपीय देशों की 5 दिन की यात्रा पर रवाना होंगे। इस दौरान वह कुछ घंटे के लिए खाड़ी देश यूएई में भी रुकेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच दो अहम समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। ये एलपीजी और स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व से जुड़े हैं। सरकारी सूत्रों का कहना है कि मोदी के यूएई में तीन घंटे के स्टॉपओवर के दौरान एनर्जी सिक्योरिटी सबसे अहम मुद्दा होगा। ईरान युद्ध के कारण दुनिया में एनर्जी की सप्लाई टाइट हो गई है। भारत पर भी इसका असर दिखने लगा है। प्रधानमंत्री ने हाल में लोगों से पेट्रोल और डीजल बचाने की अपील की थी। यूएई भारत का अहम एनर्जी सप्लायर है। यह भारत के लिए कच्चे तेल का चौथा बड़ा सोर्स होने के साथ-साथ एलपीजी और एलएनजी का दूसरा बड़ा सप्लायर है। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही बंद है। इस कारण अप्रैल में खाड़ी देशों के उत्पादन में गिरावट आई है। अप्रैल में केवल यूएई के उत्पादन में तेजी आई। इसकी वजह यह है कि वह होर्मुज स्ट्रेट को बाइपास करके गल्फ ऑफ ओमान में स्थित फुजैरा पोर्ट से तेल एक्सपोर्ट कर रहा है।

उत्पादन बढ़ाने की तैयारी

यूएई रोजाना 3.2 से 3.6 मिलियन बैरल तेल का उत्पादन कर रहा है। हाल में वह ओपेक और ओपेक प्लस से बाहर आ चुका है और अगले साल तक रोजाना 5 मिलियन बैरल तेल निकालने की तैयारी कर रहा है। यही वजह है कि भारत की एनर्जी सिक्योरिटी के लिए यूएई काफी अहम है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि मोदी यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान के साथ आपसी रिश्तों, ऊर्जा सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। भारत की यूएई के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी है। 45 लाख से अधिक भारतीय इस खाड़ी देश में रहते हैं।

क्यों अहम हैं ये समझौते?

मोदी 15 मई को चार यूरोपीय देशों की की यात्रा पर रवाना होंगे इस दौरान वह करीब तीन घंटे के लिए खाड़ी देश यूएई में रुकेंगे इस दौरान एनर्जी सिक्योरिटी से जुड़े दो समझौतों पर हस्ताक्षर होंगे ईरान युद्ध के कारण दुनिया में एनर्जी की सप्लाई टाइट हो गई है यूएई रोजाना करीब 3.6 मिलियन बैरल तेल उत्पादन कर रहा है

ईरान युद्ध का असर

पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई को ढाई महीने हो चुके हैं और फिलहाल इसके थमने की उम्मीद नहीं है। इसके कारण होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से कच्चे तेल की सप्लाई टाइट हुई है। दुनिया का करीब 20 फीसदी कच्चा तेल इसी रास्ते गुजरता है। कच्चा तेल महंगा होने से भारत की इकॉनमी पर भी असर दिखने लगा है क्योंकि हमारा करीब 90 फीसदी तेल बाहर से आता है। ऐसे में यूएई के साथ समझौते भारत के लिए काफी अहम माने जा रहे हैं।

आकाश अंबानी जियो प्लेटफॉर्म्स के मैनेजिंग डायरेक्टर बने

5 साल के लिए मिली जिम्मेदारी, मई-जून तक आ सकता है कंपनी का आईपीओ

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के डिजिटल आर्म 'जियो प्लेटफॉर्म्स' ने आकाश अंबानी को कंपनी का मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति कंपनी के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग से ठीक पहले की गई है। रेगुलेटरी फाइलिंग के मुताबिक, आकाश अंबानी का कार्यकाल 9 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो गया है और वे अगले 5 साल तक इस पद पर रहेंगे।

मई के अंत या जून में आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर्स संभव

बाजार विशेषज्ञों और रेगुलेटरी फाइलिंग के संकेतों के अनुसार, जियो प्लेटफॉर्म्स मई के अंत या जून के महीने में अपने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर्स फाइल कर सकता है। आकाश अंबानी को एमडी बनाने के फैसले को इसी लिस्टिंग की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। कंपनी अपनी लीडरशिप टीम को मजबूत कर निवेशकों को एक स्पष्ट विजन देना चाहती है।

2014 से रिलायंस जियो के बोर्ड में शामिल हैं आकाश

आकाश अंबानी अक्टूबर 2014 से रिलायंस जियो इन्फोकॉम के बोर्ड का हिस्सा हैं। वे ग्रुप की डिजिटल और टेलीकॉम स्ट्रैटेजी को करीब से देखते रहे हैं। जून 2022 में उन्हें

रिलायंस जियो इन्फोकॉम का चेयरमैन बनाया गया था। अब जियो प्लेटफॉर्म्स के एमडी के रूप में उनकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी, क्योंकि यह कंपनी रिलायंस के पूरे डिजिटल इकोसिस्टम को कंट्रोल करती है।

वित्त वर्ष 2026 में 1.46 लाख करोड़ रही कमाई

कंपनी की फाइनेंशियल्स काफी मजबूत हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में जियो प्लेटफॉर्म्स ने कुल 1.46 लाख करोड़ रुपए का रेवेन्यू (कमाई) हासिल किया है। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 30,000 करोड़ रुपए से ज्यादा रहा।

क्या होता है जियो प्लेटफॉर्म्स का काम?

जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी है। इसमें रिलायंस जियो इन्फोकॉम (टेलीकॉम), माई जियो, जियो सिनेमा, जियो सावन और अन्य डिजिटल ऐप्स शामिल हैं।

बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 790 अंक चढ़ा, निफ्टी 23600 के पार

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 789.74 अंक या 1.06 प्रतिशत बढ़कर 75,398.72 पर बंद हुआ। सूचकांक की शुरुआत तेजी से हुई, लेकिन सुबह के कारोबार के अंत तक यह नकारात्मक दायरे में फिसल गया। हालांकि, दूरसंचार और बैंकिंग शेयरों में मूल्य सूचक की खरीदारी ने नुकसान को कम करने में मदद की और बाद में यह 1,000 से अधिक अंक बढ़कर 75,681.88 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। लगातार दूसरे दिन बढ़त जारी रखते हुए, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 277 अंक या 1.18 प्रतिशत चढ़कर 23,689.60 पर बंद हुआ।मजबूत डॉलर और ऊर्जा की ऊंची कीमतों के बीच मुद्रास्फीति की चिंताओं के कारण गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले और कमजोर होकर 95.73 (अस्थायी) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। सेंसेक्स कंपनियों में, भारती एयरटेल सबसे बड़ी लाभ कमाने वाली कंपनी के रूप में उभरी, जिसके शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई, क्योंकि दूरसंचार कंपनी का वार्षिक राजस्व पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। एटरनल के शेयरों में 3.32 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2.67 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जिससे सेंसेक्स में हुई इस बढ़त में एटरनल का प्रमुख योगदान रहा। अदानी पोर्ट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अन्य लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी इंडिया के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद भारतीय शेयर बाजारों ने अप्रत्याशित रूप से उबरते हुए बढ़त दर्ज की। उन्होंने आगे कहा कि विदेशी निवेशकों के लिए बांड कर राहत पर विचार करने और पूंजी बहिर्वाह को रोकने के लिए उदारीकृत प्रेषण योजना को संभावित रूप से सख्त करने सहित, भारतीय रुपये की कमजोरी को कम करने के लिए संभावित सरकारी उपायों की उम्मीद में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।

सोना आज 382 बढ़कर 1.61 लाख पर पहुंचा

इस साल 28 हजार महंगा हो चुका, चांदी आज 370 सस्ती हुई

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। सोना के दाम में आज यानी 14 मई का बढ़त है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 382 रुपए बढ़कर 1.61 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं 1 किलो चांदी का भाव आज 370 रुपए गिरकर 2.87 लाख रुपए पर आ गया है।

सोना इस साल 28 हजार और चांदी 57 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 28 रुपए और चांदी 57 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.61 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

सरकार ने सोने-चांदी पर इंपोर्ट ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% की

केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी है। सरकार ने सोने पर 10% बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस लगाया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	मेष	मे
चंद्र		मे
मंगल	मेष	मे
बुध	मेष	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

मेष.....
वृष.... 04-03 बजे
मिथुन.. 05-48 बजे
कर्क.... 07-48 बजे
सिंह---- 10-01 बजे
कन्या... 12-13 बजे
तुला---- 14-19 बजे
वृश्चिक.. 16-24 बजे
18-35 बजे
धनु...... 20-49 बजे
मकर... 22-54 बजे
कुंभ.... 00-44 बजे
मीन.... 02-23 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष शुक्रवार **15 May 2026**
तिथि - त्रयोदशी **08-31** तक उपरान्त (चतुर्दशी क्षय)
नक्षत्र - अश्विनी **20-14** रात्रि तक उपरान्त भरणी
योग - आयुष्मान **14-21** तक उप सौभाग्य
करण - वणिज **10-31** तक उप विष्टी (भद्रा)

विशेष: भद्राकाल **08-32** से वृषभेअर्क,मास शिवरात्रि

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-36 से 12-13 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
चंचल 05 -49 - 07-22 शुभ	रोग 18-35 - 20-03 अशुभ
लाभ 07-22 - 08-59 शुभ	काल 20-03 - 21-26 अशुभ
अमृत 08-59 - 10-36 शुभ	लाभ 21-26 - 22-49 शुभ
काल 19-36 - 12-13 अशुभ	उत्पात22-49 - 00-12 अशुभ
शुभ 12-13 - 13-49 शुभ	शुभ 00-12 - 01-36 शुभ
रोग 13-49 - 15-26 अशुभ	अमृत 01-36 - 02-59 शुभ
उत्पात15-26 - 17-03 अशुभ	चंचल 02-59 - 04-22 शुभ
चंचल 17-03 - 18-35 शुभ	रोग 05-22 - 05-49 अशुभ

सरकार ने चीनी के एक्सपोर्ट पर लगाई रोक, ईरान युद्ध के बीच क्यों आई ऐसी नौबत?

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। भारत ने चीनी के निर्यात रोक दिया है। सरकार ने एक नोटिफिकेशन में कहा कि फिलहाल 30 सितंबर या अगले आदेश तक देश से चीनी के निर्यात को रोका गया है।

भारत दुनिया में चीनी का दूसरा बड़ा उत्पादक है और देश में चीनी की कीमत बढ़ने से रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।

इस साल अल नीनो के कारण मॉनसून के प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इससे अगले सत्र में चीनी का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इससे कीमतों में उछाल आ सकती है। इसके मद्देनजर सरकार ने चीनी का एक्सपोर्ट रोकने का फैसला किया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के इस कदम से सफेद और रॉ शुगर की वैश्विक कीमतों को सपोर्ट मिल सकता है। साथ ही ब्राजील और

थाईलैंड जैसे देशों से एशिया और अफ्रीका के खरीदारों को निर्यात बढ़ेगा। ब्राजील के बाद भारत दुनिया में चीनी का दूसरा बड़ा निर्यातक है। सरकार ने चीनी मिलों को 1.59 मिलियन टन चीनी एक्सपोर्ट करने की अनुमति दी थी। माना जा रहा था कि उत्पादन घरेलू मांग से ज्यादा रहेगा। लेकिन लगातार दूसरे साल उत्पादन के खपत से कम रहने का अनुमान है।

क्या है नोटिफिकेशन?

डीलरों का कहना है कि ट्रेडर्स ने करीब 800,000 टन एक्सपोर्ट के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन कर दिए हैं और इसमें से 600,000 टन से अधिक चीनी एक्सपोर्ट की जा चुकी है। सरकार का कहना है कि रॉ और सफेद शुगर का एक्सपोर्ट रोका गया है। कुछ शर्तों के साथ एक्सपोर्ट की अनुमति होगी। अगर नोटिफिकेशन से पब्लिकेशन से पहले लोडिंग हो चुकी है तो इसके एक्सपोर्ट की अनुमति होगी। नोटिफेकिशन के मुताबिक अगर शिपिंग बिल फाइल कर दिया गया है और जहाज भारतीय बंदरगाह पर लंगर डाल चुका है तब भी चीनी के एक्सपोर्ट की इजाजत दी जाएगी। अगर शुगर को कस्टम या कस्टोडियन को सौंपा जा चुका है तब भी शिपमेंट को क्लीयर कर दिया जाएगा।

चीनी का एक्सपोर्ट

सरकार ने चीनी के एक्सपोर्ट पर सितंबर तक रोक लगा दी है देश में चीनी का उत्पादन इस साल कम रहने का अनुमान है अल नीनो प्रभाव के कारण मॉनसून के प्रभावित होने की आशंका ब्राजील के बाद भारत चीनी का दूसरा बड़ा उत्पादक और निर्यातक

सरकार ने 1.59 मिलियन टन चीनी के एक्सपोर्ट का अनुमति दी थी

ट्रेडर्स की मुश्किल

मुंबई में एक ग्लोबल ट्रेड हाउस के डीलर ने कहा कि सरकार ने फरवरी में पर्याप्त एक्सपोर्ट कोटा दिया था। इससे ट्रेडर्स ने एक्सपोर्ट डील साइन की थी। अब ट्रेडर्स के लिए एक्सपोर्ट ऑर्डर पूरा करना बड़ी चुनौती होगी।

भारत के चीनी का एक्सपोर्ट रोकने के फैसले के बाद न्यूयॉर्क में रॉ शुगर फ्यूचर्स में 2 फीसदी से अधिक तेजी आई है जबकि लंदन वाइट शुगर फ्यूचर्स तीन फीसदी उछला है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है । आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे ।

श्री पंचांगुली ज्योतिष केन्द्र

गेम्सक्राफ्ट पर ईडी की बड़ी कार्रवाई: 526 करोड़ रुपये के बैंक जमा फ्रीज, तीन संस्थापक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्सक्राफ्ट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। निदेशालय ने धन शोधन मामले में कंपनी के 526 करोड़ रुपये के बैंक जमा फ्रीज कर दिए हैं। इसके साथ ही 3.5 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 11 लाख रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई है।

बेंगलुरु स्थित इस कंपनी के खिलाफ 7 मई को दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में तलाशी अभियान शुरू हुआ था। यह अभियान 13 मई को समाप्त हुआ। तलाशी के दौरान बैंक जमा, बॉन्ड और सावधि जमा जैसे चल संपत्ति कुल 526.49 करोड़ रुपये के फ्रीज किए गए। छापेमारी के बाद निदेशालय ने कंपनी के तीन संस्थापकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए संस्थापकों में दीपक सिंह, पृथ्वी राज सिंह और विकास तनेजा शामिल हैं। केंद्रीय एजेंसी ने गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और अन्य संबंधित संस्थाओं के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया था। यह मामला धोखाधड़ी और ठगी से संबंधित कई पुलिस एफआईआर के आधार पर दर्ज किया गया था। गेम्सक्राफ्ट 'रमीकल्चर' और 'रमीटाइम ऐप' जैसे ऑनलाइन वास्तविक धन वाले खेल चलाती है। सरकार ने अगस्त 2025 में ऑनलाइन धन वाले खेलों पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रवर्तन निदेशालय ने गेम्सक्राफ्ट के खिलाफ व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान कंपनी के विभिन्न बैंक खातों में जमा 526 करोड़ रुपये की राशि फ्रीज की गई। इसके अतिरिक्त, 3.5 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण भी जब्त किए गए हैं। साथ ही, 11 लाख रुपये की नकदी भी बरामद की गई है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत की गई है।

निदेशालय ने धोखाधड़ी और ठगी से जुड़ी कई पुलिस एफआईआर का संज्ञान लिया था। इन्हीं एफआईआर के आधार पर गेम्सक्राफ्ट के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया गया। तलाशी अभियान के बाद कंपनी के तीन प्रमुख संस्थापकों को गिरफ्तार किया गया। इनमें दीपक सिंह, पृथ्वी राज सिंह और विकास तनेजा शामिल हैं। गेम्सक्राफ्ट ऑनलाइन वास्तविक धन वाले खेलों का संचालन करती है, जिन पर अगस्त 2025 से प्रतिबंध है।

पेट्रोल-डीजल की केरल में राशनिंग?

एक व्यक्ति को 5,000 से ज्यादा का पेट्रोल नहीं मिलेगा

कोच्चि, 14 मई (एजेंसियां)। केरल में डीजल और पेट्रोल की राशनिंग होने लगी है? दक्षिणी राज्य में पेट्रोल पम्पों पर कथित तौर पर बल्क फ्यूल की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। इसमें बताया गया है कि इस समय किसी ग्राहक को अधिकतम 200 लीटर डीज़ल ही दिया जा रहा है। यदि वे पेट्रोल खरीदते हैं तो उन्हें करीब 5,000 रुपये तक का यह ईंधन मिलेगा।

क्यों हुई है राशनिंग

इस रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोल-डीजल की सप्लाई सुनिश्चित करने और ज्यादा डिमांड के बीच पेट्रोल पम्पों पर अचानक स्टॉक की कमी को रोकने के लिए ऐसा किया गया है। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच देश में हो रही कच्चे तेल की कमी के बीच पेट्रोल-डीजल बेचने वाली कंपनियां इस समय लॉन्गर सप्लाई विंडो के बजाय अल्पकालीन मांग को देख कर आपूर्ति कर रही हैं। इसलिए पम्प को अगले कुछ दिन के स्टॉक ही मिल पा रहे हैं। इस समय ईंधन की आपूर्ति के लिए अग्रिम भुगतान की तो आवश्यकता होती ही है, इसके साथ ही क्रेडिट पर

आधारित सप्लाई सिस्टम को खत्म कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि इस व्यवस्था से फ्यूल स्टेशन के लिए काम करना थोड़ा कठिन हो गया है। उल्लेखनीय है कि केरल में करीब 2,500 पेट्रोल पम्प हैं। इनमें से कई नियमित टैंकर डिलीवरी पर निर्भर हैं। इन्हें एक बार में 12,000 लीटर से 24,000 लीटर तक ईंधन मिलता है।केंद्र सरकार के पेट्रोलियम मिनिस्ट्री का कहना है कि देश भर में कहीं भी पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। हालांकि, अधिकारी बताते हैं कि लॉजिस्टिक वजहों से ईंधन की सप्लाई में अस्थायी व्यवधान हो सकता है। दूसरी तरफ केरल स्टेट पेट्रोलियम ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने बताया है कि ये प्रतिबंध लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए है।

ईरान युद्ध का दिखने लगा असर, अप्रैल में 42 महीने की ऊंचाई पर पहुंची थोक महंगाई

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। मध्य-पूर्व में तनाव के बीच अप्रैल में भारत की थोक महंगाई दर तेजी से बढ़कर 8.3% हो गई, जो मौजूदा सीरीज में सबसे ज्यादा है। इसकी मुख्य वजह ईंधन और कच्चे तेल की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी है, जिसका असर पूरी इकोनॉमी पर देखने को मिल रहा है।

महंगाई 42 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। इससे पहले मार्च महाने में थोक महंगाई की दर 3.88 फीसदी थी, जो अप्रैल में तेजी से बढ़ी है।थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर मार्च के 3.88% से बढ़कर अप्रैल में 8.3% हो गई। इसकी मुख्य वजह मिनरल ऑयल, कच्चा पेट्रोलियम और नेचुरल गैस, मेटल और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी है। ये आंकड़े रिटेल और थोक महंगाई के ट्रेंड्स के बीच बढ़ते अंतर को दिखाते हैं। अब प्रोड्यूसर्स की लागत तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि ग्लोबल कमोडिटी और एनर्जी की ऊंची कीमतें डोमेस्टिक सप्लाई चेन में भी असर डाल रही हैं। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है, जब सरकार ने वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) के दामों में ज्यादा बदलाव नहीं किया है।

इससे आम लोगों पर ईंधन महंगा होने का सीधा असर फिलहाल नहीं पड़ा है। हालांकि, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा कीमतों का दबाव लगातार बढ़ रहा है।

कच्चे तेल और फ्यूल की कीमतों से आया उछाल

फ्यूल और पावर कैटेगरी में अप्रैल के दौरान ऊर्जा से जुड़े प्रमुख उत्पादों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली। एलपीजी की महंगाई दर मार्च में 1.54% की गिरावट से बढ़कर अप्रैल में

10.92% पर पहुंच गई। वहीं, पेट्रोल की महंगाई दर 2.50% से बढ़कर 32.40% हो गई। हाई-स्पीड डीजल की महंगाई भी मार्च के 3.26% से बढ़कर अप्रैल में 25.19% हो गई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और भू-राजनीतिक तनाव के कारण अप्रैल में फ्यूल और पावर महंगाई दर 1.05% से बढ़कर 24.71% पर पहुंच गई। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की महंगाई दर 67.18% तक उछल गई। वहीं, पेट्रोल की महंगाई 32.4% और हाई-स्पीड डीजल की 25.19% रही। महीने-दर-महीने आधार पर फ्यूल और पावर की कीमतों में 18.22% की बढ़ोतरी हुई, जिसने अप्रैल में थोक महंगाई बढ़ने में सबसे बड़ा योगदान दिया।

रिटेल महंगाई में भी हुआ है इजाफा

सरकारी आंकड़ों को देखें तो अप्रैल के महीने में देश में रिटेल महंगाई 3.48 फीसदी पर आ गई है। जबकि मार्च के महीने में ये आंकड़ा 3.40 फीसदी पर थी। वैसे अक्टूबर 2025 के महीने में देश में रिटेल महंगाई 0.25 फीसदी पर आ गई थी। उसके बाद से इसमें लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। नवंबर के महीने में ये आंकड़ा 0.71 फीसदी पर आया। दिसंबर के महीने में 1.33 फीसदी पर देखने को मिला। जनवरी के महीने में रिटेल महंगाई 2.74 फीसदी पर देखी गई। जबकि फरवरी में रिटेल महंगाई का आंकड़ा 3.21 फीसदी पर आ गया है।

नीट-यूजी का लीक पेपर राजस्थान तक कैसे पहुंचा
सीकर के बच्चों के हाथ कैसे लगा?

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में की जांच तेज है. सीबीआई ने अब तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया है. 3 मई को एग्जाम हुआ था. जिसके बाद पेपर लीक की जानकारी सामने आई और सरकार ने पेपर कैंसिल कर दिया. सोचिए उन 23 लाख के करीब बच्चों का क्या, जिन्होंने दिन रात एक कर जी तोड़ मेहनत से पढ़ाई की थी. बता दें कि ये पेपर राजस्थान से लीक हुआ था. इस बीच सवाल ये है कि आखिर नीट का पेपर राजस्थान पहुंचा कैसे?

एजेंसियों की जांच में पता चला है कि नीट-यूजी का पेपर यश यादव के जरिए राजस्थान तक पहुंचा था. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यश की पहचान विकास बिवाल से थी. जांच के मुताबिक, विकास बिवाल के पिता दिनेश बिवाल ने ही पेपर की हार्डकॉपी को स्कैन के जरिए पीडीएफ फाइल में कनवर्ट किया था. आरोप है कि इसके बाद ही नीट का लीक पेपर सीकर के कोचिंग सेंटरों में पढ़ने वाले कई छात्रों तक पहुंचाया गया.

पेपर के बदले लिए 2 से 5 लाख रुपये

सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, पूछताछ में छात्रों ने ये बात खुद बताई है कि लीक पेपर के बदले उनसे 2 से 5 लाख रुपये की रकम ली गई थी. नीट पेपर लीक नेटवर्क का मास्टरमाइंड नासिक के

शुभम खैरनर को बताया जा रहा है. हालांकि उसने खुद का मास्टरमाइंड मानने से इनकार कर दिया है.

बता दें कि नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने 12 मई को केस दर्ज किया था. इस मामले में अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 3 आरोपी राजस्थान के जयपुर से और 1 आरोपी हरियाणा के गुरुग्राम से और एक अन्य आरोपी महाराष्ट्र के नासिक से पकड़ा गया है. अब पुणे से एक और संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है. आरोपी शुभम खैरनर को नासिक से, मंगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल को जयपुर से और यश यादव को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया है. अधिकारियों ने बताया कि कई अन्य संदिग्धों से विभिन्न शहरों में पूछताछ की जा रही है और उन्हें बाद में गिरफ्तार किया जा सकता है.

सीबीआई ने संदिग्धों से मोबाइल फोन और लैपटॉप समेत कई डि जि ट ल उपकरण जब्त किए हैं, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा ताकि उन मैसेजिंग ऐप का पता लगाया जा सके जिनका इस्तेमाल प्रश्न पत्रों को भेजने के लिए किया गया हो.

हरियाणा से जुड़े सिंडिकेट ने 10 से 15 लाख रुपये में बेचा पेपर

जांच एजेंसियों के मुताबिक, जयपुर और हरियाणा से जुड़े सिंडिकेट ने नीट का पेपर 10 से 15 लाख रुपये में बेचा. वहीं कुछ मामलों में इसे 25 से 30 लाख रुपये तक में खरीदा गया. एक ही पेपर को कई छात्रों तक बेचकर गिरोह ने करोड़ों रुपये का नेटवर्क खड़ा कर लिया, जिसके ठोस सबूत एजेंसियों के पास मौजूद हैं.

सीकर के छात्र को कैसे मिला लीक पेपर?

एसओजी के महानिरीक्षक अजय पाल लांबा ने बताया कि सीकर के छात्र को लीक पेपर सबसे पहले अपने एक दोस्त से मिला, इसे उसने सीकर में दूसरों के साथ साझा किया. इसके बाद यह दस्तावेज कोचिंग कर रहे कई छात्रों तक पहुंचा और फिर 3 मई को परीक्षा से पहले जयपुर और आस-पास के इलाकों के अभ्यर्थियों तक भी पहुंच गया.

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि केरल वाले छात्र ने यह 'गेस पेपर' सीकर के एक हॉस्टल मालिक और अपने कुछ दोस्तों को भेजा. हॉस्टल मालिक ने हॉस्टल में रहने वाले छात्रों के साथ यह 'गेस पेपर' साझा करते हुए कहा था कि यह उनके काम आ सकता है. बाद में खुद हॉस्टल मालिक ने ही स्थानीय पुलिस को इस 'गेस पेपर' के बारे में सूचना दी. अधिकारी ने बताया कि उसने बताया था कि बड़ी संख्या में छात्रों को एक 'क्वेश्चन बैंक' (प्रश्न संग्रह) बांटा गया है. अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान पहुंचने से पहले इसे कथित तौर पर हरियाणा के गुरुग्राम में रहने वाले एक व्यक्ति के जरिए भेजा गया था.

केरल से नीट का पेपर लीक होने का दावा

बता दें कि राजस्थान के सीकर के केमिस्ट्री के टीचर, व्हिसल ब्लोअर ने ही सबसे पहले पेपर लीक की शिकायत जांच एजेंसियों से की थी. जांच प्रभावित न हो इसीलिए उनका असली नाम उजागर नहीं किया गया है. बीजेपी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दावा किया है कि नीट का प्रश्नपत्र राजस्थान में लीक नहीं हुआ. उनका आरोप है कि पेपर लीक की शुरुआत केरल से हुई थी.

राजस्थान के 60 युवाओं से जासूसी करवा रहा पाक आतंकवादी, एटीएस की एक साथ 20 जिलों में छापेमारी

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय एजेंसियों के इनपुट पर राजस्थान एटीएस ने प्रदेश के 20 जिलों में करीब 60 ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई पाकिस्तान में बैठे कुख्यात आतंकी शहजाद भट्टी के सोशल मीडिया नेटवर्क से जुड़े संदिग्धों के खिलाफ की गई। एटीएस और जिला पुलिस टीमों ने करीब 55 से 60 युवाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है तथा उनके मोबाइल फोन और डिजिटल गतिविधियों की जांच की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार शहजाद भट्टी का नेटवर्क 'पे-पर-टास्क' मॉडल पर काम कर रहा था। सोशल मीडिया, डार्क वेब ब्राउजर, ऑटो-डिलीट चैट एप और गेमिंग सर्वर आधारित प्राइवेट चैट रूम के जरिए युवाओं व नाबालिगों से संपर्क किया जाता था। जांच एजेंसियों के मुताबिक देशभर में करीब 900 और राजस्थान में लगभग 60 युवा इस नेटवर्क के संपर्क में पाए गए हैं। शहजाद भट्टी को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआइ से जुड़ा आतंकी माना जाता है।

पाकिस्तान में बैठे कुख्यात आतंकी शहजाद भट्टी ने भारतीय युवाओं को सोशल मीडिया के जरिए रिक्रूट करने का नया तरीका अपनाया है। वह युवाओं को रुपयों का लालच देकर अपने जाल में फंसाता है। उन्हें पैसे, ऑनलाइन गेम और गैंगस्टर ग्लैमर का लालच देकर संवेदनशील सरकारी और सामरिक स्थलों की फोटो-वीडियो जुटाने के काम सौंपे जाते थे। हथियार व ड्रग्स तस्करी भी करवाता है। सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए यह गैंग डार्क वेब ब्राउजर, ऑटो-डिलीट चैट ऐप्स और गेमिंग सर्वर आधारित प्राइवेट चैट रूम का इस्तेमाल कर रहा था।

इधर, राजस्थान पुलिस ने संगठित अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क की कमर तोड़ने के लिए राज्यव्यापी स्पेशल ऑपरेशन चलाया है। 9 मई से 11 मई तक चले तीन दिवसीय विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने प्रदेशभर में 1617 अपराधियों को गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. ने बताया कि प्रदेश के सभी जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ समन्वय कर एक साथ हजारों ठिकानों पर दबिश दी गई। अभियान के तहत फरार चल रहे 608 इनामी अपराधियों को टारगेट किया गया, जिनमें से 270 को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी के साथ थानों और वृत्तों की टॉप-10 सूची में शामिल 1250 बदमाशों की तलाश की गई, जिसमें से 712 अपराधी धरे गए।

कार्रवाई के दौरान 294 लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया गया। आर्म्स एक्ट के तहत 1124 संदिग्धों की जांच कर 417 को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान 121 नए मामले दर्ज कर बड़ी संख्या में अवैध हथियार बरामद किए गए। साथ ही 605 हार्डकोर अपराधियों के ठिकानों पर छापेमारी कर 163 को गिरफ्तार किया गया, जबकि 195 के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस ने गैंगस्टरों के डिजिटल नेटवर्क पर नजर रखते हुए उन्हें फॉलो करने वाले 139 लोगों के ठिकानों पर दबिश दी, जिनमें से 55 को गिरफ्तार किया गया।

कांग्रेस नेता के घर ताबड़तोड़ फायरिंग में पंजाब कनेक्शन? पुलिस मुठभेड़ में बदमाश घायल

चूरू, 14 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के चूरू जिले में गुरुवार सुबह हड़कंप मच गया। दरअसल बदमाशों ने कांग्रेस नेता और पूर्व पार्षद राजेन्द्र बबेरवाल के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना चूरू जिले के रतनगढ़ कस्बे की है। जहां अलसुबह करीब 5 बजे बदमाश आए और फायरिंग शुरू कर दी। एक दर्जन से अधिक राउंड फायरिंग होने से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह अधिकांश लोग घरों में सो रहे थे। अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने घरों से बाहर निकलकर देखा तो बदमाश फायरिंग कर मौके से भाग रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जिलेभर में नाकाबंदी करवा दी। फायरिंग के बाद बदमाश चूरू-तारानगर रोड की तरफ भागे। इसी दौरान पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। पीछा करते समय पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार बदमाशों ने पुलिस टीम पर भी फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश को गोली लगी।

मुठभेड़ में घायल बदमाश की पहचान अनमोल के रूप में हुई है। उसे तुरंत रतनगढ़ के भरतिया अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उसका इलाज जारी है। दूसरे आरोपी रोहित को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। घटना के बाद अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने अस्पताल और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी।

पुलिस और बदमाशों के बीच हुई फायरिंग में दो पुलिस जवान भी घायल हुए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाश पंजाब के बताए जा रहे हैं। पुलिस को आशंका है कि बदमाशों ने वीडियो कॉल के जरिए पूर्व पार्षद राजेन्द्र बबेरवाल के घर की लोकेशन और अन्य जानकारी जुटाई थी। घटना के समय राजेन्द्र बबेरवाल रतनगढ़ में मौजूद नहीं थे। बताया जा रहा है कि वे सूरत गए हुए हैं। फिलहाल आगे की कार्रवाई की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि फायरिंग किस वजह से करवाई और बदमाश किस गिरोह से जुड़े हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम भजनलाल शर्मा ने की 'कारपूलिंग'

मेड़ता/जोधपुर, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल बचाने और ऊर्जा संरक्षण की हालिया अपील का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। गुरुवार को नागौर जिले के मेड़ता में एक खास नजारा देखने को मिला, जब देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संसाधनों की बचत का संदेश देते हुए 'कारपूलिंग' की। दोनों दिग्गज नेता हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक एक ही गाड़ी में सवार होकर पहुंचे। आमतौर पर वीवीआईपी दौरों में सुरक्षा कारणों से वाहनों का लंबा काफिला चलता है, जिसमें 15 से 20 गाड़ियां शामिल होती हैं। लेकिन मेड़ता दौरे पर प्रधानमंत्री की अपील को सर्वोपरि रखते हुए काफिले को बेहद छोटा रखा गया। पूरे दौरे के दौरान काफिले में महज 6 गाड़ियां नजर आईं। गौरतलब है कि स्वयं पीएम मोदी ने भी अपने काफिले को छोड़कर मात्र 2 गाड़ियों के साथ सफर कर इस मुहिम की शुरुआत की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दोपहर 12:15 बजे मेड़ता के डांगावास स्थित हेलीपैड पहुंचे। यहां से दोनों नेता एक ही वाहन में सवार होकर सबसे पहले प्रसिद्ध चारभुजा नाथ मंदिर पहुंचे। मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना के बाद, उन्होंने मेड़ता के संस्थापक राव दूदा की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने राव दूदा के शौर्य और भक्ति की विरासत को नमन किया।

187 आरएएस अफसरों के तबादले
कार्मिक विभाग ने जारी किए अदेश

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में पिछले दिनों कई जिलों के कलेक्टर बदले जाने के बाद एक बार फिर प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव हुआ है। राज्य सरकार ने इसी क्रम में एक बड़ा कदम उठाया है। हाल ही में हुए 16 आरपीएस अधिकारियों के तबादलों के बाद, प्रदेश में 187 आरएएस अधिकारियों की जंबो ट्रांसफर लिस्ट जारी की गई है। लगभग छह महीने के लंबे अंतराल के बाद शासन स्तर पर इतना बड़ा फेरबदल देखने को मिला है।

नवंबर 2025 के बाद बड़ा फेरबदल

बता दें कि आरएएस अधिकारियों के तबादले में लंबे समय बाद बड़ा फेरबदल हुआ है। इससे पहले नवंबर 2025 में केवल 22 आरएएस अधिकारियों का तबादला हुआ था। अब 6 महीने बाद एक साथ 187 अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है। इस लिस्ट में रिक्त पदों पर नियुक्तियां भी दी गई है, जो पिछले काफी समय से रिक्त चल रहे थे। इस फेरबदल का सीधा असर उपखंड स्तर पर पड़ा है, जहां कई जिलों के एसडीएम बदल दिए गए हैं।

जयपुर सहित कई जिलों में पड़ेगा असर

उल्लेखनीय है कि आरएएस अधिकारियों के तबादले से जयपुर सहित कई बड़े शहरों पर असर पड़ा है। मुख्य रूप से जयपुर के अलावा जोधपुर, अजमेर अलवर, धौलपुर, टोंक और हनुमानगढ़ में भी बड़े प्रशासनिक फेरबदल किए गए हैं। कई विभागों के अधिकारी बदले हैं। आरएएस अधिकारियों की इस नई सूची से राजस्व और सामान्य प्रशासन की कमान भी नए हाथों में सौंप दी गई है। नए अधिकारियों को भी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

स्थानीय निकाय विभाग के उपनिदेशक विनोद कुमार पुरोहित को राजस्थान रोडवेज में कार्यकारी निदेशक (ट्रैफिक) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। झुंझुनूं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाशचंद यादव को कॉलेज शिक्षा विभाग में अतिरिक्त आयुक्त बनाया गया है।

जोधपुर डिस्कॉम के सचिव अमानुल्लाह खान को आयुर्वेद विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार लगाया गया है, जबकि अखिलेश कुमार पीपल को जोधपुर डिस्कॉम का नया सचिव बनाया गया है।

रेप केस में नाम नहीं आएगा, बस तीन लाख दे दो!
एसएचओ ने मांगे पैसे, परिवादी ने करा दिया एसीबी से ट्रेप

प्रतापगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी स्ट्राइक की है। एसीबी की डूंगरपुर इकाई ने धोलापानी थानाधिकारी प्रवीण कुमार चारण को 2,87,150 रुपये की संदिग्ध रिश्वत राशि के साथ डिटेन किया है। यह कार्रवाई निम्बाहेड़ा हाईवे पर नरसिंहपुरा टोल नाके के पास अंजाम दी गई। इस मामले में पुलिस कार्रवाई कर रही है और पूरे घटनाक्रम की जानकारी डीजी एसीबी को भी दी गई है। आज एसएचओ के ठिकानों पर भी सर्च करने की योजना है। एसीबी मुख्यालय के अनुसार, परिवादी ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके भाई के विरुद्ध पुलिस थाना धोलापानी में बलात्कार का एक मामला दर्ज है। इस मामले में मदद करने, भाई के साथ मारपीट न करने और परिवादी के पिता को केस में न फंसाने की एवज में थानाधिकारी प्रवीण कुमार चारण (पुलिस निरीक्षक) द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी। परिवादी ने एसीबी अधिकारियों को जानकारी दी कि एसएचओ उनसे करीब तीन लाख रूपए मांग रहे थे और कह रहे थे कि रूपए नहीं दिए तो परेशानी उठानी पड़ सकती है। इस कारण परिवार डर गया और रूपयों का इंतजाम करने में जुट गया। लेकिन पूरे प्रयास के बाद भी तीन लाख रूपए जमा नहीं किए जा सके। जितना पैसा जमा हुआ सारा एक साथ ही एसएचओ को दे दिया गया। एसीबी उदयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में और डूंगरपुर एसीबी के पुलिस उप अधीक्षक रतनसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में जाल बिछाया गया। सूचना मिली कि थानाधिकारी रिश्वत की राशि लेकर निजी वाहन से यात्रा कर रहे हैं। एसीबी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नरसिंहपुरा टोल नाके (निम्बाहेड़ा हाईवे) पर आरोपी के निजी वाहन को रुकवाया। तलाशी लेने पर वाहन से 2,87,150/- रुपये बरामद हुए।

हाईकोर्ट सख्त: बिना अनुमति अब नहीं कटेगा खेजड़ी का पेड़

जोधपुर, 14 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने खेजड़ी पेड़ों की कटाई को लेकर दायर जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए निर्देश दिया है कि किसी भी पेड़ को कानून के तहत पूर्व अनुमति के बिना नहीं काटा जाए। इसकी सूचना राज्य सरकार की ओर से गठित समिति को भी दी जाए। कोर्ट ने 1730 में खेजड़ी पेड़ों की रक्षा के लिए खेजड़ली में हुए बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि शायद अब फिर समय आ गया है कि तत्कालीन महाराजा की तरह आज के शासक भी पर्यावरण संतुलन और पेड़ों की रक्षा के लिए फरमान जारी करें।

न्यायाधीश अरूण मोंगा और न्यायाधीश संदीप शाह की खंडपीठ ने कहा कि तकनीकी विकास के नाम पर प्रकृक्ति को नुकसान पहुंचाने के सवाल पर गंभीरता से विचार किए जाने की जरूरत है। खंडपीठ ने यह आदेश श्रीजंभेश्वर पर्यावरण एवं जीव रक्षा प्रदेश संस्था की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।

याचिका में कहा गया था कि राज्य सरकार की सोलर पावर नीति की आड़ में बड़े स्तर पर हरियाली खत्म की जा रही है और खेजड़ी के पेड़ों को काटा जा रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विजय बिश्नोई ने तर्क दिया कि प्रभावित भूमि अधिकतर बंजर है और खेजड़ी ही ऐसी प्रजाति है, जो क्षेत्र की कठोर जलवायु में जीवित रह सकती है।

दुर्लभ रेगिस्तानी वृक्ष

खंडपीठ ने कहा कि खेजड़ी पारिस्थितिकी महत्व का एक दुर्लभ रेगिस्तानी वृक्ष है, जो बहुत कम संख्या में उगता है। इसके बावजूद इसे काटने की योजना बनाई जा रही है। कारण सोलर पावर प्रोजेक्ट बताया जा रहा है। यह विडंबना चौंकाने वाली है। कोर्ट ने उम्मीद जताई कि समिति एक भी पेड़ की कटाई से बचने और अपूरणीय क्षति रोकने के लिए हर संभव विकल्प तलाशेगी।

धार्मिक और भावनात्मक आस्था

याचिका में यह भी कहा गया कि खेजड़ी पेड़ों का स्थानीय समुदायों की धार्मिक और भावनात्मक आस्था से गहरा संबंध है। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार ने मामले का संज्ञान लेते हुए 9 मार्च को एक विशेष समिति गठित कर दी है, जिसे पूरे मामले की जांच कर सुरक्षा उपायों और संभावित कानून का मसौदा तैयार करने का दायित्व दिया गया है।

स्कूल पिकनिक के दौरान 48 बच्चे बीमार
वाटर पार्क में खाने के बाद बिगड़ी तबीयत

श्रीगंगानगर, 14 मई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर के जैतसर स्थित जीनियस कान्वेंट स्कूल के करीब 48 बच्चें फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। स्कूल स्टाफ के साथ नेतेवाला वाटर पार्क घूमने आए बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत जिला हॉस्पिटल लाया गया । सभी बच्चों को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया है। डॉक्टरों की टीम लगातार बच्चों पर नजर रखे हुए है। घटना की जानकारी मिलते ही हॉस्पिटल सीएमएचओ ड़ॉ. अजय सिंगला, पीएमओ डॉ. सुखपाल सिंह बराड़ नर्सिंग ऑफिसर रविंद्र शर्मा भी इमरजेंसी वार्ड पहुंच गए और बच्चों के इलाज की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

जानकारी अनुसार- स्कूल प्रबंधन की ओर से बच्चों को आज (गुरुवार) सुबह पिकनिक के लिए नेतेवाला वाटर पार्क ले जाया गया था। वहां कुछ खाने-पीने के बाद बच्चों में उल्टी और पेट दर्द जैसे लक्षण दिखने लगे। स्कूल स्टाफ ने तुरंत बच्चों को जिला हॉस्पिटल पहुंचाया। फिलहाल सभी बच्चों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है, लेकिन डॉक्टर लगातार निगरानी कर रहे हैं। सीएमएचओ ड़ॉ. अजय सिंगला ने बताया- जैतसर के जीनियस कॉन्वेंट स्कूल से बच्चे पिकनिक मनाने के लिए श्रीगंगानगर के नेतेवाला में स्थित वाटर पार्क में आए हुए थे। जहां आकर इनकी तबियत बिगड़ गई। इनमें से कुछ बच्चे वाटर पार्क में नहाए थे, लेकिन फूड प्वाइजनिंग सभी बच्चों को हुई है।

जिनमें से 10-12 बच्चे ठीक हैं और 30 से 35 को एडमिट किया गया है जिनका इलाज चल रहा है। हालांकि, सभी की स्थिति ठीक है। अभी तक सामने आया कि बच्चों ने वाटर पार्क में कुछ नहीं खाया पिया था, जबकि रास्ते में एक जगह लस्सी पी थी। बाकी मामले की जांच की जा रही है। टीचर सोनाली शर्मा ने बताया- आज सुबह स्कूल से बच्चे टूर पर आए हुए थे। सभी सभी बच्चे क्लास 1 अब 8वीं तक के हैं। रास्ते में आते समय बच्चों ने स्नैक्स,चिप्स खाए थे। इसके बाद सभी ने बुड्ढाजोहड़ में लस्सी पी थी। घटना के बाद लोगों और अभिभावकों में आक्रोश है। अभिभावक सवाल उठा रहे हैं कि स्कूल प्रबंधन ने लापरवाही बरती है। बच्चों की देखभाल और खान-पान की व्यवस्था पर ध्यान दिया था। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मामले की जांच में जुट गई है। वाटर पार्क और आस-पास के खान-पान व्यवस्थापकों से पूछताछ की जा रही है। फूड सैंपलिंग के लिए भी टीम भेजी गई है।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के बड़े नेटवर्क का खुलासा
करोड़ों के लेनदेन के रिकॉर्ड जब्त, 3 सटोरिए गिरफ्तार

अजमेर, 14 मई (एजेंसियां)। अजमेर पुलिस ने आईपीएल मैचों पर चल रहे करोड़ों रुपए के ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे का बड़ा खुलासा करते हुए तीन सटोरियों को गिरफ्तार किया है। जिला स्पेशल टीम और कृष्णगंज थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से 2 लैपटॉप, 22 एंड्रॉयड मोबाइल, वाई-फाई सेटअप बॉक्स, वॉइस रिकॉर्डर, हिसाब-किताब की डायरी सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी राजस्थान के कई शहरों में फैले सट्टा नेटवर्क से जुड़े हुए थे और प्रतिदिन करोड़ों रुपए के दांव लगवा रहे थे।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक अजमेर रेंज राजेंद्र सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध गतिविधियों, जुआ और ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़, वृत्ताधिकारी शिवम जोशी, कृष्णगंज थाना प्रभारी अरविंद चारण और डीएसटी प्रभारी शंकर सिंह रावत के नेतृत्व में संयुक्त टीम का गठन किया गया था। एसपी अग्रवाला ने बताया कि 12 मई को डीएसटी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कृष्णगंज थाना क्षेत्र के बालाजी नगर स्थित एक मकान में आईपीएल मैचों पर बड़े स्तर पर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित किया जा रहा है।

पानी मांगने के बहाने घर में घुसे बदमाश, ग्राइंडर मशीन से वृद्धा के पैरों से चांदी के कड़े काटे

दौसा, 14 मई (एजेंसियां)। जिले के बसवा थाना क्षेत्र के गुढ़ाकटला कस्बे में दिनदहाड़े हुई सनसनीखेज वारदात ने इलाके में दहशत फैला दी। नारायणी माता सड़क मार्ग पर घर के बाहर चारपाई पर सो रही वृद्ध महिला के पैरों से बदमाश ग्राइंडर मशीन से चांदी के कड़े काटकर फरार हो गए। बाइक पर आए दो बदमाशों ने पानी मांगने के बहाने घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

बसवा थाना प्रभारी हनुमान सहाय ने बताया कि पीड़िता मनफूली योगी (80) दोपहर करीब 3 बजे अपने घर के आंगन में चारपाई पर सो रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश वहां पहुंचे। एक बदमाश ने महिला से पानी पिलाने के लिए कहा।

जैसे ही वृद्धा पानी देने के लिए उठीं, बदमाशों ने उनका मुंह दबाकर जबरन घर के अंदर ले गए। इसके बाद आरोपियों ने अपने साथ लाई इलेक्ट्रिक ग्राइंडर मशीन से महिला के बाएं पैर में पहना करीब 500 ग्राम वजनी चांदी का कड़ा काट लिया। बताया जा रहा है कि बदमाश दूसरे पैर का कड़ा काटने का प्रयास कर रहे थे, तभी वृद्धा के छोटे बेटे की बहू घर पहुंच गई। बहू को देखकर बदमाश घबरा गए और एक कड़ा लेकर मौके से फरार हो गए।

परिजनों के अनुसार ग्राइंडर मशीन से कड़ा काटने के दौरान धातु अत्यधिक गर्म हो गई, जिससे महिला के पैरों में गंभीर घाव और कई जगह फफोले पड़ गए। घायल अवस्था में वृद्धा को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के समय वृद्धा का पुत्र रामलाल योगी अपने रेस्टोरेंट पर था और परिवार के अन्य सदस्य भी घर पर मौजूद नहीं थे। बदमाशों ने इसी का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया।

सूचना मिलते ही बसवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी करवाई, लेकिन देर शाम तक बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

स्टेशनरी गोदाम में भीषण आग चार घंटे बाद पाया काबू

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। जयपुर के महेश नगर थाना इलाके की सूर्य नगर कॉलोनी में मकान में बने स्टेशनरी गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की बताई जा रही है। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकल आए। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि पुलिस और दमकल विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की करीब 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने में करीब चार घंटे तक लगातार मशक्कत करनी पड़ी।

वरिष्ठ अधिकारियों के देर से पहुंचने पर नाराज हुए सीएम

अमरावती, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडु ने सचिवालय में कैबिनेट बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों के देर से पहुंचने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और

विशेष मुख्य सचिव के. विजयानंद को स्पष्टीकरण मांगने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया।

गुरुवार को सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के साथ एजेंडा मदों की समीक्षा की और बाद में शासन और प्रशासनिक दक्षता से संबंधित हालिया घटनाक्रमों पर चर्चा की। हालांकि, ईंधन संरक्षण और संबंधित प्रशासनिक उपायों पर चर्चा के दौरान कई संबंधित अधिकारियों की अनुपस्थिति देखकर वे नाराज हो गए। खबरों के मुताबिक, मुख्यमंत्री उस समय नाराज हो गए जब ईंधन संरक्षण और प्रशासनिक दक्षता पर चर्चा के दौरान प्रमुख अधिकारी समय पर उपस्थित नहीं हुए, जबकि पहले ही निर्देश दिए गए थे कि इस मुद्दे को एजेंडा में सबसे ऊपर रखा जाए। सभी संबंधित अधिकारियों को पहले ही सूचित कर दिए जाने की जानकारी मिलने पर, चंद्रबाबू ने उच्च प्राथमिकता वाली सरकारी बैठकों में लापरवाही के खिलाफ चेतावनी दी और शासन में समय की पाबंदी, जवाबदेही और समय प्रबंधन पर जोर दिया।

रेवंत ने वीडी सतीशन को केरल का सीएम नियुक्त होने पर बधाई दी

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को केरल के मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त होने पर वी.डी. सतीशन को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने सतीशन की नियुक्ति को दशकों की समर्पित सार्वजनिक सेवा, सिद्धांतवादी राजनीति और केरल के लोगों के कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की एक योग्य मान्यता बताया। उन्होंने कहा कि केरल की जनता ने हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों के माध्यम से लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के मूल्यों में अपनी आस्था की पुष्टि की है, और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे को राज्य पर शासन करने का जनादेश सौंपा है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि मानव विकास, सार्वजनिक स्वास्थ्य, साक्षरता और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र के मामलों में केरल लंबे समय से देश के बाकी हिस्सों के लिए एक मिसाल रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सतीशान के नेतृत्व में, राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार सृजन और समान विकास में और भी अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा, साथ ही साथ पूरे संघ में अन्य राज्यों को प्रेरित करने वाले मानदंड स्थापित करना जारी रखेगा। मुख्यमंत्री ने इस बात की पुष्टि की कि तेलंगाना सरकार आपसी हित के मामलों पर, विशेष रूप से निवेश प्रोत्साहन, कौशल विकास, पर्यटन, ज्ञान आदान-प्रदान और सहकारी संघवाद के क्षेत्रों में, केरल की नई सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक है। मुख्यमंत्री ने कहा, तेलंगाना सरकार और जनता की ओर से, मैं वी.डी. सतीशन और केरल की जनता को प्रगति, समृद्धि और केरल की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपराओं को और अधिक मजबूत करने वाले कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

राजस्व निरीक्षक रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को वारंगल जिले के दुग्गोंडी मंडल से एक राजस्व निरीक्षक को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। दुग्गोंडी मंडल के तहसीलदार कार्यालय में कार्यरत आरोपी अधिकारी गट्टिकोपुला रामबाबू को एसीबी अधिकारियों ने उस समय रंगे हाथों पकड़ा जब उसने कथित तौर पर एक शिकायतकर्ता से क्षेत्रीय जांच करने, सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत करने और पैतृक संपत्ति के उत्परिवर्तन की प्रक्रिया करने के लिए रिश्वत की मांग की थी। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, ऑपरेशन के दौरान आरोपी के कब्जे से अवैध नकदी बरामद की गई। एसीबी ने कहा कि अधिकारी ने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया। उसे गिरफ्तार कर वारंगल में एसपीई और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है। मामले की जांच जारी है।

फॉर्मूला ई-रेस मामले में केटीआर को एसीबी कोर्ट का समन

31 जुलाई को पेश होने के निर्देश

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। के.टी. रामाराव (केटीआर) को फॉर्मूला ई-रेस से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामले में विशेष एसीबी कोर्ट ने समन जारी किया है। कोर्ट ने उन्हें 31 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। यह मामला हैदराबाद में पूर्व बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान आयोजित फॉर्मूला ई रेस इवेंट में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। एसीबी की ओर से आरोप लगाया गया है कि इस आयोजन के लिए नियमों के उल्लंघन के साथ लगभग 55 करोड़ रुपये के विदेशी भुगतान किए गए थे।

एजेंसी का यह भी दावा है कि एचएमडीए (हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी) के फंड्स को आवश्यक मंजूरी के बिना खर्च किया गया। जांच पूरी होने के बाद एसीबी ने अपनी चार्जशीट में केटीआर को मुख्य आरोपी के रूप में नामित किया है। राज्यपाल से अभियोजन स्वीकृति मिलने के बाद विशेष अदालत ने चार्जशीट का संज्ञान लेते हुए सुनवाई की प्रक्रिया शुरू की। कोर्ट ने इस मामले में नामित सभी आरोपियों वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार तथा पूर्व एचएमडीए मुख्य अभियंता बी. एल.एन. रेड्डी को भी 31 जुलाई को अदालत में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं।

धान खरीद व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा न आए : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि रबी (यासंगी) 2025-26 धान खरीद सीजन में सभी प्रक्रियाएं सुचारू रूप से संचालित की जाएं और प्रत्येक किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का पूरा लाभ सुनिश्चित किया जाए।

गुरुवार को मंत्री ने संयुक्त नलगोंडा और खम्मम जिलों में विभिन्न धान खरीद केंद्रों और राइस मिलों का दौरा कर जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार हर किसान से धान का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदेगी, चाहे फसल असमय बारिश से प्रभावित ही क्यों न हुई हो। कनागल मंडल के चेतला चेन्नाराम खरीद केंद्र पर निरीक्षण के दौरान मंत्री ने धान खरीद कार्यों का जायजा लिया और पश्चिम बंगाल से आए हमालियों से बातचीत की। उन्होंने उनके योगदान की सराहना करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी हमालियों के लिए बेहतर सुविधाएं और आवश्यक कल्याणकारी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके बाद मंत्री ने बालाजी राइस मिल का निरीक्षण कर धान मिलिंग प्रक्रिया और भंडारण व्यवस्था की समीक्षा की। खम्मम जिले के नायकंगुडेम धान खरीद केंद्र का भी दौरा कर उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि धान खरीद एवं परिवहन कार्यों को और तेज किया जाएगा। मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सभी धान उत्पादक जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिया कि परिवहन के लिए उपलब्ध सभी लॉरियों एवं डीसीएम वाहनों का पूर्ण उपयोग किया जाए तथा पुलिस एवं परिवहन विभाग के साथ समन्वय बनाकर निर्बाध लॉजिस्टिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर रेत परिवहन एवं अन्य गैर-प्राथमिक कार्यों में लगे वाहनों को भी अधिग्रहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीमेंट फैक्टरी प्रबंधन से भी अपील की कि वे किसानों की सुविधा के लिए अपने वाहनों को धान परिवहन हेतु उपलब्ध कराएं। मंत्री ने कहा कि जब तक अंतिम दाना नहीं खरीदा जाता, तब तक खरीद प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। इस अवसर पर सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, अनुसूचित जाति विकास, जनजातीय कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार तथा विधान परिषद अध्यक्ष गुत्ता सुकेंद्र रेड्डी उपस्थित रहे। नलगोंडा कलेक्ट्रेट में नागरिक आपूर्ति आयुक्त स्टीफन रविंद्र की उपस्थिति में नलगोंडा, सूर्यापेट और यादाद्री भुवनगिरि जिलों के कलेक्टरों के साथ विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई। खम्मम जिले में राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने भी धान खरीद केंद्रों का निरीक्षण किया।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण व गर्भपात कराने का आरोप, मामला दर्ज

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मधुरानगर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ शादी का वादा करके महिला का यौन शोषण करने और बाद में गर्भपात कराने के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पी. नरेश ने यूसुफगुडा की एक महिला से दोस्ती की और कथित रूप से शादी का भरोसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। महिला के गर्भवती होने पर आरोपी ने उसे ऐसी दवाइयां दीं, जिससे उसका जबरन गर्भपात हो गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि बाद में आरोपी दूसरी महिला के साथ रहने लगा। जब उसने इस बारे में सवाल किया तो आरोपी ने कथित रूप से उसके साथ मारपीट भी की।

पेपर लीक के खिलाफ हैदराबाद में छात्रों का प्रदर्शन

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नीट यूजी 2026 में कथित पेपर लीक के विरोध में गुरुवार को हैदराबाद के नारायणगुड़ा क्षेत्र में छात्रों और कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन दिशा स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन और नौजवान भारत सभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली और कथित लापरवाही के खिलाफ नारेबाजी की और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग की। दिशा स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन की ओर से महिपाल ने कहा कि एनटीए की लगातार विफलताएं यह साबित करती हैं कि वर्तमान परीक्षा प्रणाली छात्रों के हितों के बजाय मुनाफे और निजीकरण पर आधारित होती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक अनुमानित प्रश्नपत्र के असली परीक्षा पेपर से मेल खाने के बाद परीक्षा रद्द कर पुनर्परीक्षा की घोषणा की गई, जिससे 22 लाख से अधिक छात्रों पर असर पड़ा है। महिपाल ने कहा कि परीक्षाओं के बढ़ते निजीकरण और आउटसोर्सिंग ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है और जवाबदेही को कमजोर किया है, जिससे निजी कंपनियों, अधिकारियों, राजनीतिक लोगों और शिक्षा माफिया के बीच मिलीभगत से पेपर लीक जैसी घटनाएं हो रही हैं। नौजवान भारत सभा की ओर से सुहास ने कहा कि 2017 के पेपर लीक मामले, व्यापमं घोटाला तथा 2024 में नीट और यूजीसी नेट लीक जैसी घटनाएं यह दिखाती हैं कि परीक्षा प्रणाली में गहरी गड़बड़ियां और संगठित नेटवर्क सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि ये घटनाएं केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं हैं, बल्कि वर्तमान निजीकरण आधारित शिक्षा व्यवस्था की संरचनात्मक समस्या हैं, जिसका सबसे अधिक नुकसान ग्रामीण, गरीब और मेहनतकश छात्रों को उठाना पड़ता है। संगठन ने मांग की कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को भंग किया जाए, परीक्षाओं का निजीकरण और आउटसोर्सिंग बंद हो, दोषियों को कड़ी सजा दी जाए तथा प्रभावित छात्रों को मुआवजा दिया जाए।

भारतीय अध्ययन में मधुमेह रोगियों की हृदय सर्जरी को लेकर नया खुलासा

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के हृदय सर्जन डॉ. लोकेश्वर राव सज्जा के नेतृत्व में किए गए एक भारतीय अध्ययन ने मधुमेह रोगियों में हृदय शल्य चिकित्सा के मौजूदा वैश्विक मानकों को चुनौती दी है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वित्त पोषित पीआरओडीआईसीटी ट्रायल में 950 मधुमेह रोगियों को शामिल किया गया। अध्ययन के अनुसार बाईपास सर्जरी में कई धमनियों का उपयोग करना न केवल सुरक्षित है, बल्कि दीर्घकाल में बेहतर परिणाम भी देता है। अब तक परंपरागत रूप से सर्जन मधुमेह रोगियों में दोनों स्तन धमनियों के उपयोग से बचते थे और पैर की नसों का उपयोग करते थे, लेकिन शोध में पाया गया कि ये नसें समय के साथ जल्दी अवरुद्ध हो सकती हैं और जटिलताएं बढ़ा सकती हैं।

भारत के 15 अस्पतालों में किए गए पांच वर्षीय अध्ययन के पहले वर्ष के नतीजों में पाया गया कि इस्तेमाल की गई धमनियां 98 प्रतिशत तक खुली रहीं और उनका प्रदर्शन भी स्थिर रहा। शोध में यह भी सामने आया कि आधुनिक तकनीक से धमनियों के उपयोग में संक्रमण का जोखिम कम किया जा सकता है और स्ट्रोक का खतरा भी घटता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह तरीका भविष्य में मधुमेह रोगियों के लिए अधिक सुरक्षित और टिकाऊ विकल्प साबित हो सकता है।

संशोधित साइलेंसर वाली बाइकों पर पुलिस का अभियान, 451 मामले दर्ज

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि पुलिस ने ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले संशोधित साइलेंसर लगी मोटरसाइकिलों के खिलाफ बुधवार को विशेष अभियान चलाया। इस दौरान एक ही दिन में 451 मामले दर्ज किए गए और 76 संशोधित साइलेंसर जब्त किए गए। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कुल 6.14 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अधिकारियों के अनुसार तेज आवाज करने वाले वाहनों पर रोक लगाने और यातायात व प्रदूषण नियंत्रण नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया गया। यह जांच मलकाजगिरि, बेगमपेट, तिरमलगिरी, एलबी नगर और वनस्थलीपुरम समेत कई यातायात पुलिस थाना क्षेत्रों में की गई।

केटीआर की ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त से मुलाकात, निवेश और तकनीक सहयोग पर चर्चा

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन और कर्नाटक एवं तेलंगाना की महावाणिज्यदत हिलेरी मैकगीची ने गुरुवार को हैदराबाद के नंदीनगर स्थित आवास पर के.टी. रामाराव से मुलाकात की। इस बैठक में ऑस्ट्रेलिया और तेलंगाना के बीच निवेश अवसरों, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। खासकर आईटी क्षेत्र, हरित ऊर्जा, फार्मा, नवाचार और उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। रामाराव ने तेलंगाना में तेजी से विकसित हो रहे निवेश वातावरण और हैदराबाद के वैश्विक तकनीकी केंद्र के रूप में उभरने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य में अंतरराष्ट्रीय निवेश और रोजगार के नए अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। दोनों पक्षों ने उम्मीद जताई कि तेलंगाना और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग से युवाओं के लिए नए अंतरराष्ट्रीय अवसर पैदा होंगे और दोनों देशों के आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.12-2026 दि.12-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियन्ता/को-आर्ड./गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

बंद करने की तिथि व समयः 08/06/2026 at 15:00 hrs

1. निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-मध्य-2100 कार्य विवरणः जक्कलचेरुवु (जेकेओ)-गूटी (जीवाय)-रेणीगुन्टा (आरयु) सेक्शन में अप लूप लाइन की कामन लूप सुविधाओं हेतु क्रासओवर्स, कोण्डापुरम (केडीपी)-गूटी (जीवाय)-रेणीगुन्टा (आरयु) सेक्शन में डाउन लूप की कामन लूप सुविधा हेतु क्रासओवर्स। डीएचएनइ-जीटीएल सेक्शन (अप)-0.800 किमी, अप लाइन :364.100-364.900=0.800 किमी का सीटीआर (पी) कार्य। एनडीएल-डीएचएनइ सेक्शनः 1.530-डाउन लाइनः279.300-279.380= 0.080 किमी, 282.100-282.520= 0.420 किमी, 282.890-283.590=0.700 किमी, 284.800-284.870= 0.70किमी,अप लाइनः 288.790-289.050= 0.260किमी का टीआरआर(पी) कार्य। एनडीएल-डीएचएनइः 1.664 किमी -डाउनः277.78-278.039= 0.259 किमी, 279.92-280.286=0.366 किमी, 289.6-290.0=0.40 किमी, 296.047-296.302=0.255किमी, अपः289.050-289.434= 0.384 किमी का टीएमआर (पी)। कार्य। आरयु-जीटीएल सेक्शन (डाउन)-1.00 किमी. डाउन लाइनः341.00-342.00 =1.00किमी का टीएसआर (पी) कार्य। **विज्ञापित मूल्य रु.1,34,27,654.03 पैसे अग्रधन रु.2,68,600.00 पैसे**

2. निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-2101 कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजनः डीइएन/उत्तर/जीटीएल क्षेत्राधिकार में हगरी, वीरापुर & बन्टानहल स्टेशनों पर 03एम चौड़ा या वाइड एफओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। **विज्ञापित मूल्य रु.9,32,13,962.94पैसे अग्रधन रु.18,64,300.00 पैसे**

3. निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-2102 कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजनः डीइएन/उत्तर/जीटीएल क्षेत्राधिकार में गुलापाल्यम, वेन्कटम्पल्ले & खादरपेट स्टेशनों पर 03एम चौड़ा या वाइड एफओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। **विज्ञापित मूल्य रु.8,96,92,433.55पैसे अग्रधन रु.17,93,900.00 पैसे**

4. निविदा संख्याः इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-2103 कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजनः डीइएन/उत्तर/जीटीएल क्षेत्राधिकार में हनुमान सर्कल, नक्कनदोड्डी & बेलीनहल स्टेशनों पर 03एम चौड़ा या वाइड एफओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। **विज्ञापित मूल्य रु.9,16,44,182.94 पैसे अग्रधन रु.18,32,900.00 पैसे**

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु https://ireps.gov.in पर लागिन करें। किसी भी शुद्धिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

-विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुन्टकल

ई-निविदा आमंत्रण निविदा सूचना संख्याः - डीवाय.सीई-जीएस-बीजेडए-01, 02 & 03-2026-27 दि.11-05-2026 (ireps.gov.in के माध्यम से)

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य अभियन्ता, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, विजयवाडा द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदाकरण की खुली निविदा/एकल पैकेट/दो पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

1. **निविदा सं. & तिथिः** डीवाय.सीई-जीएस-बीजेडए-01-2026-27, दि.07-05-2026 **कार्य विवरणः** बीजेडए डिवीजन-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन-एडीइएन/टुनी सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/वर्क्स/टुनी सेक्शन में दुमंजिला या टू स्टोरी एस&टी स्टेशन बिल्डिंग का प्रस्तावित निर्माण कार्य (प्लान हेड-3300 के तहत पिन्क बुक 2022-23 संबध्द अम्ब्रेला वर्क)। **निविदा मूल्य रु.14822807.47 अग्रधन रु.296500.00 कार्य पूरा करने की अवधिः** 9 महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य बंद करने की तिथि व समयः 29-05-2026 के 15.00 बजे।

2. **निविदा सं. & तिथिः** डीवाय.सीई-जीएस-बीजेडए-02-2026-27, दि.11-05-2026 कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-1-बीजेडए डिवीजन-गुडूर (जीडीआर)-विजयवाडा (बीजेडए) सेक्शन-वेदायपालेम तथा नेल्लोर स्टेशनों के बीच रेलवे किमी 168/16-18 पर एलसी नं.112 के स्थान पर पुल के नीचे सडक (आरयुबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य एवं आरसीसी बाक्स साइज 1x6.0एमx4.80एम (बाक्स एयर पुशिंग पध्दति) सहित आरयुबी तथा रिटेनिन्ग वाल (ग्रैण्ड ट्रन्क रोड साइड पर & मिनी बायपास) कार्य। आईआरपीएसएम आईडी.11.00.30.13.1.47.021 वर्ष 2013-14 **निविदा मूल्य रु. 98057316.05 अग्रधन रु.1961200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः**9 महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. **शून्य बंद करने की तिथि व समयः 02-06-2026 के 15.00**

3. **निविदा सं. & तिथिः** डीवाय.सीई-जीएस-बीजेडए-03-2026-27, दि.11-05-2026 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन-विजयवाडा (बीजेडए)-गुडूर (जीडीआर) सेक्शन- वेदायपालेम तथा नेल्लोर स्टेशनों के बीच रेलवे किमी 169/24-26 पर एलसी नं.113 के स्थान पर पुल के नीचे सडक (आरयुबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य एवं आरसीसी बाक्स साइज 1x6.0एमx4.80एम (बाक्स एयर पुशिंग पध्दति) सहित आरयुबी तथा रिटेनिन्ग वाल (ग्रैण्ड ट्रन्क पर & मिनी बायपास रोड साइड) कार्य।आईआरपीएसएम आईडी.11.00.30.13.1.47.022 वर्ष 2013-14 **निविदा मूल्य रु. 101714446.55 अग्रधन रु.2034300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः**9 महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. **शून्य बंद करने की तिथि व समयः** 02-06-2026 के 15.00 बजे

1. बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें।
2. अग्रधन तथा निविदा दस्तावेज मूल्य का भुगतान, आनलाइन आईआरईपीएस पर उपलब्ध नेट बैन्किन्ग/ पेमेन्ट गेटवे सुविधाओं के माध्यम से ही करना चाहिए (या) बोली सुरक्षा के प्रति बैंक गारण्टी को, **एफए & सीएओ/सीओएन/एससी** के पक्ष में प्रस्तुत करना चाहिए।
3. निविदाकार अपने आफर्स को, आनलाइन में निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि के दौरान निविदा बंद होने की तिथि से पूर्व पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।
4. निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

-उप मुख्य अभियन्ता, गति शक्ति, विजयवाडा

ई-निविदा सूचना संख्याः 04/2026-27

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, विभागीय बिजली अभियन्ता (रखरखाव), गुंटूर द्वारा आईआरईपीएस पोर्टलः www.ireps.gov.in के माध्यम से निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

1. **निविदा संदर्भ संख्याः** जीएनटी-ई04-26-27 दि.09-05-2026 निविदा शीर्षकः (1) गुन्टूर पर रेलवे कालोनीज & स्टाफ क्वार्टर्स का सुधार कार्य। (2) गुन्टूर स्टेशन पर सभी प्लेटफार्म्स पर वाटरिंग अरेंजमेन्ट्स का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। **अनुमानित मूल्य रु.42,42,091.10 अग्रधन रु.84,900.00 निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु. शून्य**

ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः01-06-2026 के 15.30 बजे

अधिक संचार/शुद्धिपत्र को, केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

विभागीय बिजली अभियन्ता/रखरखाव/गुन्टूर

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू.III/निविदा सूचना/2026-27 दि.12-05-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय अभियन्ता, को-आर्ड., नान्देड, दक्षिण मध्य रेलवे दमरे द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

1. **निविदा संख्याः टी-202627-3-016 प्राधिकरणः को-आर्ड. कार्य विवरणः** (एसडब्ल्यू-I) हिंगोली स्टेशन पर गुड्स साइडिंग के समायोजन हेतु पुल सं. 869/1, 870/2 & 870/3 का विस्तार करना। (एसडब्ल्यू-II) एनडीः एमएमआर-एमयूइः कोडी-रंजनी स्टेशनों के बीच किमी 195/9-0 पर एलसी नं.86 के स्थान पर निर्मित आरयुबी पर शेष बचे हुए कार्यों के निर्माण हेतु प्रस्ताव। **निविदा मूल्य रु.53911582.49 अग्रधन रु.1078300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः छह महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य**

2. **निविदा संख्याः टी-202627-3-017 प्राधिकरणः को-आर्ड. कार्य विवरणः** पूर्णा-डीइएन पश्चिम विभाग में पुराने जीर्ण-शीर्ण क्वार्टर (5-टाइप-II तथा 5-टाइप-II) का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य। निविदा मूल्य रु.23799460.97 अग्रधन रु.476000.00 **कार्य पूरा करने की अवधिः 10 महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य**

3. **निविदा संख्याः टी-202627-3-018 प्राधिकरणः को-आर्ड. कार्य विवरणः** छत्रपति सम्भाजीनगर (सीएसएमएन)- सीएसएमएन पर 32 बिस्तरों से युक्त नये रनिंग रूम का निर्माण कार्य। निविदा मूल्य रु.29804695.51 अग्रधन रु.5961000.00 **कार्य पूरा करने की अवधिः नौ महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य**

1. **निविदा संख्याः** टी-202627-3-016 तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)- **पुल/ आरओबी/ आरयुबी निर्माण के साथ ओपन/** वेल/पाइल फाउण्डेशन कार्य से निहित कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

2. **निविदा संख्याः** टी-202627-3-017 तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)**- कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।**

3. **निविदा संख्याः** टी-202627-3-018 तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)- कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य **(ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।**

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

एसआर.डीइएन /को-आर्ड./नान्देड

निविदा सूचना सं. 56 से 58_डीआरएम_डब्ल्यू_ एचवायबी_ 26 दि.12-05-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे- दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से **दि.05-06-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।**

1. **निविदा संख्याः** 56 डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _26 **कार्य विवरणः** हैदराबाद डिवीजनः 1) सीडब्ल्यूएस एलजीडी पर कोरोसन शाप बे-7 (सी-11& सी-12 लाइन्स) का प्रस्तावित सुधार कार्य। 2) कैरेज वर्कशाप/एलजीडी पर कोरोसन शाप लाइन 1&2 शेड्स (बिजली विभाग)। 3) कैरेज वर्कशाप/एलजीडी पर शाट ब्लास्टिंग प्लान्ट 15x20 एम के बाजू बोगी वाशिन्ग प्लांट के समायोजन हेतु प्रस्तावित शेड कार्य। 4) सीडब्ल्यूएस/एलजीडी पर पिट लाइन में डी3 लाइन व्यवस्था करना। **अनुमानित मूल्य रु.4,88,76,897.00 अग्रधन रु.9,77,500.00**

2. **निविदा संख्याः** 57 डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _26 **कार्य विवरणः** हैदराबाद डिवीजनः डिजील लोको शेड/एमएलवाय पर सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट या गंदा पानी इलाज संयंत्र (150 केएलडी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.83,98,108.00 अग्रधन रु.1,68,000.00**

3. **निविदा संख्याः** 58 डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _26 **कार्य विवरणः** ए) एचवायबी डिवीजन- एडीइएन/एमइडी सेक्शन के तहत कट्टिंग लोकेशंस में प्रस्तावित साइड ड्रेन्स कार्य। (कुल लम्बाई-1800 आरएम) (11.03.31 .25.4.52.003) (लोकेशंस की जानकारी दी गयी है)। बी) एचवायबी डिवीजन- एडीइएन/एनजेडबी सेक्शन के तहत कट्टिंग लोकेशंस में प्रस्तावित साइड ड्रेन्स कार्य। (कुल लम्बाई-1800 आरएम) (11.03.31.25.4.52.004) (लोकेशंस की जानकारी दी गयी है)। सी) एचवायबी डिवीजन- एसआर.-डीइएन-नार्थ-एचवायबी सेक्शन में कटाई का मानकीकरण (11.03.31.25.4.52.005) (लोकेशंस की जानकारी दी गयी है)। **अनुमानित मूल्य रु.7,39,60,093.00 अग्रधन रु.14,79,200.00**

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद

A272

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सूचना सं. eT-BR-WAT-07-2026, दिनांक : 05.05.2026
कार्य का नाम : 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मण्डल अभियन्ता/ब्रिज/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरुकोंडा-विशाखापट्टनम-दुव्वाडा मेन लाइन एवं MYD यार्ड लाइन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ब्रिज/वाल्टियर के सेक्शन के अधीन ब्रिज कार्यों के निष्पादन के लिए ब्रिज जोनल (स्टील कार्य) ठेका।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 72,14,709.50, EMD : ₹ 1,44,300/-

(2) निविदा सूचना सं. eT-BR-WAT-08-2026, दिनांक : 05.05.2026
कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता (ब्रिज)/वाल्टियर के अधीन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ब्रिज/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन पलासा-विजयनगरम-विशाखापट्टनम-दुव्वाडा मेन लाइन एवं MYD, VSPS मेन लाइन के बीच वर्ष 2026-2027 में नियत विभिन्न स्टील गर्डर पुलों का थ्रु पेंटिंग।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 29,48,858.66, EMD : ₹ 59,000/-

(3) सूचना सं. eT-BR-WAT-09-2026, दिनांक : 08.05.2026
कार्य का नाम : 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मण्डल अभियन्ता/ब्रिज/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन पलासा-विजयनगरम मेन लाइन, लड्डा-विजयनगरम RV लाइन एवं नौपाड़ा-गुणुपुर NG लाइन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ब्रिज/विजयनगरम के सेक्शन के अधीन ब्रिज कार्यों के निष्पादन के लिए ब्रिज जोनल (स्टील कार्य) ठेका।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 63,00,000.00, EMD : ₹ 1,26,000/-

(4) सूचना सं. eT-BR-WAT-10-2026, दिनांक : 08.05.2026
कार्य का नाम : 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मण्डल अभियन्ता/ब्रिज/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन KR लाइन पर दामनजोड़ि-सिंगापुर रोड एवं RV लाइन पर थेरुबाली-लड्डा सेक्शन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ब्रिज/रायगड़ा के सेक्शन के अधीन ब्रिज कार्यों के निष्पादन के लिए ब्रिज जोनल (स्टील कार्य) ठेका।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,05,26,858.00, EMD : ₹ 2,10,500/-

(5) निविदा सूचना सं. eT-BR-WAT-11-2026, दिनांक : 08.05.2026
कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता (ब्रिज)/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ब्रिज/रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन वर्ष 2026-27 के लिए KR लाइन एवं RV लाइन में कोरापुट-सिंगापुर रोड एवं थेरुबाली-लड्डा स्टेशन के बीच विभिन्न स्टील गर्डर पुलों का थ्रु पेंटिंग।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 74,58,762.37, EMD : ₹ 1,49,200/-

(6) निविदा सूचना सं. eT-BR-WAT-12-2026, दिनांक : 08.05.2026
कार्य का नाम : 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मण्डल अभियन्ता/ब्रिज/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन KK-1 लाइन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ब्रिज/अरकु के सेक्शन के अधीन में ब्रिज कार्यों के निष्पादन के लिए ब्रिज जोनल (स्टील कार्य) ठेका।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 50,40,890.00, EMD : ₹ 1,00,800/-

(7) सूचना सं. eT-BR-WAT-13-2026, दिनांक : 08.05.2026
कार्य का नाम : 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मण्डल अभियन्ता/ब्रिज/ वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन KK-II लाइन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ब्रिज/जगदलपुर के सेक्शन के अधीन में ब्रिज कार्यों के निष्पादन के लिए ब्रिज जोनल (स्टील कार्य) ठेका।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 59,38,281.36, EMD : ₹ 1,18,800/-

(8) सूचना सं. eT-BR-WAT-14-2026, दिनांक : 08.05.2026
कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता (ब्रिज)/ वाल्टियर के अधीन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ ब्रिज/विजयनगरम एवं सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ ब्रिज/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ब्रिज/अरकु एवं जगदलपुर के अधीन में KK-1 लाइन में वर्ष 2026-27 के लिए कोतवलसा-मालिगुड़ा-किरंडुल स्टेशन के बीच विभिन्न स्टील गर्डर पुलों का थ्रु पेंटिंग।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 80,97,290.76, EMD : ₹ 1,62,000/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (सभी क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 02.06.2026 को 1500 बजे (निविदा सं. 1 एवं 2 के लिए) और 04.06.2026 को 1500 बजे (निविदा सं. 3 से 8 तक)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता (ब्रिज)/ वाल्टियर

PR-156/R/26-27

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-Central-WAT-13-2026 दिनांक: 06.05.2026
कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता /अरकु के अधिकार क्षेत्र के अधीन में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए वाल्टियर मण्डल के KK लाइन में कोत्तवलसा (EX) से शिमिलिपल्लि (IN) स्टेशन के बीच कि.मी. 03/0 से 64/0 तक वर्ष 2026-27 के लिए सिविल जोनल कार्यों का नियतकालिक रख-रखाव कार्य।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 87,50,235.35, EMD : ₹ 1,75,000/-

(2) सूचना सं.: eT-Central-WAT-14-2026 दिनांक: 06.05.2026
कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता /अरकु के अधिकार क्षेत्र के अधीन में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए वाल्टियर मण्डल के KK लाइन में चिमिडिपल्लि (EX) से अरकु (IN) स्टेशन के बीच कि.मी. 64/0 से 107/0 तक वर्ष 2026-27 के लिए सिविल जोनल कार्यों का नियतकालिक रख-रखाव कार्य।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,08,45,441.71, EMD : ₹ 2,16,900/-

(3) सूचना सं.: eT-Central-WAT-15-2026 दिनांक: 07.05.2026
कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता / कोरापुट के अधिकार क्षेत्र के अधीन में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए वाल्टियर मण्डल के KK लाइन में अरकु (EX) से माछकुण्ड रोड (IN) स्टेशन के बीच कि.मी. 107/0 से 165/10 तक वर्ष 2026-27 के लिए सिविल जोनल कार्यों का नियतकालिक रख-रखाव कार्य।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 75,20,825.34, EMD : ₹ 1,50,400/-

(4) सूचना सं.: eT-Central-WAT-16-2026 दिनांक: 07.05.2026
कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता / कोरापुट के अधिकार क्षेत्र के अधीन में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए वाल्टियर मण्डल के KK लाइन में माछकुण्ड रोड (EX) से मालिगुडा (IN) स्टेशन के बीच कि.मी. 165/10 से 218/04 तक वर्ष 2026-27 के लिए सिविल जोनल कार्यों का नियतकालिक रख-रखाव कार्य।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,11,03,048.57, EMD : ₹ 2,22,100/-

कार्य पुरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (सभी क्रम संख्याओं के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 29.05.2026 को 1500 बजे (सभी निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-153/R/26-27

कोहली के टी-20 में सबसे तेज 14 हजार रन

12वीं बार 400+ रन बनाए, आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले प्लेयर भी बने

रायपुर, 14 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हरा दिया। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में विराट कोहली ने कई रिकाड्र्स बना डाले।

कोहली ने नाबाद 105 रन की पारी खेली। इसी के साथ वे टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज 14 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली ने आईपीएल में 12वीं बार 400+ रन का आंकड़ा भी पार किया। वे लीग इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बने। विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। आरसीबी के लिए खेलते हुए उन्होंने अपना 279वां मुकाबला खेला और महेंद्र सिंह धोनी व रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। धोनी और रोहित ने आईपीएल में 278-278 मैच खेले हैं।

कोहली के नाम अब आईपीएल में 9000 से ज्यादा रन हो चुके हैं। उन्होंने 279 मैचों में 9 शतक और 66 फिफ्टी की मदद से 9145 रन बनाए हैं। कोहली ने आईपीएल में अपना 9वां शतक जड़ दिया और

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने के रिकॉर्ड को और मजबूत कर लिया। जोस बटलर 7 शतक के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

कोहली ने टी-20 क्रिकेट में अपना 10वां शतक भी लगाया। इसके साथ ही वह सबसे ज्यादा टी-20 सेंचुरी लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में डेविड वॉर्नर की बराबरी पर पहुंच गए। क्रिस गेल 22 शतकों के साथ इस फॉर्मेट में सबसे आगे हैं, जबकि बाबर आजम के नाम 13 सेंचुरी दर्ज हैं। कोहली ने रनचेज करते हुए आईपीएल में अपना तीसरा शतक लगाया। इसके साथ ही उन्होंने जोस बटलर की बराबरी कर ली। आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा चेजिंग सेंचुरी अब बटलर और कोहली के नाम हैं। विराट कोहली आईपीएल में दो अलग-अलग टीमों के खिलाफ 2-2 शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने गुजरात लॉयंस और कोलकाता नाइट राइडर्स, दोनों के खिलाफ दो-दो सेंचुरी लगाई हैं।

कोहली ने टी-20 क्रिकेट में 14 हजार रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह सबसे कम पारियों में इस आंकड़े तक पहुंचने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली ने यह उपलब्धि सिर्फ 409 पारियों में हासिल की। उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 423 पारियों में 14 हजार टी-20 रन पूरे किए थे। कोहली ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 'प्लेयर ऑफ द मैच' अवॉर्ड जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। कोलकाता के खिलाफ मैच जिताऊ शतक लगाने के बाद कोहली को 21वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अब उनके और रोहित शर्मा, दोनों के नाम आईपीएल में 21-21 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड हो गए हैं। इस लिस्ट में महेंद्र सिंह धोनी 18 अवॉर्ड के साथ तीसरे, जबकि रवींद्र जडेजा और केएल राहुल 17-17 अवॉर्ड के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

कोहली ने आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा सीजन में 400+ रन बनाने का रिकॉर्ड और मजबूत कर लिया। यह 12वां सीजन है, जब कोहली ने 400 से ज्यादा रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर 9 सीजन के साथ डेविड वॉर्नर हैं।

कोहली आईपीएल में कोलकाता के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। कोलकाता के खिलाफ शतक लगाने के बाद उनके इस टीम के खिलाफ 1126 रन हो गए।

आईपीएल में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी कोहली के नाम है। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 1174 और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 1172 रन बनाए हैं। भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में कोलकाता के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में युजवेंद्र चहल की बराबरी कर ली। दोनों गेंदबाजों के नाम अब 33-33 विकेट हो गए हैं। कोलकाता ने आईपीएल 2026 में पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट गंवाने वाली टीमों में दूसरा स्थान हासिल किया। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में 23 विकेट खोए हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस फेज में 24 विकेट लेकर दूसरी सबसे सफल गेंदबाजी टीम बनने का रिकॉर्ड बनाया।

कोलकाता के ओपनर्स इस सीजन लगातार संघर्ष करते नजर आए हैं। टीम की ओपनिंग साझेदारियों ने 11 पारियों में सिर्फ 248 रन जोड़े हैं, जो किसी भी टीम में सबसे कम हैं। इस दौरान कोलकाता को सिर्फ एक बार 50+ की ओपनिंग साझेदारी मिली।

वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के वॉर्म-अप मैचों का ऐलान, कब होंगे टीम इंडिया के मुकाबले

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। आईसीसी ने वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए वार्म-अप शेड्यूल जारी कर दिया है. इस ग्लोबल टूर्नामेंट की तैयारी के तौर पर, सभी बारह टीमें 6 से 10 जून के बीच 4 अलग-अलग वेन्यूज पर 2-2 मुकाबले खेलेंगी. ये टूर्नामेंट 12 जून को एजबेस्टन में शुरू होगा.

पहला मुकाबला किन टीमों के बीच?

नीदरलैंड्स की टीम जो वुमेंस वर्ल्ड कप 2026 में अपना डेब्यू करने जा रही है, डर्बी में स्कॉटलैंड के खिलाफ वार्म-अप मैचों की शुरुआत करेगी. मेजबान इंग्लैंड कार्डिफ में ऑस्ट्रेलिया और भारत का सामना करेगी. मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड लॉफबोरो में बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी.

इन टीमों का नहीं हुआ है ऐलान

टूर्नामेंट शुरू होने में अब एक महीना बाकी है, लेकिन 4 टीमों ने अभी तक अपने स्क्वॉड का ऐलान नहीं किया है, जिसमें पाकिस्तान, आयरलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज शामिल है. आईसीसी के नियमों के मुताबिक, टीमों को वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से एक महीना पहले अपनी स्क्वॉड का नाम बताना होता है. हालांकि कुछ खास हालात में टीमें अभी भी अपनी टीम में बदलाव कर सकती हैं.

वॉर्म-अप मैचों का पूरा शेड्यूल

तारीख	मुकाबला	वेन्यू
6 जून	नीदरलैंड्स vs स्कॉटलैंड	डर्बी
6 जून	दक्षिण अफ्रीका vs आयरलैंड	लॉफबरो
6 जून	श्रीलंका vs पाकिस्तान	डर्बी
6 जून	न्यूजीलैंड vs बांग्लादेश	लॉफबरो
8 जून	भारत vs वेस्टइंडीज	कार्डिफ
8 जून	इंग्लैंड vs ऑस्ट्रेलिया	कार्डिफ
9 जून	स्कॉटलैंड vs पाकिस्तान	डर्बी
9 जून	आयरलैंड vs बांग्लादेश	लॉफबरो
9 जून	नीदरलैंड्स vs श्रीलंका	डर्बी
9 जून	दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड	लॉफबरो
10 जून	भारत vs इंग्लैंड	कार्डिफ
10 जून	वेस्टइंडीज vs ऑस्ट्रेलिया	कार्डिफ

थाईलैंड ओपन में भारत का जलवा

सिंधू और सात्विक-चिराग क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

बैंकॉक, 14 मई (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने महिला एकल प्री-क्वार्टरफाइनल में डेनमार्क की अमाली शुल्ज को 21-13, 21-15 से हराया। यह मुकाबला सिर्फ 28 मिनट चला और सिंधू ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा। इससे पहले सिंधू ने पहले दौर में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-तोंग को 21-9, 21-12 से हराया था। अब क्वार्टरफाइनल में उनका सामना जापान की मौजूदा विश्व चैंपियन अकाने यामागूची से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक 28 मुकाबले हुए हैं, जिनमें सिंधू 15-13 से आगे हैं।

भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाइराज रैंकीरेड्डी ने

मलयेशिया के ब्रायन जेरेमी गूंटिंग और मोहम्मद हैकाल को 21-12, 21-19 से हराया। यह दोनों जोड़ियों की पहली भिड़ंत थी, जिसमें भारतीय जोड़ी ने शानदार तालमेल दिखाया। अब क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला जापान की ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी की जोड़ी से होगा। सात्विक-चिराग इस टूर्नामेंट के शीर्ष वरीय खिलाड़ी हैं और इससे पहले 2019 और 2024 में खिताब जीत चुके हैं।

दिन में आगे लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, मालविका बंसोड़ और देविका सिहाग अपने मुकाबले खेलने उतरेंगे। श्रीकांत ने पहले दौर में सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लोह कियान यू को सीधे गेम में हराकर शानदार शुरुआत की थी। वहीं लक्ष्य सेन ने चोट से वापसी करते हुए सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को हराया।

भारतीय खिलाड़ी उन्नति खरब का अभियान पहले दौर में समाप्त हो गया। उन्हें चीन की विश्व नंबर-4 चेन यू फेई ने कड़े मुकाबले में 21-19, 13-21, 18-21 से हराया। यह मैच एक घंटे 10 मिनट तक चला। थाईलैंड ओपन में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन उत्साहजनक रहा है। सिंधु और सतविक-चिराग के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने से भारत की पदक उम्मीदें मजबूत हुई हैं। अब सभी की नजर अगले दौर के बड़े मुकाबलों पर रहेगी।

चेन्नई के जैमी ओवर्टन चोट के कारण इंग्लैंड लौटे

आईपीेल के बाकी मैच खेलना मुश्किल; घोष की जगह नोरोन्हा को मौका

चेन्नई, 14 मई (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज जैमी ओवर्टन दाहिनी जांघ की चोट के कारण इंग्लैंड लौट गए हैं। फ्रेंचाइजी ने सोशल प्लेटफार्म एक्स पर यह जानकारी दी। हालांकि, टीम ने यह साफ नहीं किया कि वे कितने समय तक बाहर रहेंगे, लेकिन आईपीेल सीजन में बाकी के लीग मैच में उनका खेलना मुश्किल लग रहा है। वे इस सीजन में चेन्नई के टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। सीएसके ने यह भी बताया कि उसने चोटिल ऑलराउंडर रामकृष्ण घोष की जगह कर्नाटक के ऑलराउंडर मैकनील नोरोन्हा को टीम में शामिल किया है। घोष 3 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में चोट लग गई थी। पैर में फ्रैक्चर के चलते उन्हें पूरे सीजन से बाहर होना पड़ा। घोष ने अपने इकलौते मैच में 24 रन देकर 1 विकेट लिया था।

मैकनील नोरोन्हा हाल में घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में रहे हैं। हाल ही में बीसीसीआई के सालाना 'नमन अवॉड्र्स' में उन्हें एमए

चिदंबरम ट्रॉफी से नवाजा गया था। वे 2024-25 की कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने महाराजा ट्रॉफी 2025 में मंगलुरु ड्रैगन्स के लिए खेलते हुए उन्होंने 10 पारियों में 253 रन बनाए और ऑफ-स्पिन से 10 विकेट भी लिए थे। ओवर्टन और घोष के अलावा, चेन्नई के 3 अन्य खिलाड़ी भी चोट के कारण बाहर हुए हैं, इनमें खलील अहमद, आयुष म्हात्रे और नाथन एलिस जैसे नाम शामिल हैं।

खलील अहमदः जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्होंने 5 मैचों में टीम के लिए 2 विकेट लिए थे।

आयुष म्हात्रेः नंबर-3 के बल्लेबाज आयुष भी हैमर्स्ट्रिंग इंजरी का शिकार हुए। उन्होंने इस सीजन 6 मैचों में 177.88 की स्ट्राइक रेट से 201 रन बनाए।

नाथन एलिसः सीजन शुरू होने से पहले ही हैमर्स्ट्रिंग इंजरी के चलते बाहर हो गए थे। चेन्नई ने एलिस को 2024 के मेगा ऑक्शन में 2 करोड़ में खरीदा था।

टीम की सबसे बड़ी चिंता पूर्व कप्तान एमएस धोनी को लेकर बनी हुई है। धोनी पिंडली में खिंचाव के कारण इस सीजन अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। उनके अलावा ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन भी अनफिट होने के कारण बेंच पर हैं। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस भी शुरुआत के तीन मैच नहीं खेल सके थे, जिससे टीम को शुरुआती हार झेलनी पड़ी थी।

पांच टूर्नामेंट, पांच मेडल फिर भी बाहर: श्रीजेश बोले- विदेशी कोच के लिए हटाया गया, हॉकी इंडिया ने किया खंडन

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व दिग्गज गोलकीपर और जूनियर पुरुष टीम के पूर्व कोच पीआर श्रीजेश ने अपने पद से हटाए जाने के बाद हॉकी इंडिया पर विदेशी कोचों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है। हालांकि, हॉकी इंडिया ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

श्रीजेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि महज डेढ़ साल के कार्यकाल में टीम ने पांच टूर्नामेंट खेले और सभी में पदक जीते, इसके बावजूद उनका कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाया गया।उन्होंने लिखा, 'ऐसा लगता है कि मेरा कोचिंग करियर 1.5 साल में खत्म हो गया। इस दौरान हमने पांच टूर्नामेंट खेले और पांच पदक जीते, जिसमें जूनियर वर्ल्ड कप का कांस्य पदक भी शामिल है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने सुना था कि खराब प्रदर्शन के कारण कोच

हटाए जाते हैं, लेकिन पहली बार देख रहा हूं कि विदेशी कोच को लाने के लिए मुझे हटाया गया।'

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने स्पष्ट किया कि श्रीजेश को निकाला नहीं गया, बल्कि उनका अनुबंध दिसंबर 2025 में समाप्त हुआ था। टिर्की ने बयान जारी करते हुए कहा, 'पीआर श्रीजेश का कार्यकाल अनुबंध के अनुसार दिसंबर 2025 में समाप्त हुआ। इसके बाद प्रक्रिया के तहत पद का विज्ञापन जारी किया गया और मेरिट के आधार पर चयन प्रक्रिया अपनाई गई।' उन्होंने बताया कि एक योग्य कोच का चयन किया गया है, जिसकी घोषणा जल्द की जाएगी।

हॉकी इंडिया के अनुसार, श्रीजेश को डेवलपमेंट टीम का कोच बनने का प्रस्ताव दिया गया था, जो लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक और अगले ओलंपिक चक्र के लिए अहम माना जा रहा है। लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें सीनियर पुरुष टीम के गोलकीपिंग कोच का रोल भी ऑफर किया गया था।

38 वर्षीय श्रीजेश ने सवाल उठाया कि क्या भारतीय कोच भारतीय हॉकी को आगे नहीं बढ़ा सकते? उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया अध्यक्ष ने कहा कि सीनियर टीम के मुख्य कोच क्रैग फुल्टन जूनियर टीम के लिए विदेशी हेड कोच चाहते हैं ताकि जूनियर से सीनियर स्तर तक बेहतर विकास हो सके। लेकिन क्या भारतीय कोच भारतीय हॉकी को विकसित नहीं कर सकते?' श्रीजेश ने यह भी कहा कि केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने उनसे भारतीय हॉकी के भविष्य के लिए कोचिंग में आगे आने की बात कही थी।

दिलीप टिर्की ने श्रीजेश के दावों को गलत बताते हुए कहा कि कभी भी उन्हें यह नहीं बताया गया कि विदेशी कोच को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा, 'हम 2036 ओलंपिक विजन को ध्यान में रखकर काम कर रहे हैं और भारतीय कोचों को विकसित करना हमारी प्राथमिकता है। हॉकी इंडिया ने अब तक 600 से अधिक भारतीय कोचों को प्रमाणित किया है।'

इसके अलावा श्रीजेश भारत के महानतम गोलकीपरों में गिने जाते हैं। उन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक और 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

सूत्रों के मुताबिक फ्रांस के पूर्व कोच फ्रेडरिक सोयेज भारत की अंडर-21 पुरुष टीम के नए मुख्य कोच बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। 48 वर्षीय सोयेज ने फ्रांस और स्पेन की राष्ट्रीय टीमों को कोचिंग दी है। वे 2016 रियो ओलंपिक में स्पेन को पांचवें स्थान तक पहुंचा चुके हैं और पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ माने जाते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लिश टीम घोषित

लंदन, 14 मई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने लॉड्र्स में होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। नए नेशनल सिलेक्टर मार्कस नॉर्थ ने ऑस्ट्रेलिया से एशेज सीरीज हारने वाली टीम में 7 बदलाव किए हैं। सबसे चौंकाने वाला फैसला ओपनर जैक क्रॉली को बाहर करने का है।

क्रॉली की जगह डरहम के एमिलियो गे को टीम में शामिल किया गया है। एमिलियो ने इस सीजन में 92 की औसत से 552 रन बनाए हैं। वहीं, ससेक्स के तेज गेंदबाज ऑली रॉबिन्सन की 2 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। इंग्लैंड को 4 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी करनी है। इंग्लिश सिलेक्टर्स ने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवाओं को मौका दिया है।

एमिलियो गेः इस समर तीन शतक जड़ने वाले गे को ओपनिंग की जिम्मेदारी मिल सकती है।

जेम्स रीवः समरसेट के इस युवा बल्लेबाज को बैकअप बैटर और विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है।

सनी बेकरः हैम्पशायर के इस अनकैप्ड तेज गेंदबाज ने रेड-बॉल क्रिकेट में समरसेट के खिलाफ 5 विकेट लिए हैं।

मार्क वुड और ब्रायडन कार्स चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में ऑली रॉबिन्सन को चुना गया है। वे गस एटकिंसन और जोश टंग के साथ तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। रॉबिन्सन ने ससेक्स के लिए 6 विकेट लेकर अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित की है। कप्तान बेन स्टोक्स भी नई गेंद से गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं।

टीम में 2 स्पिनर्स को शामिल किया गया है। इनमें रेहान अहमद और शोएब बशीर शामिल हैं। रेहान आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं, जबकि बशीर डर्बीशायर के लिए खेल रहे हैं। लॉड्र्स में इन दोनों में से एक को प्लेइंग-11 में मौका मिल सकता है।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, गस एटकिंसन, सनी बेकर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, जेम्स रीव, ऑली रॉबिन्सन, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर) और जोश टंग।

इंग्लैंड की पुरुष टीम ने पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया फील्डिंग कोच, अचानक खत्म हो गया था करियर

लंदन, 14 मई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 जून से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड ने बहुत बड़ा कदम उठाया है. इंग्लैंड ने सारा टेलर को पुरुष टीम का फील्डिंग कोच बनाया है. सारा टेलर इंग्लैंड की पूर्व विकेटकीपर हैं, जिन्होंने टीम को दो वनडे कप और एक टी20 वर्ल्ड कप जिताया. यही नहीं हुए वो तीन बार एशेज सीरीज भी जीते. सारा टेलर दो बार टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर और वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर बनी हैं. सारा टेलर 2012,

2013 में बेस्ट टी20 क्रिकेटर और 2014 में बेस्ट वनडे क्रिकेटर चुनी गईं. सारा टेलर के नाम तीनों फॉर्मेट में सबसे तेज डेब्यू करने का रिकॉर्ड है. सारा टेलर ने महज 9 दिनों में टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू कर लिया था. ये पुरुष और महिला क्रिकेट में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है.

सारा टेलर का करियर साल 2019 में खत्म हुआ था. सारा टेलर ने अचानक इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था. ये खिलाड़ी लगातार एंग्जाइटी की समस्या से जूझ रही थी. सारा टेलर ने महिला वनडे क्रिकेट में 4056 रन बनाए. साथ ही टी20 में उनके नाम 2177 रन हैं. सारा ने डब्ल्यूबीबीएल और वीमेंस 100 में भी हिस्सा लिया. उनके नाम 100 से ज्यादा कैच भी हैं.

त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम घोषित, वैभव सूर्यवंशी को मिला मौका

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रीलंका और अफगानिस्तान के साथ होने वाली वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम का एलान कर दिया है। दिलचस्प बात यह है कि इस सीरीज के लिए 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी मौका मिला है जो पहली बार इंडिया ए स्क्वाड का हिस्सा होंगे। भारत ए इस सीरीज में तिलक वर्मा की कप्तानी में खेलने उतरेगा, जबकि रियान पराग उपकप्तान होंगे। पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में जून में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम का चयन किया है। इस सीरीज में भारत के अलावा श्रीलंका और अफगानिस्तान की ए टीम हिस्सा लेगी। इसके अलावा भारत ए श्रीलंका ए के खिलाफ दो बहु-दिवसीय मैच भी खेलेगा जिसके लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी। सेफद गेंद की सीरीज के मुकाबले दांबुला में होंगे, जबकि लाल गेंद वाले मुकाबलों की मेजबानी गॉल करेगा।

भारत, श्रीलंका और अफगानिस्तान ए के बीच होने वाली

तिलक करेंगे कप्तानी

ये त्रिकोणीय सीरीज आईपीएल 2026 के बाद खेली जाएगी। इसका पहला मुकाबला नौ जून को भारत और श्रीलंका की ए टीमों के बीच खेला जाएगा, जबकि भारत का दूसरा मुकाबला 11 जून को अफगानिस्तान से होगा। तीनों ही टीमें कुल चार-चार मुकाबले खेलेगी और जो दो टीमें सबसे ज्यादा मैच जीतेंगी उनके बीच 21 जून को त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल मैच खेला जाएगा। वैभव ने आईपीएल के मौजूदा सीजन में प्रभावित किया है। वैभव राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं और इस सीजन में अब तक 11 मैचों में 440 रन बना चुके हैं। वैभव ने इस सीजन में एक शतक भी लगाया है।

त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीमः तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्या, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बदोनी, निशांत सिंद्धु, हर्ष दुबे, सुर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान।

त्रिकोणीय सीरीज का कार्यक्रम

09 जूनः भारत ए-श्रीलंका ए, 11 जून :भारत ए-अफगानिस्तान ए, 13 जून :अफगानिस्तान ए -श्रीलंका ए,15 जून : भारत ए -श्रीलंका ए, 17 जून :भारत ए -अफगानिस्तान ए, 19 जून :अफगानिस्तान ए -श्रीलंका ए, 21 जून : त्रिकोणीय सीरीज फाइनल।

ग्रेहाउंड्स और ऑक्टोपस तेलंगाना पुलिस के सबसे प्रतिष्ठित बलों में शामिल : डीजीपी

> आतंकवाद निरोधक तैयारियों की समीक्षा

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना डीजीपी सी.वी. आनंद ने गुरुवार को इब्राहिमपटनम स्थित ऑक्टोपस कमांडो प्रशिक्षण केंद्र का दौरा कर आतंकवाद निरोधक बल की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण गतिविधियों और ऑपरेशनल तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। डीजीपी ने प्रशासनिक भवन, प्रशिक्षण ब्लॉक, ऑपरेशनल सुविधाओं तथा हाल ही में विकसित बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कमांडो जवानों से बातचीत कर आतंकवादी घटनाओं से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही स्पेशल वेपन्स एंड टैक्टिक्स (स्वाट) टीम और प्रशिक्षण शाखा की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की। अनिल कुमार, डीजीपी ऑपरेशंस (ऑक्टोपस एवं ग्रेहाउंड्स) ने डीजीपी को ऑपरेशनल टीमों की नियमित गतिविधियों, संवेदनशील स्थलों पर किए जा रहे मॉक ड्रिल, आतंकवाद निरोधक अभ्यासों तथा आधुनिक हथियारों और उपकरणों के इस्तेमाल संबंधी विशेष प्रशिक्षण की जानकारी दी। अधिकारियों और कमांडो जवानों को संबोधित करते हुए डीजीपी सी.वी. आनंद ने विभिन्न प्रकार की इमारतों और वास्तविक परिस्थितियों में मॉक ऑपरेशन आयोजित करने पर जोर दिया, ताकि ऑपरेशनल क्षमता और प्रभावशीलता बढ़ाई जा सके। उन्होंने बल को उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, सतर्कता और चौबीसों घंटे तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया। डीजीपी ने आधुनिक उपकरणों और बुनियादी ढांचे की जरूरतों की भी समीक्षा की तथा मौजूदा और प्रस्तावित हवाई अड्डों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रणनीतियों को और मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रेहाउंड्स और ऑक्टोपस तेलंगाना पुलिस के सबसे प्रतिष्ठित बलों में शामिल हैं और अपनी पेशेवर कार्यशैली तथा दक्षता के कारण देशभर में पहचान बना चुके हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोनों विशेष बलों को सरकार और पुलिस विभाग की ओर से हरसंभव सहयोग मिलता रहेगा। समीक्षा बैठक में एसपी (प्रशासन) एम. वेंकटेश्वरलु, अतिरिक्त एसपी (ऑपरेशंस) चौ. रघुनंदन सहित ऑक्टोपस के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नाबालिग के अपहरण का आरोपी पुलिस हिरासत से फरार

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के तांदूर पुलिस स्टेशन से नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में गिरफ्तार एक आरोपी फरार हो गया। घटना इस सप्ताह की शुरुआत में हुई, जिसका खुलासा गुरुवार को हुआ। जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी मोहम्मद अजीम तांदूर में एक सैलून में काम करता था। इसी दौरान उसकी दोस्ती 16 वर्षीय लड़की से हो गई। आरोप है कि शनिवार को वह लड़की को अगवा कर हैदराबाद ले गया और उसे दिल्ली ले जाने की तैयारी कर रहा था। लड़की के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने हैदराबाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और लड़की को सुरक्षित बरामद कर लिया। इसके बाद आरोपी को तांदूर पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां अदालत में पेशी से पहले उसे हथकड़ी लगाकर रखा गया था। बताया गया कि मौका मिलते ही आरोपी पुलिस स्टेशन से फरार हो गया। आरोपी के फरार होने की जानकारी मिलते ही पुलिस ने उसकी तलाश के लिए विशेष टीमें गठित कर दी हैं।

बीसी गुरुकुलों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रतिभा पुरस्कार

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित कोमुरम भीम भवन में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की ओर से बीसी गुरुकुलों और कल्याण छात्रावासों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रतिभा पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मंत्री पोनम प्रभाकर और वाकिटि श्रीहरि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सरकारी सलाहकार वी. हनुमंतराव, बीसी आयोग के अध्यक्ष निरंजन, बीसी समर्पण आयोग के अध्यक्ष बी. वेंकटेश्वरलु, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, विभाग की सचिव बालमाया देवी, एमजेपी सचिव सैदुलु सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने कहा कि विद्या ददाति विनयम का अर्थ है कि शिक्षा व्यक्ति को विनम्र बनाती है और विनम्रता ही उसे योग्य बनाती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल दुनिया को बदलने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मनुष्य को बंधनों और पिछड़ेपन से बाहर निकालने की शक्ति भी देती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं है और ज्ञान के क्षेत्र में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति पूर्ण एकाग्रता और समर्पण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि गुरुकुलों में विद्यार्थियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, इसलिए शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में पिछड़ा वर्ग समाज को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सौ वर्षों में पहली बार जातीय गणना कराकर ऐतिहासिक कार्य किया है। शिक्षा व्यवस्था में दबाव कम करने के उद्देश्य से 25 हजार शिक्षकों को स्थानांतरण और पदोन्नति दी गई है। मंत्री ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अवसरों का सही उपयोग करें और भविष्य में विधानसभा तथा संसद तक पहुंचकर समाज और देश के लिए कानून बनाने में भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा बनाए गए कानून देश का भविष्य तय करते हैं।

अस्पताल में लिफ्ट गिरने से मंत्री बाल-बाल बचे

करीमनगर, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के एक निजी अस्पताल में बुधवार रात लिफ्ट गिरने की घटना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार बाल-बाल बच गए। मंत्री अस्पताल में भर्ती मक्का किसान राजायाह का हालचाल जानने पहुंचे थे। बताया गया कि किसान से मुलाकात के बाद मंत्री पहली मंजिल से भूतल पर आने के लिए लिफ्ट में सवार हुए। इसी दौरान लिफ्ट अचानक नीचे गिर गई और मंत्री उसमें फंस गए। सूचना मिलते ही अस्पताल कर्मचारी मौके पर पहुंचे और लिफ्ट का गेट खोलकर मंत्री को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद मंत्री ने अस्पताल प्रबंधन पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मरीजों से भारी शुल्क लेने के बावजूद अस्पताल में बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले की शिकायत पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है और अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

फ्लाईओवर पर कार-बस की टक्कर, दो की मौत, तीन घायल

करीमनगर, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मनकोंदुर मंडल के खदरगुडा फ्लाईओवर पर बुधवार देर रात कार और टीजीएसआरटीसी बस की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। बताया गया कि कार वारंगल से मंचेरियल की ओर जा रही थी, जबकि बोधन डिपो की बस वारंगल की तरफ जा रही थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार चालक आसिफाबाद निवासी खालिद (58) और पेद्दापल्ली निवासी गजभीमकर राजू की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में मंचेरियल निवासी वरप्रसाद, उमा और पेद्दापल्ली की सुमति घायल हो गईं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को करीमनगर अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सिंगरेनी में पहली बार महिलाएं संभालेंगी भारी डंपरों की कमान

> राज्य सरकार के निर्देश पर महिला डंपर चालकों की भर्ती की तैयारी

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोयला खदान कंपनी लिमिटेड ने अपने 13 दशक लंबे इतिहास में पहली बार महिलाओं को भारी डंपर चालक के रूप में नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राज्य सरकार के निर्देश पर कंपनी प्रबंधन ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए यह पहल की है। जल्द जारी होने वाली डंपर चालक भर्ती में महिलाओं को भी अवसर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी तथा उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्ल के निर्देश पर कंपनी ने यह निर्णय लिया है। सिंगरेनी की खुली खदानों में 60 से 100 टन क्षमता वाले विशाल डंपरों का उपयोग कोयला और मिट्टी की ढुलाई के लिए किया जाता है। अब तक इन डंपरों का संचालन केवल पुरुष कर्मचारी ही करते रहे हैं।

कंपनी के अधिकारियों के अनुसार भारी डंपर चलाना अत्यंत कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके लिए शारीरिक क्षमता, तकनीकी दक्षता तथा विपरीत परिस्थितियों में कार्य करने का अनुभव आवश्यक होता है। भीषण गर्मी, तेज वर्षा और कड़ाके की ठंड में भी तीनों पालियों में डंपर संचालन करना पड़ता है। इसके बावजूद महिलाओं ने इस कार्य में रुचि दिखाई है। इच्छुक महिला कर्मचारियों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसमें लगभग 35 महिलाएं आगे आईं। भारी वाहन संचालन का प्रशिक्षण देने के लिए कंपनी ने सिरिसिल्ला स्थित तेलंगाना वाहन प्रशिक्षण एवं कौशल संस्थान के माध्यम से निःशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था की। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाली 13 महिला कर्मचारियों ने डंपर चालक के रूप में कार्य करने की सहमति दी है। कंपनी प्रबंधन ने बताया कि आगामी भर्ती प्रक्रिया में उन्हें अवसर प्रदान किया जाएगा। महिला कर्मचारियों ने कहा कि प्रारंभ में इतने बड़े डंपर चलाने को लेकर उनमें भय और संकोच था, लेकिन प्रशिक्षण के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य सरकार और कंपनी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। अधिकारियों ने बताया कि सिंगरेनी में पहले ही बेल्लमपल्ली की खैरीगुड़ा खुली खदान में महिलाओं को विस्फोट कार्य जैसे चुनौतीपूर्ण दायित्व सौंपे जा चुके हैं, जहां वे पुरुष कर्मचारियों के समान दक्षता से कार्य कर रही हैं। इसके अतिरिक्त कंपनी ने पहली बार महिला बचाव दल का भी गठन किया है। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी कठिन और तकनीकी कार्यों में महिलाओं को पुरुषों के समान अवसर प्रदान किए जाएंगे।

महिला निधि में अनियमितताओं पर कार्रवाई हो : कविता

मंत्री सीताक्का से मांगा जवाब

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता ने महिला निधि में कथित अनियमितताओं को लेकर राज्य सरकार और मंत्री सीताक्का पर निशाना साधा है। उन्होंने विभाग में हो रही गड़बड़ियों पर जवाब देने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। कविता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने संदेश में आरोप लगाया कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से स्थापित महिला निधि अब भ्रष्टाचार का केंद्र बन गई है। उन्होंने कहा कि संस्था के प्रबंध निदेशक ने संगठन को अपने नियंत्रण में लेकर कई अनियमितताओं को बढ़ावा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंध निदेशक का कार्यकाल 23 मई को समाप्त होने वाला है, लेकिन इसके बावजूद वह किसी भी तरह संगठन पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। कविता ने कहा कि 16 मई को होने वाली कर्मचारियों की बैठक में पदेन अध्यक्ष का पद समाप्त करने की योजना बनाई गई है। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार बेरोजगारों को रोजगार देने में विफल रही है और महत्वपूर्ण पदों पर अवैध तरीके से लोगों को बनाए रखने का प्रयास कर रही है। उन्होंने मंत्री सीताक्का से मांग की कि महिला निधि में कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार प्रबंध निदेशक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। साथ ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से आग्रह किया कि महिला निधि में नियुक्तियों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए।

ईंधन बचत के लिए आंध्र प्रदेश सरकार ने घटाए वीआईपी काफिले

> प्रधानमंत्री की अपील के बाद मंत्रियों ने भी उठाया कदम

अमरावती, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईंधन संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने वीआईपी काफिलों का आकार कम करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के बाद अब राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश सहित कई मंत्रियों ने भी अपने काफिलों में वाहनों की संख्या घटाने का फैसला किया है। नारा लोकेश ने गुरुवार को अपने सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया कि उनके काफिले में वाहनों की संख्या 50 प्रतिशत तक कम की जाए। इस निर्णय के बाद उनके काफिले में केवल दो वाहन रहेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जिला दौरों के दौरान काफिलों में वाहनों की संख्या आधी करने के निर्देश दिए थे।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी अपने काफिले में वाहनों की संख्या 50 प्रतिशत कम करने की घोषणा की। बुधवार को पुलिस महानिदेशक हरीश कुमार गुप्ता और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने ईंधन की खपत कम करने के उद्देश्य से यह कदम उठाने को कहा।

उन्होंने मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी सरकारी कार्यक्रमों और दौरों में वाहनों का न्यूनतम उपयोग करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के फैसले के बाद उनके कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर नागरिकों से मितव्ययिता बरतने की अपील की है और स्वयं भी उसका पालन कर रहे हैं। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने भी अपने आधिकारिक दौरों के दौरान वाहनों और प्रोटोकॉल अधिकारियों की संख्या कम करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायडू ने बुधवार को एक जनसभा में कहा था कि बड़े-बड़े काफिलों में यात्रा करना एक चलन बन गया है, जिसे समाप्त करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए और सुरक्षा व्यवस्था भी आवश्यकता के अनुसार सीमित होनी चाहिए। मुख्यमंत्री की अपील के बाद कई मंत्रियों ने अपने काफिलों में वाहनों की संख्या कम कर दी। सिंचाई मंत्री निम्मला रामनायडू गुरुवार को बिना सुरक्षा वाहनों के मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। मंत्री अनीता, संध्या रानी, पी. केशव, कोल्लु रविंद्र और सविता सहित अन्य मंत्री भी कम वाहनों के साथ पहुंचे। इस बीच, मंत्रिमंडल की बैठक में संसाधन संरक्षण और आत्मनिर्भरता से संबंधित राज्य कार्य योजना पर चर्चा की जाएगी।

नवजात शिशुओं की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का खुलासा

मेदक, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले में नवजात शिशुओं की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह सक्रिय होने का मामला सामने आया है। मेदक पुलिस और आईसीडीएस अधिकारियों ने पिछले तीन महीनों में ऐसे तीन मामलों का खुलासा किया है।

जांच में पता चला कि कुछ अस्पताल कर्मचारियों की भी इसमें भूमिका थी, जो दलाली कर नवजात बच्चों की बिक्री करा रहे थे। पहले मामले में लिंगासनिपल्ली थंडा के एक आदिवासी दंपति ने अपने नवजात बेटे को कामारेड्डी के एक निःसंतान दंपति को 17 लाख रुपये में बेच दिया था। आंगनवाड़ी शिक्षिका और एएनएम की शिकायत पर पुलिस ने बच्चे को बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

पीएमजे ज्वेलरी शॉप डकैती केस

करीमनगर, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर पुलिस ने 3 मई को हुई पीएमजे ज्वैलरी शॉप डकैती मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने डकैती में शामिल 13 आरोपियों में से दो मुख्य आरोपियों समेत तीन लोगों को पकड़ा है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रघुनाथ कर्मकार उर्फ जगीरा सिंह, रविश कुमार और उनके सहयोगी महताब खान के रूप में हुई है। रघुनाथ और महताब पश्चिम बंगाल के आसनसोल के निवासी हैं, जबकि रविश कुमार बिहार के नालंदा का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 51 हजार रुपये नकद, दो मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड और फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं।

गिरोह का सरगना सुबोध सिंह फिलहाल पूर्णिया जेल में बंद है, जबकि अन्य आरोपी राधे मिश्रा और सूर्यमणि कुमार फरार बताए जा रहे हैं। करीमनगर पुलिस आयुक्त गौश आलम ने गुरुवार को मीडिया के सामने आरोपियों को पेश करते हुए गिरोह के काम करने के तरीके की जानकारी दी।

व्हाट्सएप पर उपलब्ध होंगे प्रवेश पत्र

मीसेवा चैटबॉट के माध्यम से मिलेगी सुविधा

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के इलेक्ट्रॉनिक सेवा वितरण विभाग ने डीईईसीईटी (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन कॉमन एंट्रेंस टेस्ट) के प्रवेश पत्र मीसेवा व्हाट्सएप चैटबॉट प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इसके माध्यम से राज्य के लाखों विद्यार्थी 15 मई सुबह 10 बजे से अपने प्रवेश पत्र सीधे व्हाट्सएप पर प्राप्त कर सकेंगे। डीईईसीईटी परीक्षा का आयोजन 21 और 22 मई को किया जाएगा। विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विद्यार्थियों को सबसे पहले मीसेवा का आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर 8096958096 अपने मोबाइल में मीसेवा तेलंगाना नाम से सुरक्षित करना होगा। इसके बाद व्हाट्सएप पर हाय संदेश भेजकर चैटबॉट शुरू करना होगा। फिर डीईईसीईटी हॉल टिकट लिखकर भेजना होगा।

इसके बाद मेन्यू में दिए गए ओपन सर्विस विकल्प पर क्लिक कर भुगतान पहचान संख्या, आवेदन संख्या, मोबाइल नंबर और जन्मतिथि दर्ज करनी होगी। विवरण जमा करते ही प्रवेश पत्र तुरंत व्हाट्सएप पर उपलब्ध हो जाएगा। सरकार ने कहा कि इस पहल से विद्यार्थियों और अभिभावकों को परीक्षा संबंधी सेवाएं तेज, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जा सकेंगी। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री डी. श्रीधर बाबू के नेतृत्व में मीसेवा नागरिक सेवाओं को अधिक सरल और सुलभ बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। मीसेवा का व्हाट्सएप चैटबॉट प्लेटफॉर्म 18 नवंबर 2025 को शुरू किया गया था। इसके माध्यम से जन्म प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, पुलिस चालान, बिजली बिल तथा बोर्ड परीक्षा परिणाम जैसी सेवाओं का लाभ बड़ी संख्या में लोग उठा रहे हैं। सरकार ने कहा कि भविष्य में भी डिजिटल सेवाओं का विस्तार करते हुए नागरिकों को बेहतर और निर्बाध सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

केटीआर और हरीश राव पर भड़के गज्रेल कांथम

> सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार करने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव गज्जेल कांथम ने भारत राष्ट्र समिति के नेताओं केटीआर और हरीश राव पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों नेता सोशल मीडिया के माध्यम से यह दुष्प्रचार कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी केंद्रीय मंत्री बंदी संजय का समर्थन कर रहे हैं। गज्जेल कांथम ने कहा कि केटीआर और हरीश राव को झूठ और भ्रम फैलाना बंद करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस ने दस वर्षों तक जनता के साथ धोखा किया और तेलंगाना की महिलाओं तथा युवाओं को गुमराह किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के मुद्दों पर बोलने का नैतिक अधिकार केटीआर को नहीं है। कांथम ने केटीआर पर फोन टैपिंग और फिल्म उद्योग से जुड़ी महिलाओं को कथित रूप से ब्लैकमेल करने जैसे गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि उनके पास केटीआर से जुड़े कई प्रमाण, तस्वीरें और वीडियो मौजूद हैं, जिन्हें समय आने पर सार्वजनिक किया जाएगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ और जनता का धन लूटा गया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्रचार पर हर महीने करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय अब बीआरएस पर विश्वास नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी राज्य की महिलाओं को अपनी बेटियों की तरह मानते हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। गज्जेल कांथम ने कहा कि कानून के सामने सभी समान हैं। उन्होंने बताया कि बंदी संजय के पुत्र भागीरथ से जुड़े मामले की जांच जारी है और मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को सच्चाई सामने लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि जांच में कोई दोषी पाया गया तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छात्रावास के बाथरूम में महिला का शव मिलने से सनसनी

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मधुरा नगर स्थित एक महिला छात्रावास के पेंटहाउस के बाथरूम में गुरुवार सुबह 40 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले की रहने वाली हरिका के रूप में हुई है, जो छात्रावास के पेंटहाउस में ठहरी हुई थी। बताया गया कि तड़के छात्रावास में रह रही अन्य छात्राओं ने इमारत से दुर्गंध आने की शिकायत की, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने पेंटहाउस की जांच की। जांच के दौरान महिला का शव बाथरूम में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर भेज दिया। मधुरा नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को आशंका है कि महिला की मौत दो दिन पहले हुई थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.